समग्र शिक्षा
ओड़िशा

वार्षिक रिपोर्ट
2021 - 2022

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओड़िशा)

शिक्षा शौध, यूनिट - V,
भुवनेश्वर - 751001

www.osepa.odisha.gov.in
@OSEPA – Official
06742395325

समग्र शिक्षा ओड़िशा

वार्षिक रिपोर्ट

2021 - 2022

मुख्य संपादक

श्री अनुपम साहा, आईएएस

निदेशक, राज्य परियोजना, ओसेपा

संपादक मंडली

- **श्री सरोज कुमार बेहेरा,** अपर निदेशक (जेनराल)
- **श्री प्रशांत कुमार स्वाईं,** अतिरिक्त निदेशक गुणवत्ता और टीटी
- **श्रीमती सुदेस्ना कर**, एफए व सीएओ, ओसेपा
- **श्रीमती अमिता पट्टनायक**, संयुक्त निदेशिका, ओसेपा
- श्री रमेश चंद्र सेठी, जे डि, प्लानीगीं
- **श्रीमती सुरेखा तराई,** संयुक्त निदेशिका (सिविल, एक्सेस, एसएसएच), ओसेपा
- **श्रीमती आरती राउत**, संयुक्त निदेशिका, ओसेपा
- **श्रीमती राजश्री पट्टनायक**, संयुक्त निदेशिक, ओसेपा
- **श्री गेंद्रा कजूर**, संयुक्त निदेशक, ओसेपा
- **श्रीमती सौदामिनी दाश**, उप निदेशिका, ओसेपा
- **श्रीमती नलिनी कुमारी साहू**, उप निदेशिका, ओसेपा
- **श्री महेश्वर साहू**, उप निदेशक, ओसेपा
- **श्रीमती निरूपमा बेहेरा**, उप निदेशिका, ओसेपा
- **श्रीमती कल्पना हाँसदा**, उप निदेशिका, ओसेपा
- **श्रीमती सीएच. विजयलक्ष्मी**, सहायक निदेशिका, एमआईएस
- **सुश्री लिपिका साहू**, सहायक निदेशिका (टीई व एससीईआरटी)
- **श्री दीपक राय**, सहायक निदेशक (योजना), ओसेपा, सदस्य समन्वयक

समन्वयक

- **सुश्री निवेदिता महापात्र** , एफओ, ओसेपा
- **सुश्री सुप्रिया प्रधान**, पीओ, ओसेपा
- **श्री आर. के पाणी**, एफसी. ओसेपा
- **सुश्री एस.एस. स्वरूपा**, योजना समन्वयिका, ओसेपा
- **सुश्री जुथिका आचार्य**, प्रोग्रामर, ओसेपा
- **डॉ. नंदिता मंजरी रथ**, पेडागॉजी समन्वयिका, ओसेपा
- **भाषांतर - डॉ. अजित प्रसाद महापात्र**, प्राचार्य (सेवानिवृत्त)

सुरेश चंद्र महापात्र
मुख्य सचिव, ओड़िशा
सह - अध्यक्ष, ओसेपा

ओड़िशा सरकार
लोक सेवा भवन,
भुवनेश्वर - 1

वार्ता

यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) एसएंडएमई विभाग, ओड़िशा सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत शैक्षणिक वर्ष 2021 - 22 समग्र शिक्षा के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने जा रहा है। यह राज्य में केंद्रीय प्रायोजित योजना (सीएसपी) के दौरान कार्यान्वित हुआ है।

समग्र शिक्षा योजना ने स्कूली छात्रों के लिए कोविड - 19 स्थिति के तहत आवश्यक सहायता प्रदान की है। इस योजना के तहत सभी हस्तक्षेपों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 और एसडीजी जीओएएल के 4.0 के साथ संरेक्षण में कार्यान्वित हुआ है।

इस रिपोर्ट से योजनाबद्ध उपलब्धियाँ प्रस्तुत होती हैं जो स्कूली शैक्षिक क्षेत्रों में हितधारकों की एक विस्तृत शृंखला के लिए सर्वोत्तम अभ्यासों को साक्ष्य प्रदान करने में मदद करेगी।

मुझे विश्वास है कि यह रिपोर्ट छात्रों, शिक्षकों और समुदायों की ओर निर्देशित विभिन्न हस्तक्षेपों के लिए एक सूचनात्मक मार्गदर्शिका होगी।

मुख्य सचिव,
ओड़िशा सरकार

SCHOOL LEVEL

असवथि. एस. आईएएस
आयुक्त - सह - सचिव, ओड़िशा सरकार
- सह - उपाध्यक्ष, ओसेपा

ओड़िशा सरकार, स्कूल व जन शिक्षा विभाग, लोक सेवा भवन, भुवनेश्वर - 1
ऑफिस : 0674 – 2536631
Email – secysme@gmail.com

प्राक्कथन

राज्य सरकार ने कोविड - 19 की चुनौतियों के बावजूद विभिन्न अधिगम के वातावरण में प्रत्येक छात्र को उच्च गुणावत्ता वाली शिक्षा देने में सक्षम है। ओसेपा द्वारा कार्यान्वित समग्र शिक्षा ने इसे प्राप्त करने में एक अहम भूमिका निभाई है।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों उपायों से शिक्षण की गुणवत्ता से समझौता किए बिना शिक्षकों, छात्रों और स्कूल समुदायों को सुरक्षित रखने पर हमेशा ध्यान केंद्रित किया गया था। समग्र शिक्षा ने 'निस्था' (NISHTHA) के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण, छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों और यूनिफॉर्म के वितरण और सामुदायिक शिक्षण जैसे विभिन्न हस्तक्षेपों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

ओसेपा ने छात्रों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ताकि वे स्कूल से परे समृद्ध परिणामों का आनंद उठा सकें। एसएमसी / एसएमडीसी / पीटीए सदस्य यानी सभी स्कूल कर्मकर्ताओं को सामुदायिक लामबंदी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समर्थन दिया गया ताकि वे सुनिश्चित कर सकें कि उनके बच्चे नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहे हैं। यह रिपोर्ट उस कड़ी मेहनत का प्रमाण है जिसे ओसेपा टीम ने प्रत्येक छात्र, कक्षा और प्रति दिन के लिए रणनीतिक अधिगम परिणाम देने के मुद्दों में शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

समग्र शिक्षा, ओड़िशा की वार्षिक रिपोर्ट 2021 - 22 यहाँ प्रस्तुत है, जिसमें योजना के विभिन्न हस्तक्षेपों के तहत हासिल की गई उपलब्धियों के मुख्य आयामों का संकेत द्रष्टव्य है।

आयुक्त
सह - सचिव - ओड़िशा सरकार

ada Day 2 raw

अनुपम साहा, आईएएस
राज्य परियोजना, निदेशक,
समग्र शिक्षा, ओड़िशा

ओड़िशा स्कूल शिक्षा
कार्यक्रम प्राधिकरण
ऑफिस : 0674 -
2395325
opepaedu@yahoo.co.i

आमुख

वस्तुतः आज के बच्चे कल के वयस्क नागरिक बनने के लिए कमर कस रहे हैं। विकास, हमारे देश के भविष्य का समानांतर है जो वर्तमान शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता के माध्यम से परिलक्षित होता है। समग्र शिक्षा, एकीकृत योजना है। यह स्कूली शिक्षा के वैचारिक रूपांकन में एक आदर्श और प्रभावी बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। ओड़िशा में 2018 से 'स्कूल' को समग्र रूप से प्री - स्कूल से उच्चतर माध्यमिक स्तर तक एक निरंतर और सतत् प्रक्रिया के रूप में लागू किया गया है। सभी हस्तक्षेपों की रणनीतियों का स्कूली शिक्षा के उद्देश्य से समान अवसरों के संदर्भ में मापन हुआ है। तत्सहित स्कूल की प्रभावोत्पादकता में सुधार करना और एसडीजी 4.0 के साथ संरेक्षण में समान सीखने का परिणाम भी है।

ओड़िशा की ओर से राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई पहलों की योजनाएँ कार्यान्वित हैं। शिक्षार्थियों को अर्थपूर्ण पढ़ने - लिखने में सक्षम बनाने तथा युवा शिक्षार्थियों के ग्रेड तीन में प्रवेश करने तक संख्यात्मकता और संबंधीय अवधारणाओं के साथ बुनियादी समझ और दक्षताओं को विकसित करने के लिए एफएलएन को लागू किया गया था। इसका उद्देश्य है, रणनीतिक उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए एक परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करना। राज्य स्कूली स्तर पर गतिविधियों की निगरानी के लिए तकनीकी आधारित प्लेटफॉर्म ओड़िशा स्कूल मॉनिटरिंग ऐप (OSMA) का लाभ उठा रहा है। कोविड - 19 के दौरान छात्रों को स्कूल वापस लाने और उन्हें स्वाभाविक महसूस कराने एवं स्कूल को फिर से खोलने तथा सीखने के व्यवधान को भरपाई करने के लिए कदम उठाए गए हैं। इसकी जरूरतों पर मद्देनजर रख के जागरूकता फैलाने के लिए 'सचेतनता रथ' नामक एक राज्य भर पीटीएम दो दिन से सात दिनों तक सफलतापूर्वक आयोजित की गयी।

सन् 2021 - 22 में ओसेपा की वार्षिक रिपोर्ट एक अत्यंत योजनाबद्ध उपलब्धि है, जो समग्र शिक्षा के तहत कार्यान्वित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रदान करती है। इससे स्कूल शिक्षा में भविष्य के विकास और राज्य में नई शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के कार्यान्वयन के लिए एक मंच तैयार होता है।

मैं इसके सफल प्रकाशन के लिए ओसेपा टीम के प्रति आभारी हूँ। यह रिपोर्ट मौजूदा सर्वोत्तम शैक्षिक कार्यों को विकसित करने के लिए प्रासंगिक साक्ष्य बनने की उम्मीद करता हूँ।

निदेशक
राज्य परियोजना, ओसेपा

RETAIL
OFFER

Rukmani Mahanta, Jyotipur nodal
H/S, Cluster:Jyotipur, Block:Champ
ua

विषय सूची

क्रम संख्या	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1	प्रस्तावना	
2	ओसेपा की प्रबंधन संरचना	
3	विभिन्न संकेतकों की प्रगति का विवरण	
4	पहुँच	
5	आधारभूत संरचना	
6	धारा 12 (1) (C) के तहत 25% प्रवेश के लिए प्रतिपूर्ति शुल्क	
7	मुफ्त पाठ्य - पुस्तक	
8	सामुदायिक लामबंदी	
9	एसएमसी और एसएमडीसी प्रशिक्षण	
10	माता - पिता - अभिभावक - शिक्षक बैठक	
11	अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन	
12	अधिगम संबर्धनात्मक कार्यक्रम	
13	इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता	
14	कला उत्सव	
15	आधारभूत संरचना और संख्यात्मकता (एफएलएन)	
16	पुस्तकालय अनुदान	
17	खेल - कूद	
18	प्री - स्कूल, बालिका शिक्षा	
19	कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवि)	
20	समानता के लिए विशेष परियोजना	
21	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा	
22	स्कूली शिक्षा का व्यावसायीकरण	
23	कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम	
24	प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)	
25	स्कूल के बाहर का सर्वेक्षण	
26	सतत अधिगम शिक्षण - प्रक्रिया (DIKSHA)	
27	योजना	
28	शिक्षक - छात्र हेल्पलाइन	
29	परियोजना प्रबंधन	
30	वित्त प्रबंधन	
31	उच्चतर माध्यमिक शिक्षा	
32	शिक्षक शिक्षा	
33	मीडिया प्रबंधन	

ABBREVIATION & ACRONOMY

ABEO	Addle Block Officer
A.L.	Achievement Level
AWP&B	Annual Work Plan and Budget
BITE	Block Institute of Teacher Education
BAS	Baseline Achievement Test
BPL	Below Poverty Line 19 BRC Block Resource Centre
BEO	Block Education Officer
BRC	Block Resource Centre
CR	Completion Rate
D.P.C	District Project Coordinator
CSS	CSS Centrallly Sponsored Scheme
DEEP	District Elementary Education Officer
DEO	District Education Officer
DPEP	District Primary Education Programme
DR	Dropout rate
ANER	Average Net Enrollment Rtio
ECCE	Early Childhood Care and Education
FA&CAO	Finanancial Advisor & Chief Account Officer
FLN	Foundation Literacy and Numeracy
G.I.S	Geographical
GER	Gross Enrollment Rtio
GP	Gram Panchayat
HHS	House Hold Survey
I.O.C	Intervention For Out Of School Children
ICT	Information and Communication Technology
KGBV	Kasturava Gandhi Balika Vidyalaya
LRP	Learning Recovery Package
LPD	Low Performing District
MIS	Management Information System
MLE	Multi Lingual Education
MMMER	Management, Monitoring Evaluation and research
MTA	Mother Teachchers Association
MDM	Mid – Day Meal
NAS	NAS National Achievment Survey
NER	Net Enrollement ratio
NRBC	Non Residential Bridge Course
OCC	Odisha Child Census
OOSC	Out of School Children
OSEPA	Odisha School Education Programme Authority
PM	Primary Management

PS	Primary School
PFMS	Public Finance Management System
PTA	Parents Teachers Association
PTR	Pupil Teacher Ratio
QMT	Quality Monitoring Tool
RCC	Residential Care Centre
REMS	Research Evalution, Monitoring & Evaluation
RMSA	Rastiya Madhyamik Shiksha Abhiyan
TRE Act	Right to Education Act
RCFCE Act	Right of Children to Free & Compulsory Education Act
RFD	Result Framework Document
RR	Retention Rate/ Repetition rate
S.I. S	State Implementing Society
S.M & M.P	School mapping & Micro Planninfg
S.P. D	State Project Director
SC/ST	Scheduled Caste & Scheduled Tribe
SCR	Student Classroom Ratio
SPE	State Project Engineer
SS	SamgraShiksha
SCERT	State Council of Educational Research and Training
SCPCR	State Commissiions for Protection of Child Rights
SDG	Sustainable Development Goal
SDMIS	Student Data Management Information System
SMC	School Management Committee
SDP	School Development Plan
TT	Teacher Training
U.C.	Utilization Cetificate
UPS	Upper Primary School
VSK	VidyaSameeksha Kendra

वार्षिक रिपोर्ट 2021 - 22
(समग्र शिक्षा, ओड़िशा)

- **कार्यकारी सार**
- **पृष्ठभूमि**

समग्र शिक्षा योजना विद्यालय शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है। इसमें पूर्व - प्राथमिक (प्री - स्कूल) से लेकर बारहवीं तक कक्षाएँ शामिल हैं। यह योजना विद्यालयी शिक्षा को निरंतर शिक्षा के रूप में ग्रहण करती है। और शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी - 4) के अनुरूप है। यह योजना केवल बच्चों के मुफ्त और निःशुल्क शिक्षा अधिनियम - 2009 को कार्यान्वित नहीं करती बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) - 2020 की सिफारिशों को कार्यान्वयन के लिए एक मंच प्रस्तुत करती है।

एसडीजी (SDG) (4.1) के लक्ष्य के तहत 'सन् 2030' तक सभी लड़के और लड़कियाँ मुफ्त, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करें जिससे वे प्रासंगिक और प्रभावी अधिगम परिणाम हासिल कर पाएँगे।

इसके अतिरिक्त एसडीजी - 4.5 में उल्लेख है कि 2030 तक शिक्षा में लैंगिक असामनताओं को समाप्त करना और भिन्नक्षम व्यक्तियों, स्वदेशी व्यक्तियों, कमजोर तथा हासिए में रहने वालों के लिए समान शिक्षा तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के सभी स्तरों के लोगों को भी समान शिक्षा सुनिश्चित करना है।

- **विजन :**

सभी बच्चों को समान शिक्षा प्रचार प्रदान करना और समावेशी शैक्षिक कक्षा के माहौल में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए समर्थ पृष्ठभूमि हो, बहुभाषी जरूरत हो ; विभिन्न शैक्षिणिक क्षमता हों परंतु उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय प्रतिभागी बनाना है।

- **समावेशन :**

39816 शिक्षक 7760498 विद्यार्थीयो की 64185 स्कुल मे शिक्षा प्रदान कर रहे हैं ।
तत्सहित विद्यालयी पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों यानी शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों, विद्यार्थी, माता - पिता, समुदाय स्कूल प्रबंधन समिति, एससीईआरटी, डीआईईटी, बीआईटीई, ब्लॉक संसाधन विशंष व्यक्ति क्लस्टर संसाधन के विशेष व्यक्ति तथा स्वेच्छासेवियों को गुणावत्तापूर्ण समावेशी और समान शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य है।

- समग्र शिक्षा 2021-22 के तहत प्रमुख पहलें और उपलब्धियों :
- पहुँच

क) राज्य में 90731 बस्तियों के सहित अन्य कई बिखरी तथा असंबंधीय पहाड़ी एवं जंगली इलाकों की बस्तियाँ।

ख) प्राथमिक विद्यालयी सुविधाएँ प्राप्त 87750 बस्तियाँ।

ग) उच्च प्राथमिक विद्यालयी सुविधाएँ प्राप्त 88721 बस्तियाँ।

घ) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार के लिए राज्य सरकार स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग द्वारा युक्तिकरण और समेकन नीति का प्रस्ताव।

ङ) दुर्गम, दूरस्थ और विलय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए परिवहन और अनुरक्षण की सुविधा।

च) बारह जिलों अर्थात् बरगढ़, कटक, गंजाम, गजपति, कलाहांडि, कंधमाल, खुर्द्धा, केंउझर, मयूरभंज मालकानगिरी, कोरापुट और रायगढ़ा के अंतर्गत शहरी बंचित कठिन श्रेणी के बच्चों (6- 14) के लिए आवासीय छात्रावास।

छ) हाउस होल्ड सर्वे, आयु और उपयुक्त प्रवेश तथा मुख्यधारा के माध्यम से स्कूल से बाहर के बच्चों (6 - 18 वर्ष) की पहचान।

ज) आरटीई अधिनियम (RTE Act)के तहत स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए विशेश प्रशिक्षण प्रदान की व्यवस्था।

झ) श्रोत और गंतव्य बिंदु पर प्रवासी परिवार के बच्चों के लिए मौसमी छात्रावास की स्थापना।

- **अवसंरचना का विकास :**

क) स्कूल में अवसंरचना के विकास के लिए फंड एसएमसी / एसएमडीसी को तीन चरणों पर प्रदान किया जाता है जो निम्न प्रकार है :

प्रथम चरण - 40%, द्वितीय चरण - 30 %, तृतीय चरण शेष 30% एफएमपी के अनुमानित लागत के अनुसार।

ख) सिविल कार्यों की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सलाहकार, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार और जिला परियोजना समन्वयक पीएमए क माध्यम से नियमित साइट पर जाकर बुनियादी ढाँचे की निगरानी और पर्यवेक्षण करते हैं।

ग) राज्य परियोजना कार्यालय में वरिष्ठ टीसी, एफसी, डीपीसी की समीक्षात्मक बैठक / वीडीओ कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सिविल कार्यों को भौतिक और वित्तीय प्रगति पर नियमित अंतराल में परियोजना समाप्ति एवं खाते को निपटाने पर होती है।

घ) प्रखंड स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक एवं जिला स्तर पर मासिक समीक्षात्मक बैठक होती है। इसमें तकनीकी कार्मिकों द्वारा भौतिक और वित्तीय प्रगति पर होने वाली कठिनाइयों और उनके समाधान के उपायों पर भी चर्चा होती है।

ङ) मूल आधारिक सुविधाओं के लिए उपलब्ध निधि का उपयोग कर अथवा दूसरे विभागों के साथ अभिसरण करके पेयजल, विद्युतीकरण, लैंगिक भेद के शौचलय आदि की उपलब्धता के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

च) साइट निर्दिष्ट योजना और डिजाइन को ध्यान में रखते हुए लागत प्रभावी प्रौद्यगियों के साथ बहु जोखिम प्रतिरोधी सुविधाएँ अवसंरचना विकास के लिए सुनिश्चित की गई।

- **प्रतिधारणा :**

क) सत्र 2021 - 22 के लिए दिसंबर महीने से सभी बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की आपूर्त्ति होती है। विद्यालय खोलने के दिन एक विद्यालयी स्थल पर सभी बच्चों को ये पुस्तकें प्रदान की जाती है।

ख) सरकारी स्कूलों में आठवीं कक्षा तक सभी अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / तथा बीपीएल से संबंधित सभी लड़कियों तथा बच्चों को मुफ्त में वर्दी के दो सेट प्रदान किए जाते हैं।

- **गुणवत्ता**

क) मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता - (FLN) मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के तहत पूरक पठन सामग्री जैसे ओड़िआ में कार्यपुस्तकें और गणित पुस्तकें, कहानी और कविता संग्रह पुस्तकें विकसित की गई हैं। ये सारी प्रकाशित पुस्तकें स्कूली केंद्र पर विद्यार्थियों को वितरित की जाती हैं।

ख) जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एफएलएन के सुचारूरूप से प्रबंधन के लिए जिला स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना हुई है।

ग) समस्त सरकारी स्कूलों में जहाँ प्राथमिक कक्षाएँ हों, वहाँ पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक अधिगम परिणामों पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं।

घ) उत्कर्ष, विद्यालयी प्रस्तुति कार्यक्रम राज्य में उत्कर्ष (उत्कृष्टता) एक गहन उपचारात्मक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में मौजूद कर्मियों तथा आधारित संरचनाओं का फायदा उठाकर नौंवीं कक्षा के विद्यालयों को दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए मदद करना है। यह उपचारात्मक और ग्रेड - स्तरीय यानी दोनों प्रकार से निर्देश करता है। समस्त छात्रों की शिक्षा - स्तर को वृद्धि करता है ; न कि न्यूनतम सीखने वाले छात्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। इस कार्यक्रम के तहत 2021 में नौवीं कक्षा के 202063 छात्रों को शामिल किया गया है।

ङ) शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) मेला : राज्य ने सभी जिलों में टीएलएम मेलों का आयोजन किया है ताकि शिक्षकों को स्थानीय क्षेत्र से उपलब्ध शिक्षण अधिगम सामग्रियाँ तैयार करने में सशक्त बनाया जा सकें। तत्सहित वे कक्षा में टीएलएम का सही समय पर उपयोग करने की प्रणाली सीख सकें।

च) प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए निस्था (NISTHA) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

छ) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (नैसनल एचिवमेंट सर्वे) - 2021, 12 नवंबर, 2021 के आयोजित किया गया है।

ज) ब्रिज कोर्स : उत्कर्ष के माध्यम से माध्यमिक स्तर पर तैयारी / सुधारात्मक कार्यक्रम लागू कराया गया है।

झ) परीक्षा दर्पण : दसवीं कक्षा के विद्यार्थीयों के परिणाम को वृद्धि करने के लिए प्रश्न - बैंकों को उपलब्ध कराया गया है।

ञ) समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन आदि के टिप्स के लिए मार्गदर्शकों के माध्यम से छात्रों को भागीदारी बनाया गया है।

ट) स्कूली स्तर पर शिक्षण - अधिगम की प्रक्रिया और सीखने को वृद्धि करने के लिए दीक्षा एवं (DIKSHA) और मधुमेय ऐप पर वीडियो पाठ अपलोड किए गए।

ठ) शिक्षा दर्पण : शिक्षा दर्पण कार्यक्रम के तहत दूरदर्शन ओड़िआ चैनल के माध्यम से प्राथमिक छात्रों के लिए कक्षा वार, विषय वार और पाठ्यवार के अनुसार वीडियो पाठ प्रसारित हुए।

ड) छात्रों को शिक्षण अधिगम गतिविधियों में शामिल करने के लिए ह्वाटसप ग्रुप के जरिए एक डिजिटल शिक्षण कार्यक्रम यानी ओड़िशा शिक्षा संयोग लागू किया गया है।

- **मीडिया, सामुदायिक लामबंदी और स्कूल प्रबंधन समिति (SMC)** :

क) संपूर्ण राज्य में पीटीएम : छात्रों को स्कूल वापस लाने एवं उन्हें सहज तथा स्वाभाविक महसूस कराने के उद्देश्य से स्कूल खोलने के दो दिन पहले एक राज्य व्यापी पीटीएम 26 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया था। पीटीएम के दौरान अभिभावकों को स्कूल वापस आने के महत्व, राज्य द्वारा किए गए उपायों और स्कूल खोलने के बाद राज्य की योजना पर उन्मुख किया गया।सभी स्कूलों के प्रधानशिक्षकों के साथ एक गुगली फॉर्म से साझा किया गया। लगभग 30,000 स्कूल ने पीटीएम के संचालन और कार्यान्वयन पर एक विवरण प्रस्तुत किया था। राज्य के सभी जिलों के 45% माता - पिता ने इस पीटीएम में भाग लिया था।

ख) सचेतनतारथ, स्कूल वापसी का अभियान : राज्य ने 02 अप्रैल, 2022 से सभी बस्तियों, ब्लॉकों, समूहों एनएसी और नगरपालिका निगम में सचेतनता रथ की स्कूल वापसी आभियान को आयोजन किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें 251 ब्लॉकों से 4062222 छात्र स्कूल वापस आए और 45975 बस्तियों तथा 39489 स्कूलों ने इस राज्य स्तरीय माता - पिता - शिक्षक सभा (PTM) में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **नवीनीकरण**

क) आनंददायक शिक्षण : एससीईआरटी (SCERT) ने सारे 30 डाइट्स (DIETs) को लेकर दो घंटे का लंबा सत्र आयोजित किया है ताकि उन्हें एक आनंददायक अधिगम - शिक्षण के संचालन पर उन्मुख किया जा सके। इस सत्र के दौरान प्रत्येक डीआईईटी (DIET) को जिला - विशिष्ट सामाजिक भावनात्मक शिक्षा (SEL) गतिविधि कैलेंडर बनाने का निर्देश दिया गया ताकि पहले सात दिनों के लिए आनंददायक शिक्षण का संचालन किया जा सके। एसईएल गतिविधि कैलेंडर के विकास के बाद इसे स्कूलों को दिशा - निर्देशों के साथ वितरित किया गया।

- **योजना व प्रबंधन**

क) सरकारी स्कूलों में एसएमसी (SMC) के द्वारा स्कूल विकास योजना (SDP) और स्कूल सुरक्षा योजना तैयार की गई। बच्चों की सुरक्षा और रखरखाव के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति तथा उच्चतम स्तर पर प्रभावशीलता को हासिल करना इसका उद्देश्य रहा।

ख) वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2021 - 22 की तैयारी का कार्य पूरा हो चुका है। यह योजना भारत सरकार (GOL) को भेज दी गई है एवं 302409.55 रुपए की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है।

- **आपदा प्रबंधन और स्कूली सुरक्षा नीति :**

क) बच्चों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय आपदा प्राबंधन प्राधिकरण (NDMA) एवं स्कूल सुरक्षा नीति के तहत सभी जिलों, ब्लॉक और स्कूल बिंदुओं को दिशा - निर्देश प्रदान किए गए हैं। और इसे कार्यान्वित करने के लिए कार्य - योजना सहित पत्र भी प्रदान किए गए हैं।

ख) शिक्षा प्रशासकों जैसे डीईओ (DEO), बीईओ (BEO), बीआरसीसी (BRCC), सीआरसीसी (CRCC) शिक्षक तथा एसएमसी सदस्यों ने स्कूल सुरक्षा पर क्षमता निर्माण किया है। सभी जिलों को जिला समीक्षा बैठक (DRM) में स्कूल सुरक्षा को कार्यसूची में शामिल करने के लिए कहा गया है।

ग) सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण (NISTHA) के माध्यम से शिक्षकों का स्कूल सुरक्षा पर प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है।

- **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (CWSN), ओड़िशा**

क) सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में (UDICE) कुल सीडब्लूएसएन (CWSN) नामांकन संख्या - 89022 (प्राथमिक - 745612, माध्यमिक - 14461)

ख) विशेष शिक्षा से प्रशिक्षित प्रति ब्लॉक में 02 के हिसाब से 632 विशेष व्याख्याता।

ग) नेत्रहीन छात्रों को 1885 ब्रेल पुस्तकों को सेट प्रदान।

घ) कम दृष्टि वाले छात्रों को 4574 मोटे अक्षरों की मुद्रित पुस्तकों की आपूर्त्ति।

ङ) सीडब्लूएसएन (CWSN) छात्रों को 12741 सहायक सामग्री एवं उपकरणों की आपूर्त्ति।

च) सीडब्लूएसएन (CWSN) छात्रों को 6563 टीएलएम (TLM), आईसीटी (ICT) उपकरण और कम दृष्टिवाले उपकरण उपलब्ध कराए गए।

छ) 12150 प्राथमिक और 4632 माध्यमिक सीडब्लूएसएन (CWSN) लड़कियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

ज) 10322 प्राथमिक और 3026 माध्यमिक सीडब्लूएसएन (CWSN) छात्रों को अनुरक्षण भत्ता प्रदान की गई।

झ) 15639 सीडब्लूएसएन (CWSN) छात्रों को स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी और ब्रेल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ञ) ब्लॉक स्तर पर 299 चिकित्सा मूल्यायन शिविर आयोजित हुए।

ट) शिक्षा सुरभि : रेडियो सुरभि, सामुदायिक रेडियो के सहयोग से कक्षा । से V तक के सीडब्लूडीएन (CWSN) छात्रों के लिए यह कार्यक्रम विकसित हुआ।

ठ) साइट सेवर्स के सहयोग से छात्रों के लिए यूडीवाईएएम (UDYAM) कक्षा अधिगम - शिक्षण मॉड्यूल विकसित हुआ है।

- **पूर्व प्राथमिक शिक्षा**

क) अंगनबाड़ी के शिक्षकों को 21601 सहस्थित अंगनबाड़ी केंद्रों के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

ख) 21601 अंगनबाड़ी केंद्रों को शिक्षण - अधिगम सामग्री उपलब्ध कराई गई।

ग) डब्लू और सीडी विभाग के साथ अभिसरण किया गया। इस कार्यक्रम को राज्यस्तर पर सुचारूरूप से कार्यान्वित कराने के लिए प्रयत्न किया गया।

घ) अंगनबाड़ी के अंतिम वर्ष खेल की कक्षा को प्राथमिक स्कूलों के साथ संयुक्त किया गया।

ङ) सभी शैक्षणिक गतिविधियों को स्कूल, सीआरसीसी (CRCC) के द्वारा स्कूलों की भाँति सारी शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया जाएगा।

च) एनसीईआरटी (NCERT) पाठ्यक्रम को पालन किया जाएगा और एससीईआरटी (SCERT) के द्वारा अनुकूलित किया जाएगा।

छ) 5+ आयुवर्ग के बच्चों को खेल कक्षा (प्ले क्लास) नामांकित किया जाएगा। इसलिए वे आरटीई के तहत 06 वर्ष की उम्र में पहले कक्षा में होंगे।

ज) प्राथमिक विद्यालयों के विशिष्ट शिक्षकों को प्ले क्लास में पढ़ाने के लिए नियुक्त किया जाएगा।

झ) सह - स्थित अंगनबाड़ी के केंद्रों के शैक्षणिक मामले, प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानध्यापक के सीधे मार्गदर्शन में होगा।

ञ) सीआरसीसी (CRCC) और डाएट (DIET) के शिक्षकों को शैक्षणिक सहायता दी जाएगी।

- **बालिका शिक्षा :**

क) 1169 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों ने आत्मसुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया और 116900 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किए।

- **कस्तुरबा गांधी बालिका निद्यालय (KGBV) :**

क) 182 टाइप - III केजीबीवी (KGBV) में कक्षा IV से XII तक 32150 बालिकाओं का नामांकन हुआ। 63 टाइप - IV केजीबीवी (KGBV) में कक्षा IX से XII तक 6300 बालिकाओं का नामांकन हुआ।

ख) कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है।

ग) सुरक्षा और सुरक्षित उपाय के लिए स्थानीय पुलिस, समुदाय के सदस्यों और प्रशासनिक दिशानिर्देशों के साथ अभिसरण के जरिए कदम उठाए गए।

- **समानता के लिए परियोजना :**

क) मातृभाषा आधारित बहुभाषा शिक्षा (MLE) बच्चों की अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने के लिए यथासंभव सुनिश्चित करना।

ख) प्राथमिक कक्षा के बच्चों (अनुसूचित जनजाति) को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए अभ्यस्त करना है। धीरे - धीरे वे अपनी मातृभाषा (MT) (L1 - MT) से राज्य भाषा (L2 - ओड़िआ) और उसके बाद राष्ट्रीय और अंतर - राष्ट्रीय भाषा (L3 - अंग्रेजी) की ओर अग्रसर होंगे।

ग) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता से राज्य जनजाति सलाहकार समिति (STAC) की सिफारिशों को अनुसरण करके 2007 - 08 में राज्य ने एमएलई (MLE) कार्यक्रम प्रारंभ किया है जो आज राज्य के 17 जनजाति बहुल जिलों में 21 आदिवासी भाषाओं में कार्यान्वित हुए हैं।

घ) एक राज्य स्तरीय नीति राज्य के सभी आदिवीसी बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम विकसित हुआ है।

ङ) एमएलई (MLE) कार्यक्रम के तहत 105446 अनुसूचित जनजाति बच्चों को 21 आदिवासी भाषाओं में कहानी की किताबों और चित्र - चार्ट सहित लगभग 2500 पूरक पठन सामग्री विकसित हैं।

च) जनजातीय संसाधनों के संरक्षण के लिए एमएलई (MLE) जिलों में चरणवद्ध तरीकों से जनजातीय संसाधन केंद्रों (TRC) की स्थापना की गई है।

- **अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन :**

क) ओड़िशा के प्राथमिक विद्यालयों (CELASES) में सीखने की उपलब्धियों को समवर्त्ती मूल्यांकन एम/एस आईपीई (M/s IPE) ग्लोबल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया। ग्राहकों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट सारे हितधारकों के साथ साझा की गई है।

ख) ओएससीपीसीआर (OSCPCR) के साथ काम करना।

ग) ओड़िशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग हमारे राज्य में सन् 2010 से कार्य कर रहा है। यह आयोग बाल अधिकार के उल्लंघन पर शिकायतों के निराकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए सक्रिय है।

- **व्यावसायिक स्कूली शिक्षा :**

क) स्कूली शिक्षा का व्यावसायिकरण कार्यक्रम ॥ क्षेत्रों/ ट्रेडों के साथ यानी 1. आईटी और आईटीईस (IT&ITes) 2. खदरा 3. पर्यटन और आतिथेयता 4. ऑटोमेटिक 5. बहु कौशलीय व्यवस्था 6. स्वस्थ और सौंदर्यकरण 7. कृषि 8. परिधान 9. प्लंबर 10. इलेक्ट्रोनिक्स और हार्डवेयर 11. 961 स्कूलों में निर्माण व्यापार कार्य (906 माध्यमिक और 55 उच्चतर माध्यमिक को वीटीपी के द्वारा 11 क्षेत्रों के साथ प्रति स्कूल 02 व्यापार विषयों सहित सुनिश्चित किया गया है।

ख) कुछ नामांकित उच्चतर विद्यालयों में दो व्यापारों के साथ कक्षा IX से XII तक व्यावसायिक विषय को अनिवार्य विषय बनाने की प्रक्रिया के प्रोत्साहन पर कदम उठाए गए हैं।

ग) कुल 960 स्कूलों में 1922 ट्रेड निर्दिष्ट व्यावसायिक प्रशिक्षकों को नियुक्ति मिली है।

घ) सन् 2021 - 22 में दस ट्रेडों में 1,12,742 छात्रों को नामांकित किया गया है।

ङ) एक ट्रेड विशिष्ट व्यावसायिक प्रयोगशाला 509 स्कूलों में स्थापित है।

च) 2018 - 19, 2019 - 20 और 2021 - 22 में क्रमशः उतीर्ण होने का प्रतिशत 82%, 96%, 85% हैं।

छ) पाठ्य रूपरेखा की पुनरावृत्ति : माध्यमिक शिक्षा स्तर पर छह सम्मिलित विषयों के सहित यह एक विषय के रूप में सम्मिलित है (तृतीय भाषा के बदले)। और उच्चतर माध्यमिक स्तर के सारे स्ट्रीम के लिए 04 इलेक्टिव विषयों में एक विषय रहेगा।

ज) पाइलट के आधार पर 05 स्कूल रहेंगे।

झ) 100 प्राथमिक स्कूलों में पूर्व - व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम आरंभ हुआ।

ओसेपा की प्रबंधन संरचना

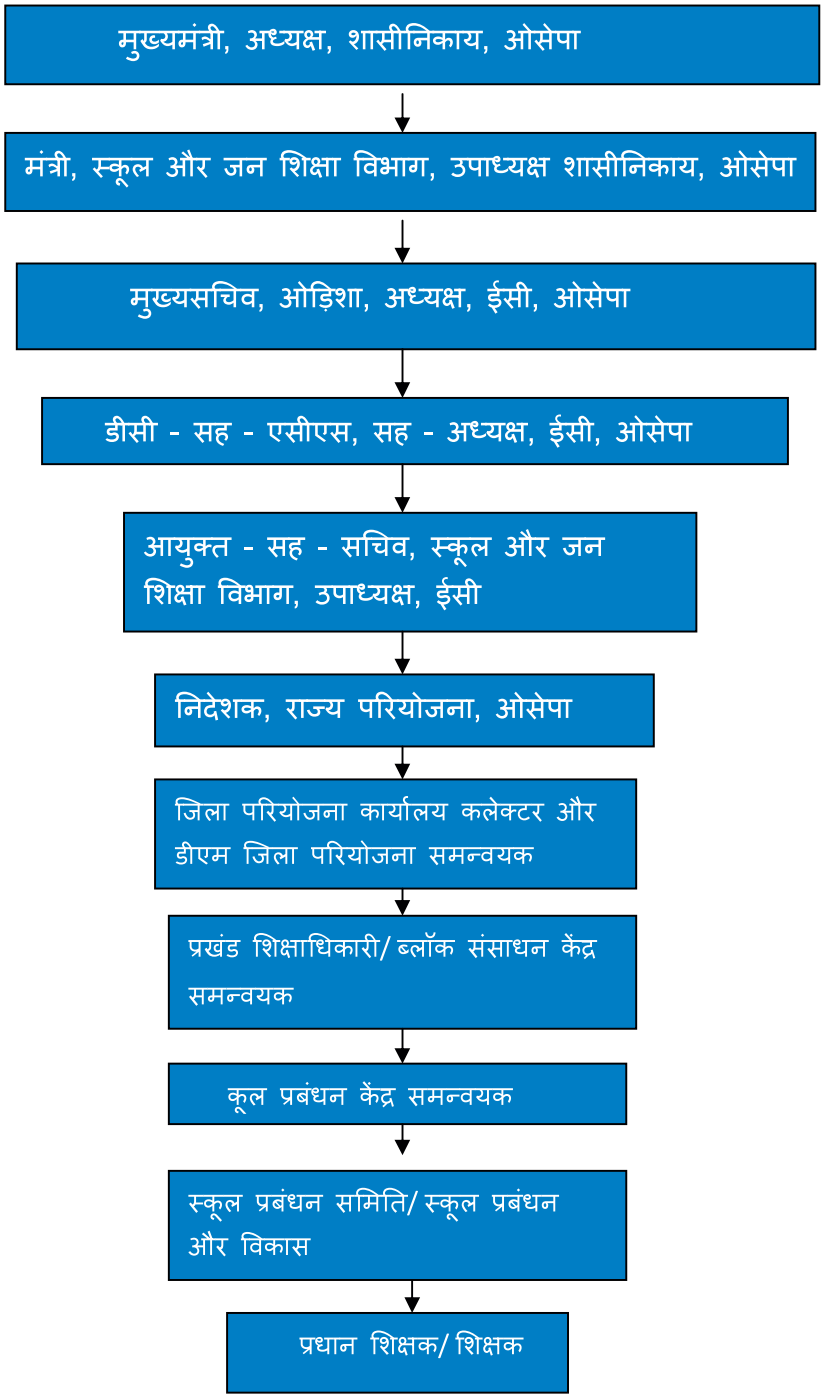

विभिन्न संकेतकों की प्रगति का विवरण

प्रशासनिक संकेतक

क्रम.संख्या	प्रशासनिक इकाइयाँ	संख्या
1	राजस्व जिला	30
2	शैक्षिक ब्लॉक	314
3	ब्लॉक शिक्षा कार्यालय (BEO)	316
4	क्लस्टर संसाधन केंद्र (CRC)	4,806
5	ग्राम पंचायत	6,798
6	राजस्व गॉव	53,845
7	निवास	90,731

जनसांख्यिकीय संकेतक

विवरण	2011	2001
कुल जनसंख्या	41,974,218	36,804,660
पुरुष	21,212,136	18,660,570
महिला	20,762,082	18,144,090
लिंग अनुपात	979	972
क्षेत्रफल कि.मी./2	155,707	155,707
घनत्व कि.मी/2	269	236
साक्षरता	72.87	63.08
साक्षरता : पुरुष	81.59	75.35
साक्षरता : महिला	64.01	50.51

शैक्षिक संकेतक

स्कूल / अनुभाग विवरण (2020 - 21)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल	उच्च प्राथमिक स्कूल	कुल प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल	उच्चतर माध्यमिक स्कूल	कुल प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल
शिक्षा विभाग	27281	15755	43036	5080	246	48362
आदिवासी कल्याण विभाग	434	783	1217	418	27	1662
कुल सरकारी स्कूल	27715	16538	44253	5498	273	50024
सरकारी सहायता प्राप्त	289	1589	1878	3335	631	5844

कुल सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल	28004	18127	46131	8833	904	55868
निजी, गैर सहायता प्राप्त (मान्यताप्राप्त)	1349	3107	4456	944	1019	6419
अन्यान्य	27	42	69	31	9	109
निजी, गैर मान्यता प्राप्त	996	549	1545	106	15	1666
केंद्रीय सरकार द्वारा प्रबंधन	1	14	15	103	5	123
कुल स्कूल	30377	21839	52216	10017	1952	64185

स्रोत : UDISE **+ 2020 - 21**

नामांकन (2020 - 21)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक (कक्षा 6-8)	माध्यमिक (कक्षा 9 - 10)	उच्च माध्यमिक (कक्षा 11 - 12)	कुल नामांकन
शिक्षा विभाग	2452497	1453582	708205	73606	4687890
आदिवासी कल्याण विभाग	188150	160471	66944	9143	424708
कुल सरकारी नामांकन	2640647	1614053	775149	82749	5112598
सरकारी सहायता प्राप्त	25121	150665	397513	350122	923421
कुल सरकारी और सहायता नामांकन	2665768	1764718	1172662	432871	6036019
निजी गैर सहायता प्राप्त	767519	330262	129170	292529	1519480
अन्यान्य	4281	2856	1841	3855	12833
निजी गैर - मान्यता प्राप्त	90331	23404	8312	2242	124289
केंद्र सरकार द्वारा प्रबंधन	21894	21321	13478	11184	67877
कुल स्कूल	3549793	2142561	1325463	742681	7760498

स्रोत : UDISE + 2020 - 21

शिक्षकों की स्थिति (2020 - 21)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल	उच्च प्राथमिक	माध्यमिक स्कूल	उच्चतर	कुल शक्षक

		स्कूल		माध्यमिक स्कूल	
शिक्षा विभाग	68319	93008	55508	701	217536
आदिवासी सल्याण विभाग	1151	3761	3863	121	8896
कुल सरकारी	69470	96769	59371	822	226432
सरकारी सहायता प्राप्त	751	3036	23860	4879	32526
कुल सरकारी और सहायता प्राप्त	70221	99805	83231	5701	258958
निजी गैर सहायता प्राप्त (मान्यताप्राप्त)	9243	41872	23116	4451	78682
अन्यान्य	84	214	334	46	678
निजी गैर मान्यता प्राप्त	4258	4497	1118	32	9905
केंद्र सरकार द्वारा प्रबंधन	0	72	1509	12	1593
कूल स्कूल	83806	146460	109308	10242	349816

स्रोत : UDISE + 2020 – 21

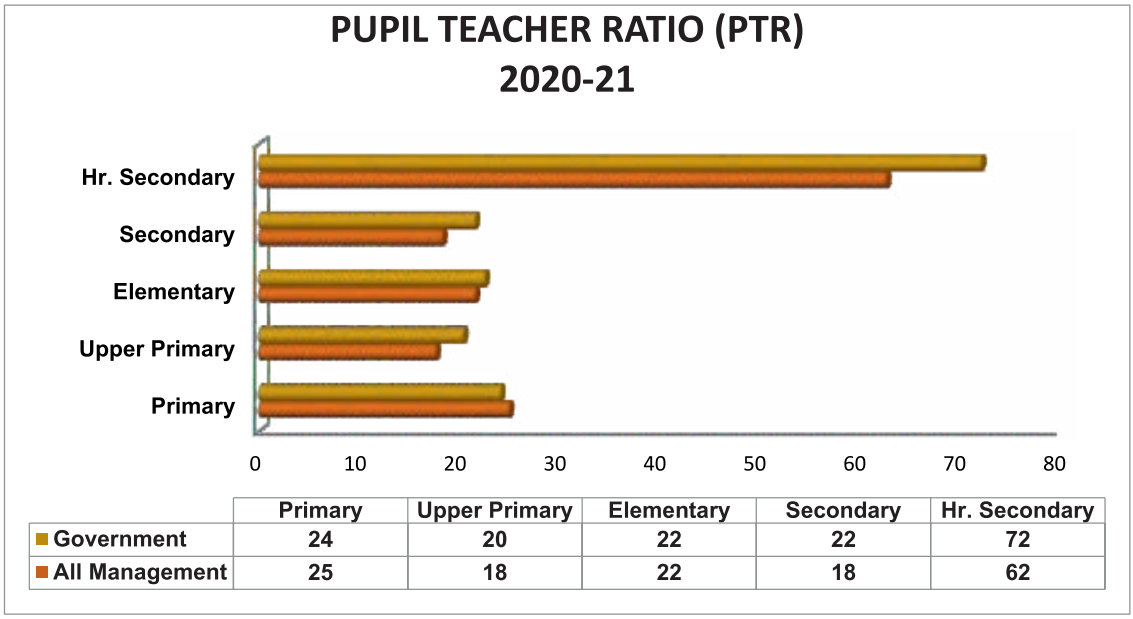

	Primary	Upper Primary	Elementary	Secondary	Hr. Secondary
Government	24	20	22	22	72
All Management	25	18	22	18	62

Source: UDISE+ 2020-21

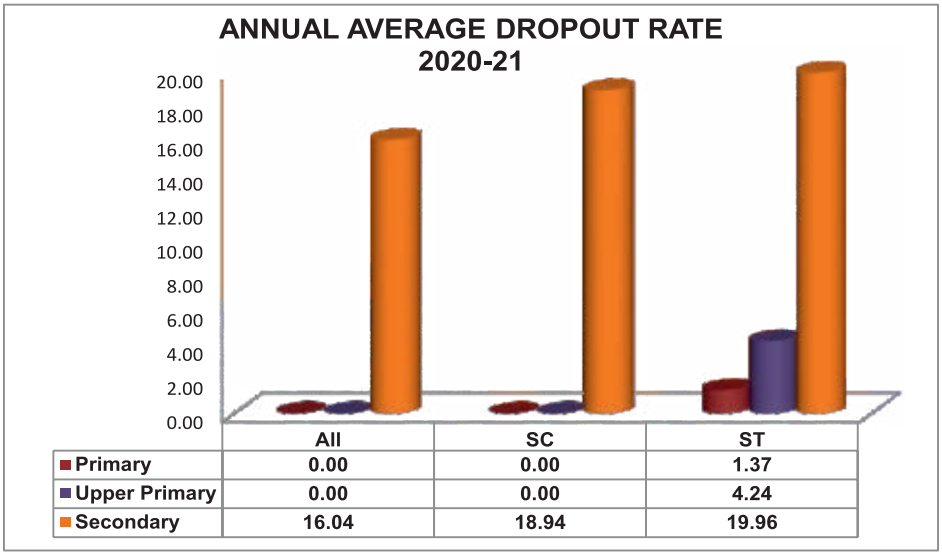

	All	SC	ST
Primary	0.00	0.00	1.37
Upper Primary	0.00	0.00	4.24
Secondary	16.04	18.94	19.96

Source: UDISE+ 2020-21

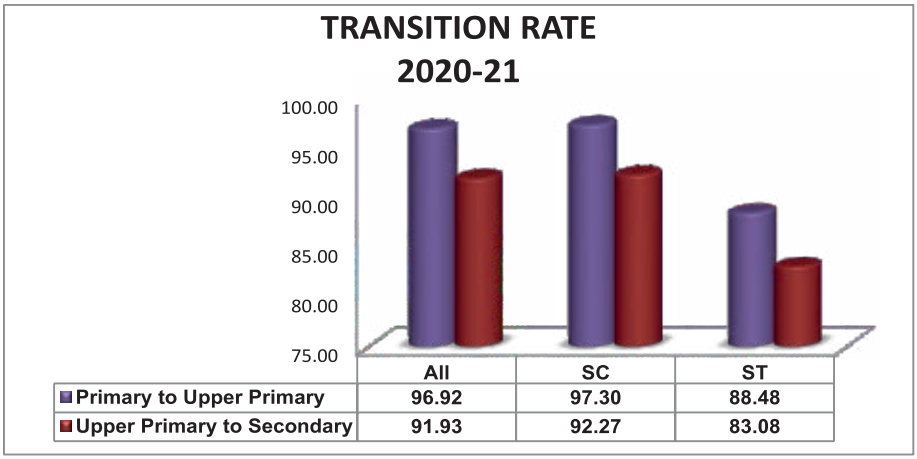

	All	SC	ST
Primary to Upper Primary	96.92	97.30	88.48
Upper Primary to Secondary	91.93	92.27	83.08

Source: UDISE+ 2020-21

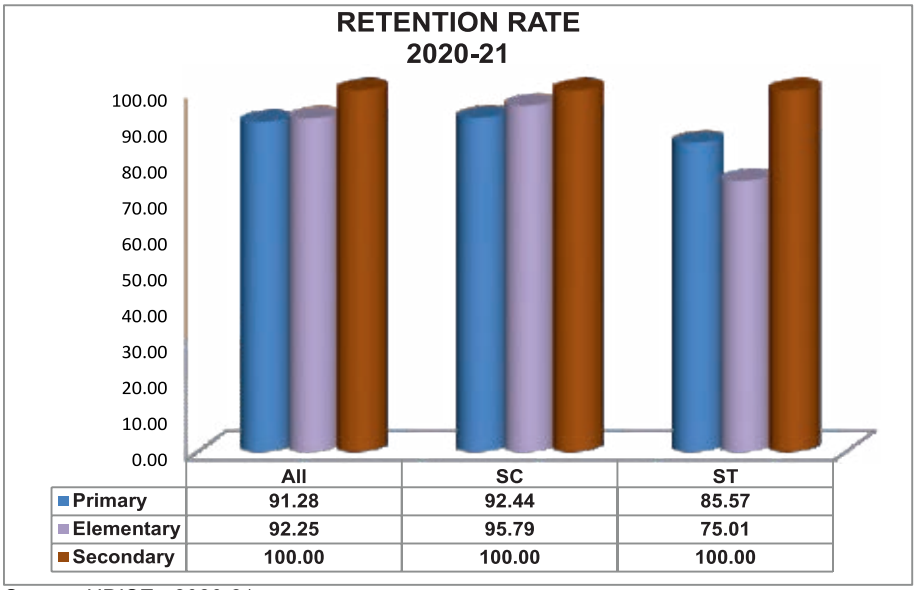

	All	SC	ST
Primary	91.28	92.44	85.57
Elementary	92.25	95.79	75.01
Secondary	100.00	100.00	100.00

Source: UDISE+ 2020-21

% OF SCHOOLS WITH BASIC INFRASTRUCTURES FACILITIES 2020-21

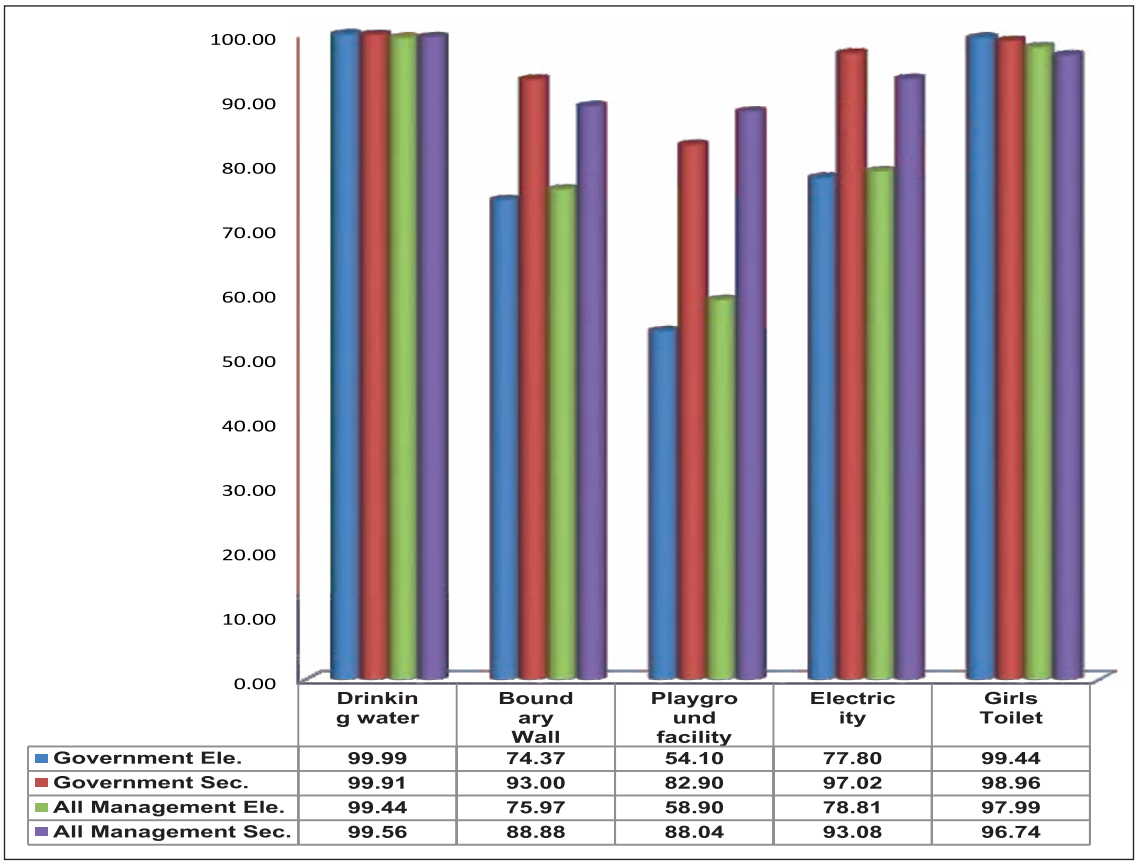

	Drinking water	Boundary Wall	Playground facility	Electricity	Girls Toilet
Government Ele.	99.99	74.37	54.10	77.80	99.44
Government Sec.	99.91	93.00	82.90	97.02	98.96
All Management Ele.	99.44	75.97	58.90	78.81	97.99
All Management Sec.	99.56	88.88	88.04	93.08	96.74

Source: UDISE+ 2020-21

पहुँच

परिचय

ओड़िशा में पहाड़ी और वन क्षेत्र से आच्छादित कई विरल तथा बिखरी बस्तियाँ हैं। समग्रशिक्षा के हस्तक्षेप के कारण सभी आवासों तक पहुँच का विकास हुआ है। पहुँच के हस्तक्षेप तहत 6 - 14 वर्ष और 15 - 18 वर्ष के आयुवर्ग के बच्चों क कार्यक्रम को माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की शिक्षा तक बढ़ाया गया है। कुल 90731 बस्तियों में से राज्य ने 8770 प्राथमिक बस्तियाँ स्कूल के लिए बस्तियाँ और उच्च प्राथमिक स्कूल के लिए 8872 बस्तियों का विकास किया गया है। जहाँ सबसे कठिन दुर्गम और दूरस्थ बस्तियों को पहुँचने में समस्याएँ होती हैं, वहाँ बच्चों को समग्र शिक्षा के तहत स्कूलों में नियमित होने एवं प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए अनुरक्षण सुविधा प्रदान की गई है। प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के उपरांत गाँव/ बस्ती के सभी बच्चों को राज्य सरकार द्वारा हाईस्कूल तक पहुँचने और माध्यमिक शिक्षा पूरा करने के लिए साइकिल दी जाती है।

शहरी क्षेत्रों में बच्चों की कई कठिन श्रेणियाँ हैं। जैसे - बाल श्रम, संकरी गली में रहने वाले बच्चे, कूड़ा बीनने वाले बच्चे, अनाथ, एकल माता - पिता के बच्चे, बेघर बच्चे आदि की पहुँच नहीं होती। कुछ स्कूल के माहौल में बच्चे ठीक से नहीं रह पाते और स्कूल से भाग जाते हैं या बिल्कुल छोड़ (ड्रॉपआउट) देते हैं। समग्र शिक्षा के दौरान इन वंचित बच्चों के लिए उपयुक्त पहुँच वाले 12 जिलों में आवासीय छात्रावास स्थापित किए गए हैं। शहर के वंचित बच्चों को स्कूल नहीं पहुँचने से शहर के विभिन्न स्थानों से उन्हें छुड़ाया जाता है। और आवासीय छात्रावासों में उनका पुनर्वास किया जाता है। दूरस्थ, पहाड़ी, जंगल या पहुँच रहित क्षेत्रों के बच्चों को अनुसूचित जनजाति का विकास विभाग, कल्याण विभाग, कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय आदि के सेवाश्रम पहुँच प्रदान की जाती है।

राज्य सरकार स्कूल व जन शिक्षा विभाग ने अधिसूचना संख्या 5465, दिनांक 11.03.2020 और शुद्धि पत्र संख्या 18905 दिनांक 14.12.2020 को स्कूलों के युक्तिकररण और समेकन पर सूचित किया गया है। सारे सैटलाइट स्कूलों को अग्र स्कूल माना गया है। यदि बच्चे प्राथमिक स्तर पर 1 कि.मी. दूरी और उच्च प्राथमिक स्तर पर 03 कि.मी. दूरी पर आदिवासी स्कूलों को जाने में कठिनाई का सामना करते हैं तो उन्हें अनुरक्षण एवं परिवहन की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। शिशुश्रम और ड्रॉप - आउट की संख्या ह्रास हो चुकी है।

सन् 2021, अप्रैल और मई महीने से हाउस - होल्ड सर्वे आयोजित है। 6 - 18 आयुवर्ग के बच्चे जो स्कूल से बाहर हैं, उनकी पहचान हुई है। 6 - 14 आयुवर्ग के चिन्हित बच्चे और आरटीई अधिनियमानुसार उनकी आयु के मुताबिक उचित कक्षा में दाखिला मिला है।

महामारी कोविड - 19 के कारण स्कूलों को बंद कर दिया गया। थोड़े दिनों के लिए उच्च प्राथमिक स्कूल खोले गए। बच्चों को ऑन - लाइन स्कूली शिक्षा मिली और सभी को मुख्य - धारा के साथ जुड़ा गया। प्रवासी केंद्र स्थान पर प्रवासी बच्चों के लिए मौसमानुसार छात्रावास खुले गए। छात्रवास बंद होने और उनके माता - पिता लौटने के बाद प्रवासी बच्चों को मुख्यधारा से जोड़कर सुरक्षित रखा गया।

1.1 नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय

शहर के कठिन श्रेणी के वंचित बच्चे यानी शिशु - श्रम, भीख माँगने के लिए नियोजित बच्चों को, संकरी गली के बच्चों को, प्रौढ़ व्यक्तियों की सुरक्षा के बिना घूमने वाले बच्चे, अनाथ और जटिल परिस्थिति में शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकताओं के लिए शहरी अंचलों से बचाव किया गया। उन्हें प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के लिए आवासीय छात्रावासों में पुनः सुरक्षित रखा गया। अब कुल 17 आवासीय छात्रावास 791 बच्चों को लेकर कार्यरत हैं।

आवासीय छात्रावास : 2021 – 22 (शहरी वंचित बच्चों के लिए)						
क्रम संख्या	जिलों के नाम	ब्लॉक	छात्रावासों के नाम	कार्य करने के वर्ष	क्षमता	शहरी वंचित बच्चों की संख्या
1	खुर्द्धा	भुवनेश्वर म्यूनिसिपाल कर्पोरेशन (BMC)	सरकारी हाई स्कूल, यूनिट – 1, भुवनेश्वर	2012 - 13	50	37
2	खुर्द्धा		राजभवन परियोजन उच्च प्राथमिक यूपी स्कूल, यूनिट – VIII,	2013 - 14	50	36
			भुवनेश्वर			
3	खुर्द्धा		सरकारी हाई स्कूल, यूनिट – VI, भुवनेश्वर (सिर्फ बालिकाओं के लिए)	2013 - 14	50	33
4	खुर्द्धा		सरकारी प्राथमिक स्कूल, आईआरसी विजेल, सेक्टर – 1, भुवनेश्वर	2013 - 14	50	33
5	केउंझर	केउंझर सदर	आत्तपुर नोडल उच्च प्राथमिक स्कूल, केउंझर सदर	2012 - 13	100	100
6	केउंझर	बड़बिल	बड़बिल नोडल उच्च प्राथमिक स्कूल, बड़बिल	2012 - 13	100	100
7	मयूरभंज	बारिपदा	पूर्णचंद्रपूर प्रोजेक्ट उच्च प्राथमिक स्कूल, बारिपदा	2014 - 15	100	100
8	मयूरभंज	बिसोई	बिसोई यूजी हाई स्कूल	2015 - 16	100	100
9	बरगढ़	बरगढ़	सीमेंट नगर नोडल उच्च प्राथमिक (एमई) स्कूल	2016 - 17	50	43
10	कटक	कटक	मधुसूदन सरकारी हाई स्कूल	2016 - 17	50	22
11	गजपति	पारलाखेमुंडि	गांधी मेमोरियाल	2016 - 17	50	42

			यूपीएस			
12	गंजाम	छत्रपुर	रघुनाथपुर यूपी स्कूल	2016 - 17	50	13
13	कलाहांडि	भवानीपटना	बापुजी यूपीएस, भवानीपटना	2016 - 17	50	37
14	कंधमाल	बालिगुड़ा	ब्लॉक कॉलोनी पीयूपीएस, बालिगुड़ा	2016 - 17	50	38
15	मालकानगिरि	मालकानगिरि	सरकारी नोडाल यूपीएस, मालकानगिरि	2016 - 17	50	46
16	रायगढ़ा	रायगढ़ा	सरकारी नोडाल यूपीएस, रायगढ़ा	2016 - 17	50	11
17	कोरापुट	सिमिलिगुड़ा	एमआईजी आईवी पीयूपीएस, सुनाबेड़ा	2018 - 19	50	0
कुल					1050	791

महामारी कोविड़ - 19 के कारण स्कूल नहीं खोले गए। इसलिए कमजोर और बाधित बच्चों को छात्रावास में सीधा नामांकित किया गया और वे ऑनलाइन तथा ऑफलाइन मोड़ पर कक्षा में शामिल भी हुए।

1.1.1 एलडब्लूई (LWE) जिलों में आवासीय स्कूल

जिलों के नाम	ब्लॉक के नाम	आवासीय विद्यालयों के नाम	क्षमता	बच्चों की संख्या
मालकानगिरि	पोडिआ	कलदापालि यूजीएचएस, पोडिआ	100	100
मालकानगिरि	कोरकुंडा	निलाद्रीनगर पीयूपीएस, नीलकमबेरू जीपी	100	98
कोरापुट	पोटांगि	नेरिदिवाल्सा पीएस, आरजूबाल्सा, कोटिआ जीपी	100	77
कोरापुट	दसमंतपुर	गिरलिगुमा यूजीएचएस, दसमंतपुर	100	73
कुल			400	348

महामारी कोविड़ - 19 और स्कूल न खोलने की वजह से शारीरिक / ऑनलाइन कक्षाएँ आयोजित की गईं।

शिक्षण का ऑनलाइन मोड़ यानी यू - ट्यूब लाइव स्ट्रीमिंग कक्षाएँ, शिक्षा - दर्पण / दूरदर्शन शिक्षण, रेडियो पाठशाला शिक्षा संयोग और ऑफलाइन शिक्षण जैसे उल्लेखनीय शैक्षिक - कार्य छात्रों के लिए शिक्षा सेतु, सामुदायिक शिक्षण (आम पाठशाला आम पाखरे), शिक्षार्थ, कार्य - पुस्तिका और उत्थान आदि विकसित हुए हैं।

1.2 नए स्कूलों का उद्घाटन :

राज्य सरकार स्कूल व जनशिक्षा विभाग, ओड़िशा अधिसूचना संख्या 22554, दिनांक 26.09.2013 के आरटीई अधिनियम के अनुसार NPS और NUPS खोलने के लिए अधिसूचित किया गया।

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा - 6 और ओड़िशा के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियम, 2010 के 6(4) के अनुसरण में उक्त नियम की धारा 6(1) में विनिर्दिष्ट सीमा के साथ बच्चों के मानदंड को जोड़कर राज्य में नए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय खोलने के लिए निम्नलिखित प्रावधान निर्धारित हैं :

i) **नए प्राथमिक स्कूलों का उद्घाटन**

क) गैर - केबीके जिलों और गैर - आदिवासी उप - योजना क्षेत्रों में 6 - 11 वर्ष आयुवर्ग के कम - से - कम 40 बच्चों वाली बस्तियों में नए प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं। बशर्ते 1 कि.मी. की दूरी पर बस्ती के बच्चों के लिए कोई प्राथमिक स्कूल न हो।

ख) केबीके जिलों और आदिवासी उप - योजना क्षेत्रों में 6 - 11 वर्ष आयुवर्ग के कम से कम 25 बच्चों की बस्तियों में नए प्राथमिक स्कूल खोले गए हैं। बशर्ते 01 कि.मी. की पैदल दूरी के भीतर कोई प्राथमिक विद्यालय न हो।

ii) नए उच्च प्राथमिक स्कूल का उद्घाटन

क) सभी जिलों में 11 - 14 वर्ष आयुवर्ग के कम से कम 25 बच्चों वाली बस्तियों में / बस्तियों के समूह में नए उच्च प्राथमिक स्कूल खोले गए हैं बशर्ते कि 03 कि.मी. दूरी के भीतर कोई उच्च प्राथमिक विद्यालय न हो।

ख) सभी जिलों में नदी, पहाड़ और घने जंगल आदि प्राकृतिक अवरोध के कारण नए प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूल खोलने के लिए दूरी मानदंड छूट की गई है।

राज्य के लिए पीएबी (PAB) 2021 - 22 ने किसी भी नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मंजूरी नहीं दी है। परंतु 12 सरकारी प्राथमिक स्कूलों को उनके संतोषजनक कार्य और नॉर्म के कारण उच्च प्राथमिक स्कूल व जन शिक्षा विभाग ने अनुमोदन किया है।

1.2.1 **स्कूलों का युक्तिकरण और समेकन :**

स्कूल और जन शिक्षा विभाग अधिसूचना संख्या 5465, दिनांक 11.03.2020 और शुद्धि पत्र 18905, दिनांक 14.12.2020 के आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से, स्कूलों में युक्तिकरण और समेकन विकासित हुआ है। इसका उद्देश्य है एक ही परिसर में माध्यमिक स्कूलों में कई एकीकृत स्कूल प्रारंभ करना एवं राज्य सांधनों के कुशल संक्रमण और उपयोजन का विकास करना।

उक्तिकरण के विभिन्न प्रकार नीचे प्रदत्त है :

क) सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को नियत क्षेत्र और केबीके अंचलों में 15 से कम या उसके बराबर एवं अन्य क्षेत्रों में 20 से कम नामांकन वालों को दूरता के बावजूद निकट के स्कूलों के साथ समेकन किया जाएगा।

ख) प्राथमिक अनियत क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों में जहाँ 40 से कम नामांकित हैं और नियत क्षेत्रों में जहाँ 25 से कम है एवं स्कूल जो 01 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, उन्हें समेकित किया जाएगा।

ग) एक ही परिसर में स्थित स्कूल को हो अथवा 100 मीटर में नामांकन को ध्यान में न रखते हुए उन्हें समेकित किया जाएगा।

घ) उच्च प्राथमिक स्कूलों के उच्च प्राथमिक कक्षा (I – VI, VI - VIII), जहाँ नामांकन 20 से कम हो या समान हो, उन्हें भी समेकित किया जाएगा। 2020 - 21 के तहत सरकार ने 7750 स्कूलों को समेकन और अग्रणी स्कूलों के लिए सूचित और अनुमोदित किया है। वर्तमान 4879 सैटलाइट स्कूलों को अग्रणी स्कूलों के रूप में समेकित किया गया है।

•1.3 परिवहन / अनुरक्षण की सुविधाएँ :

सरकार ने स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने अधिसूचना संख्या 4661, दिनांक 25. 02.2019 के तहत विरल आदिवासी वाले या पहाड़ी, घने क्षेत्रों या शहरी क्षेत्रों में स्थित बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए परिवहन / अनुरक्षण सुविधाएँ और सहायता प्रदान किए गए हैं। अथवा शहरी क्षेत्र जहाँ भूमि की उपलब्धता एक समस्या है या अत्यंत वंचित समूह के बच्चे हैं या विशेष आवश्यकता वाले बच्चे हैं और जिन्हें निम्नलिखित शर्तों के अनुसार स्कूल उपलब्ध नहीं होता।

क) जहाँ बच्चों को स्कूल के युक्तिकरण की नीति के अनुसार सैटलाइट स्कूल (कम नामांकन) को अंग्रेजी स्कूलों के साथ विलय हेतु आसपास के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों तक पहुँचने में कठिनाई होती है और वे प्राथमिक स्कूल या आगे जाने के लिए 01 कि. मी. ज्यादा यात्रा करते हैं;

ख) जहाँ कम आबादी वाली बस्तियों के बच्चे हैं और वहाँ स्कूल खोलना संभव नहीं और जहाँ पड़ोसी स्कूल 01 कि.मी. दूरी पर स्थित है और उच्च प्राथमिक स्कूल 10 कि.मी. पर स्थित है;

ग) जहाँ बच्चे जंगल क्षेत्रों की बस्तियों में वसवास करते हैं और स्कूल जाने के समय जंगली पशुओं के अवरोध का उन्हें भय रहता है;

घ) जहाँ बच्चों के बारिश के मौसम में नदी, खाई आदि के कारण किसी भी प्राकृतिक बाधा का सामना करना पड़ता है। कोरोना वाइरस की तीसरी लहर के कारण कक्षा एक से आठवीं तक के स्कूल नहीं खोले जा सके। डिजटल माध्यम से बच्चों को पढ़ाया गया। कक्षा VI – VIII के स्कूल नवंबर और दिसंबर के महीने में खोले गए हैं और I – VIII की कक्षाएँ 28 मार्च, 2022 से COVID – 19 महामारी के कारण खोली गई हैं। बच्चों को स्कूल जाने के लिए परिवहन / अनुरक्षण सुविधा प्रदान की गई है।

परिवहन / अनुरक्षण की उपलब्ध स्थिति

श्रेणी	**पीएबी द्वारा अनुमोहित बच्चे**	**भौतिक अपलब्धियाँ**
दूरस्थ बस्तियाँ में बच्चे	9446	5982

1.4. स्कूल के बाहर रहने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण

राज्य सरकार, ओड़िशा, स्कूल व जन शिक्षा विभाग ने अधिसूचना पत्र संख्या 6939, दिनांक 31.03.2014 को बाहरी बच्चों के लिए परिभाषा घोषित की। एमआईएस के माध्यम से स्कूल के बाहरी बच्चों की पहचान की गई। कुल 8165 बाहरी बच्चों को पहचान कर उन्हें आयु के अनुसार उचित कक्षा में दाखिला दिया गया।

निम्न में स्कूल से बाहर के बच्चों तथा मुख्य धारा का विवरण प्रस्तुत है:

क्रम संख्या	**गतिविधियाँ**	**पीएबी का लक्ष्य 2021 - 21**	**शारीरिक उपलब्धियाँ**
1	आवासीय विषेष प्रशिक्षण ओओएससी (OoSC) (फ्रेश)	218	218
2	आवास विहीन विषेष प्रशिक्षण ओओएससी (OoSC) (फ्रेश)	490	490
3	ओओएससी (OoSC) सीधा नामांकित वालों के लिए प्रशिक्षण अनावश्यक	1180	1180
4	ओओएससी (OoSC) उजाला के तहत	4094	4094
5	ओओएससी (OoSC) केजीबीवी में नामांकन	1800	1800
6	ओओएससी (OoSC) आवासीय स्कूलों में नामांकन	300	300

7	सीडब्लूएसएन(CWSN) ओओएससी (OoSC)	86	86
	कुल	8168	8168

कोविड़ - 19 की वजह से 2021 - 22 में VI से VIII कक्षा तक कम अवाध के लिए खुले गए। बच्चों को ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड़ पर पढ़ाया गया। जैसे यूट्यूब स्ट्रिमिंग कक्षा, शिक्षा दर्पण, दूरदर्शन शिक्षण, रेडियो पाठशाला, शिक्षा संयोग आदि। इस महामारी के समय शिक्षक ओओएससी (OoSC) को घर पर/ ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड़ पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। अर्थात् डिजिटल रूप से उल्लेखनीय छात्र, हमारी पाठशाला हमारे पास (आम पाठशाला आम पाखरे) (सामुदायिक शिक्षण) शिक्षार्थ, कार्यपुस्तिका एवं उत्थान के लिए शिक्षासेतु के माध्यम से प्रगति - रिपोर्ट का रखरखाव नहीं किया गया है। स्कूल में बाहर के सभी बच्चों को अगली उच्चत कक्षाओं में मुख्यधारा के साथ शामिल किया गया है।

1.5 प्रवासी परिवार के बच्चों के लिए मौसमी छात्रावास

पीएबी 2021 - 22 ने 550 प्रवासी बच्चों के लिए गंतव्य स्थानों यानी बालेश्वर, कटक, खुर्द्धा जिलों में मौसमी छात्रावास को मंजूरी दी, छात्रावास नवंबर / दिसंबर 2021 में खुले जाते हैं। ईंट भट्ठे स्थलों के बच्चों को स्कूल में नामांकित किया गया है। स्कूल में मौजूदा शिक्षकों द्वारा ऑन - लाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से अध्ययन जारी है। कक्षा VI से VIII तक के स्कूल नवंबर और दिसंबर महीने, 2021 में खोले गए हैं। लेकिन राज्य के कोरोना वाइरस (ओमिक्रम) की तीसरी लहर के बाद स्कूलों को 11. 01.22 से 27. 02. 2022 तक बंद कर दिया गया था।

भारत सरकार ने अपने अनुपूरक बजट में 4245 नग को मंजूरी दी है। जनवरी 2022 में प्रवास जिलों यानी, बरगढ़, बलांगीर, कलाहांडी और नूआपड़ा के श्रोत बिंदुओं पर प्रवासी बच्चों की संख्या इस प्रकार है। बजट के अनुमोदन के बाद उपरोक्त जिलों में छात्रावास खोलने के लिए धनराशि भेज दी गई थी। कोरोना वायरस की स्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई बिल्कुल बंद हो गई है, कक्षा 01 से XII तक की पढ़ाई 28 फरवरी, 2022 से नियमित चल रही है। परिवहन की नियमित सुविधा, गाड़ी, मोटर, साइकिल, यान - वाहनों की सुविधा मिलने के बाद प्रवासी बच्चों के माता - पिता राज्य के विभिन्न स्थानों पर परिवार के भरण पोषण के लिए काम ढूँढने गए। इन परिवारों के बच्चे छात्रावास में रहने लगे। मौसमी छात्रावास के दिशा निर्देश और यूनिट मूल्य एसएमसी के माध्यम से छात्रावास सुचारूरूप से प्रबंधन करने के लिए भेज दिया गया। कुस 3110 बच्चे छात्रावास में आराम से रहे और कोविड़ - 19 के नियमानुसार ऑनलाइन तथा ऑफलाइन कक्षा में पढ़ने लगे। छात्रावास में प्रवासी बच्चों को सुरक्षित अवस्था में रखा गया। मौसमी छात्रावास की प्रगति निम्न प्रकार

द्रष्टव्य है :

ईंट भट्टी में सचेतन शिविर, बालिअंता, खुर्द्धा

मौसमी छात्रावास, नूआपड़ा

मौसमी छात्रावास की प्रगति : 2021 - 22

श्रोत बिंदु (आवासीय) फ्रेस					
क्रम. संख्या	जिलों के नाम	पीएबी लक्ष्य		उपलब्धियाँ	
		केंद्रों की संख्या	बच्चों की संख्या	केंद्रों की संख्या	बच्चों की संख्या
1	बरगढ़	18	897	16	810
2	बलांगीर	30	1352	18	771
3	कलाहांडी	06	234	03	142
4	नूआपड़ा	40	1762	33	1387
	कुल	94	4245	70	3110
लक्ष्य बिंदु (आवास रहित) फ्रेस					
5	बालेश्वर	04	100	01	50
6	कटक	10	350	07	251
7	खुर्द्धा	04	100	02	100
	पूर्ण कुल कुल योग	18 112	550 4795	10 80	401 3511

2. मौजूदा स्कूलों का सुदृढ़ीकरण (सिविल कार्य)

आरटीई के तहत समग्र शिक्षा में सिविल कार्यों का उद्देश्य पूरे राज्य में आवश्यकतानुसार आरटीई के मुख्य निर्णयों को प्राप्त करने के लिए भौतिक आधारभूत संरचना प्रदान करना है। इसका मुख्य उद्देश्य है, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमि करण के साथ प्रासंगिक तथा प्रभावी अधिगम परिणामों के लिए एक स्थायी प्रणाली स्थापित करना है। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) / एसएमसी को शामिल करके कार्य निष्पादन करना आरटीई - समग्रशिक्षा की सिविल कार्य की मुख्य विशेषता है। राज्य में स्थायी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए निस्ता खुला है। यह कहना जरूरी है कि परियोजना को लागू करते समय कई मुद्दों को बताने के लिए लगातार उपयुक्त योजनाएँ बनाई जा रही हैं। ये मुद्दे जमीनी स्तर पर जरूरत मूल्यांकन अध्ययन, प्राथमिकता, धनराशि जुटाना, सीमित उपलब्ध संसाधनों से सही पर समय उचित गतिविधि के उपयोग के लिए अन्य विभागों से संभाव्य संसाधनों की खोज करने पर विश्लेषण करते हैं ताकि परियोजना को पूर्णतः एक वास्तविक आकार दिया जा सके।

यहाँ उल्लेख करना जरूरी है कि कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) जैसी सहयोगी परियोजना निश्चित रूप से एक ही उद्देश्य सहित कार्यक्रम को मुख्य धारा के पूरक बनाने में सफल है।

इस परियोजना का उद्देश्य केवल नए स्कूल या अतिरिक्त कक्षा - कक्ष खोलना नहीं है, वरन् शौचालय, लड़कियों के लिए स्वतंत्र शौचालय, सीडब्लूएसएन के लिए अनुकूल शौचालय, रैंप, हैंड्रिल, निर्मल पेय जल की सुविधा, विद्युतीकरण जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करनी हैं जिससे नामांकन में वृद्धि हो और ड्रॉप - आउट दर भी कम हो जाए।

राज्य में संरचनात्मक आधार वृद्धि करने के लिए स्कूली शैक्षिक स्तर पर योजनाएँ हो रही हैं। इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए विभिन्न प्रकार की रणनीतियाँ प्रस्तुत हैं।

राज्य में पंचायतीराज और पेयजल विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानीय जल की सुविधा पर ध्यान दिया है। सीडब्लूएसएन के लिए स्कूल को बाधा - मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी है।

2.1 प्राथमिक :

सिविल कार्य निष्पादन के लिए मुख्य बिंदु :

- एसएमसी / एसएमडीसी को तीन चरणों में निधि प्रदान करना यानी प्रथम चरण में 40% द्वितीय चरण में 30% और तृतीय चरण में एफएमपी की लागत के अनुसार शेष 30%।
- गुणवत्ता पूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने तथा सिविल कार्यों को सही समय पर पूर्ण करने के लिए तकनीकी सलाहकारों, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकारों, जिला परियोजना समन्वयकों द्वारा सिविल इनफ्रॉस्ट्रक्चर की निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण करना।
- जिला परियोजना कर्यालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन करना।

- राज्य परियोजना कार्यालय में नियमित अंतराल पर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करना।
- जिला स्तर पर सिविल कार्यों का निष्पादन करने वाले समुदाय / एसएमसी /एसएमडीसी के साथ कुशल कर्मियों / श्रमिकों का तकनीकी मार्गदर्शन करना।
- स्कूल भवन के निर्माण के तहत अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएँ।
- स्थानीय कौशल और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री के उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों को ग्रहण करना और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण कार्य करना।
- स्कूल सुरक्षा पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दिशा - निर्देश के अनुपालन में बहु - जोखिम प्रतिरोध की विशेषताएँ।
- अधिगम का आनंदमय माहौल।
- एसएमसी और तकनीकी कर्मियों की भूमिका एवं जिम्मेदारी पर एसएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण, उचित योजनाओं का चयन, श्रम शामिल करना, सामाग्री खरीदना तथा निर्माण - कार्य की तैयारी एवं सुनिश्चित, खाता प्रबंधन एवं परवर्ती - निर्माण कार्य आदि को रखरखाव की स्थिरता की ओर ले जाना।

2.1.2 निगरानी और पर्यवेक्षण

- संबंधित जिले के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार और वित्तीय सलाहकार नियमित अंतराल पर एसपीओ के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए समीक्षा बैठक में भाग लेते हैं।
- डीपीओ में यूसी जमा करने के साथ - साथ छत कॉस्टिंग और अकाउंट सेटलमेंट जैसी दो महत्वपूर्ण गतिविधियों का टीसी के लिए साप्ताहिक कार्य योजना का लक्ष्य निर्धारित करना।
- साप्ताहिक समीक्ष बैठक जिला परियोजना कार्यालय में डीपीसी और मासिक बैठक कलेक्टर - सह - अध्यक्ष द्वारा की जाती है।
- मोबाइल फोन का उपयोग कर पीएमए के माध्यम से निगरानी।
- भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा।
- बिल भुगतान से पहले ओपीडब्लूडी/ समग्र शिक्षा के दिशा - निर्देशों के अनुसार माप पुस्तिका (एमबी) की जाँच।
- क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी सलाहकारों द्वारा सम्मुखीन होने वाली विभिन्न चुनौतियों और समाधान पर चर्चा।
- निधि प्रवाह, खोते का निपटान और यूसी जमा।

समुदाय के लिए तकनीकी मार्गदर्शन

इंजीनियरों की सेवा की गतिविधियों ब्लॉक स्तर पर तकनीकी सलाहकारों द्वारा एमएससी को समर्थन करने के लिए और जिला स्तर पर कार्य की निगरानी के लिए वरिष्ठ तकनीकी

सलाहकारों प्रदान की जाती है। ये सारे इंजीनियर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए निर्माण स्थलों का दौरा करते हैं। वे सिविल कार्यों की उचित निगरानी के लिए डीपीओ के साथ संपर्क भी करते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए माप पुस्तिका में मापों का दर्ज करते हैं। निर्माण क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों के तकनीकी ज्ञान के उन्नयन हेतु प्रशिक्षण - सह - अभिविन्यास कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं। ओसेपा द्वारा स्थानीय भाषा में प्रकाशित तकनीकी मैनुआल 'शिक्षानिडा' (Siksha Needa) की सहायता से राजमिस्त्री को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साइट की विशिष्ट स्थिति के अनुसार ओपीडब्लूडी कोड और एमएस का मानदंड पालन करते हुए तकनीकी कर्मियों के निर्णयानुसार नींव के प्रकार यानी पाईल, कॉलम और खुली नींव को ग्रहण किया जा रहा है।

2.3.1. स्कूल भवन के निर्माण - कार्य के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएँ :

प्रभावी लागत तकनीकियाँ

- स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग।
- स्कूलों की आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए स्थानीय कौशलों का उपयोग।
- पारस्पारिक लाल ईंटों के बदले पलाई ऐश ईंट के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना जो न केवल किफायती बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है।

बहु - जोखिम प्रतिरोधी विशेषताएँ :

- बाढ़, भूकंप और चक्रवात् होने की आशंका वाले क्षेत्रों में साइट विशंष डिजाइन तैयार करने के लिए सुभेद्ययता एटलस का अनुसरण किया जाएगा। नवीनतम कोडल विनिर्देशों के अनुसार विभिन्न जोखिम प्रतिरोध की विशेषताएँ

भवन योजना और डिजाइन (साइट निर्दिष्ट डिजाइन)

बाढ़

- दर्ज एचएफएल के आधार पर प्लिंथ स्तर को मजबूत करना और दीवारों पर जल कोशिका की क्रिया को रोकना।
- नींव के परिमार्जन को रोकने के लिए प्लिंथ की सुरक्षा
- प्रायः बाढ़ आने के क्षेत्रों में सीढ़ी के मामले

चक्रवात्

- प्रतिबंर्धित उद्घाटन और उसकी नियुक्ति

भूकंप

- घटने के उपायों को तय करने के लिए समुदयता एटलस में उपलब्ध जोखिम क्षेत्रों के नक्शे का उपयोग किया जाता है।

- प्लिंथ स्तर और लिंटेल स्तर हरैजंटाल बैंड (बक्से एक्सन विकसित करने के लिए) और वर्टिकल (छत और प्लिंथ के बीच उचित टाई - आप के लिए) बाक्से जैसी संरचना के रूप में व्यवहार करने के लिए निम्नलिखित कोडल विनिर्देश प्रदान किए गए हैं।

भवन डिजाइन और विकल्प

- राज्य भर विभिन्न मिट्टी की स्थितियों के अनुरूप विकसित नींव डिजाइन के प्रकार
- स्थानीय रूप से उपलब्ध निर्माण सामग्री का उपयोग (लैटराइट/ग्रानाइट/प्लाई एशईटें, पत्थर)
- निर्माण लागत को घटाने के लिए संशोधित आरसीसी डिजाइन

भवन में आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान

- ड्रिप कोर्स, प्लिंथ सुरक्षा, वर्षा जल तीव्रता से निष्कासन के उपाय आदि।

भवन के अन्य महत्वपूर्ण घटक :

- भिन्नक्षम छात्रों के लिए रैंप और हैडंरेल, सुरक्षा के लिए अग्निशमन उपकरण आदि प्रदान किए गए हैं।

आकर्षक और अधिगम वातावरण

- बच्चों के अनुकूल उपादान, जैसे स्पींग, स्लाइड, सी - सा आदि।
- अधिगम के घटक जैसे दीवार के चित्र, पैंटिंग, संख्या एवं घटक अक्षरों को ग्रील चॉक बोर्ड अधिगम कोना और विविध प्रकारों से सजाए गए बरामदे। pg - 30

2. 3.2 क्षमता निर्माण - 1

- निर्माण की गुणवत्ता के संबंध में एसएमसी के सदस्यों का क्षमता निर्माण
- निर्माण मैनुआल (स्थानीय भाषा / चित्तित प्रतिनिधित्व) निर्माण विनिर्देशों और प्रक्रियाओं (स्थानीय भाषा) की व्याख्या करने वाले पत्रक, संशोधित प्रशिक्षण मॉड्यूल
- डक्यूमंट्री फिल्म, प्रशिक्षण मॉड्यूल, भूमिका तथा जिम्मेदारियों के संबंध में सूचना देने वाले पत्रक, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, डिजाइन विनिर्देशों और निर्माण प्रक्रियाओं आदि के लिए ओड़िआ भाषा में तैयार किया गया है।
- एसएमसी और इंजीनियरों के समतूल की भूमिका और जिम्मेदारियों के माध्यम से निर्माण कार्य की प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए एसएमसी और इंजनियरों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- एक समान यूसी प्रारूप वित्त सलाहकार द्वारा आयोजित खातों के रखरखाव पर अलग से एसएमसी का प्रशिक्षण
- एमटीए का गठन और नियमित आधार पर एसएमसी (पाक्षिक) एमटीए का गठन और पीटीए बैठक सुनिश्चित करना।

2.3.3 क्षमता निर्माण - 2

स्टॉफ :

- गुणवत्ता नियंत्रण आय परीक्षण (व्यावहारिक प्रदर्शन), पर्यवेक्षण और निगरानी, बिल तैयार करने एवं यूसी जमा करने पर टीसी के लिए अर्धवार्षिक अभविन्यास कार्यक्रम।
- वर्तनान की स्थिति के अनुसार वरिष्ठ टीसियों की संख्या 30 जिलों में 31, टीसियों की संख्या 314 ब्लॉक में 269, यूएलबीएस में 02 और एसपीओ में टीसियों की संख्या 03

2.4 गुणवत्ता पर नियंत्रण :

रेत का परीक्षण :

- सूक्ष्म सैंड फिटनेस मॉड्यूल (SFM) का परीक्षण किया गया है जो 1.5 या उससे अधिक है। मोटी रेत के लिए फिटनेस मॉड्यूल (F.M) 2.5 से 3.5 के भीतर है। रेत के ग्रेडिंग चलनी विश्लेषण द्वारा मोटर चलनी शेकर से होती है।

ईंट परीक्षण :

- ईंट का जल अवशोषण परीक्षण के क्षेत्र के स्तर के अनुसार किया जाता है।
- ईंट की संपीड़न शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।
- ईंट की पेराई शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।

कंक्रिट परीक्षण

घन परीक्षण :

- 15x15x15 से.मी आकार के परीक्षण के अनुसार सीमेंट कंक्रेट की परीक्षण मशीन द्वारा दबाव शक्ति का परीक्षण होता है।
- भारी गिरावट का परीक्षण।
- भारी गिरावट का परीक्षण सर्वदा गाढ़ेपन निश्चित करने के लिए किया जाता है।

2.5 स्कूल सुरक्षा प्रावधान

स्कूलों के आधारभूत संरचनाओं के रूपांकन में भूकंप प्रतिरोधी संरचना, अग्नि सुरक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं के लिए प्रावधान (कई प्राकृतिक आपदाओं जैसे, चक्रवात्, बाढ़, भूकंप आदि को ध्यान में रखते हुए ऐसी आपदाओं का विरोध करने के लिए भवनों का मिर्माण किया जा रहा है। बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में इमारतों को उच्च स्तर के प्लिंथ स्तर के साथ रूपांकन किया गया है। उद्घाटन, क्षैतिज और ऊर्वाधर बैंड के प्रावधान को चक्रवात् और भूकंप के मामले में सही स्थान पर रखा गया है।

2.6 माध्यमिक

- माध्यमिक स्कूलों के सिविल कार्यों का निष्पादन ग्रामीण कार्य विभाग और पंचायती राज विभाग तथा शहरी क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

2.6.1 नूतन विद्यालय

- नूतन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय खोल गए हैं। यहाँ हर कक्षा फनीचर, पुस्तकालय, एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, कला व शिल्पकला, शौचालय ब्लॉक, पेयजल, विद्युतीकरण आदि शामिल हैं।

2. 6. 2 आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण

- मैजूदा आधारभूत संरचना को मजबूत करने का प्रस्ताव यू - डाइस रिपोर्ट के आधार पर और आधारभूत संरचना के अंतराल के मुताबिक किया गया है। इसके अलावा अतिरिक्त कक्षा - कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रकोष्ठ, पुस्तकालय जैसे कला और शिल्प कक्ष, शौचालय, पेयजल की सुविधा और विद्युतीकरण के अंतर्गत शामिल हैं।

2.6.3 बालिका छात्रावास (कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय - IV)

लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और लैंगिक असमानता को समाप्त करने के लिए अधिक संख्या में स्कूलों को लाने तथा उन्हें वहाँ रखने के प्रयास किए गए हैं। इस प्रकार इस योजना में शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (EBBs) और उपरोक्त लक्षित समूहों की सघनता वाले क्षेत्रों में आवास और बोड़िंग सुविधाओं के सहित छात्रावासों की स्थापना की परिकल्पना की गई है ताकि छात्राओं को सामाजिक कारकों के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने के अवसर से वंचित न किया जाए। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य यह है कि माध्यमिक और उच्चस्तर माध्यमिक शिक्षा को अधिक मात्रा में छात्राओं के लिए सक्षम बनाना आवश्यक है।

गतिविधियाँ

- त्रुण मूल स्तर पर योजना बनाना।
- आवश्यकताओं के आधार पर मूल्यांकन का अध्ययन।
- गतिविधियों को प्राथमिकता
- सीमित उपलब्ध निधि से सही समय पर उचित गतिविधि के लिए धन जुटाना एवं उपयोग करना।
- परियोजना को यथासंभव वास्तविक रूप देने के लिए अन्य अभिकरणों से संभाव्य संसाधनों की खोज करना।

2.6.4 पास - पड़ोस का वातावरण :

विद्यार्थियों को आकर्षित करने में स्कूल के वातावरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्युतीकरण के साथ पर्याप्त कक्षाओं की आधारभूत संरचना, स्वस्थ स्वच्छता की स्थिति, पूरे वातावरण में बहुत सारी वनस्पतियों के साथ विस्तृत खेल का मैदान आदि विद्यार्थियों के समुचित सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरूरी है। इसके कारण उनकी उपस्थिति की संख्या में भी वृद्धि होती है।

2.6.5 शौचालय :

- छात्रों में स्कूल में दाखिला लेने के समय से ही स्वच्छता की आदत डालनी होगी। समग्र शिक्षा व्यक्तिगत स्वच्छता के ऐसे मामलों में छात्रों को शिक्षित करने और उनकी सुरक्षा के लिए सरकारी स्कूलो में छात्र और छात्राओं के लिए अलग - अलग शौचालय निर्माण कराती है। छात्राओं के शौचालय के लिए भस्मक का प्रावधान किया गया है। इनके कुछ चित्र (इनसिनेटर) नीचे दिए गए हैं।

2.6.6 पेय जल :

जीवन की मूलभूत जरूरत है, जल। राज्य के लगभग सभी स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के लिए पेटजल की सुविधा है। सभी स्कूलों में गंदे पानी के निष्कासन की व्यवस्था है। स्कूल परिसर में पानी जमकर न रहे, इसकी पूरी व्यवस्था हो रही है।

अतिरिक्त कक्षा - कक्ष

भौतिक उपलब्धियाँ

आधारभूत संरचनात्मक विकास

प्रारंभिक

क्र.सं	गतिविधियाँ	भौतिक उपलब्धियाँ				
		2021 - 22 तक क्यूमलेटिव लक्ष्य	पूर्ण	प्रगति जारी	शुरू नहीं है	% पूर्णता दर
A	**प्राथमिक**					
1	बीआरसी	169	169	0	0	100%
2	सीआरसी	1970	1960	3	7	99%
3	नए पीएस	8773	8579	113	81	98%
4	नए यूपीएस	8444	8249	78	117	98%
5	उन्नत यूपीएस के बदले एसीआर	948	869	73	6	92%
6	आवासीय स्कूल	4	1	1	2	25%
7	आवासीय छात्रावास	30	30	0	0	100%
8	कम पीएस का निर्माण	854	793	38	23	93%
9	कम यूपीएस का निर्माण	342	340	1	1	99%
10	जीर्ण पीएस	564	544	15	5	96%
11	जीर्ण यूपीएस	456	453	3	0	99%
12	अतिरिक्त कक्षा - कक्ष	62346	60478	1235	633	97%
13	अतिरिक्त कक्षा कक्ष (कक्षा - VIII)	14315	13915	193	207	97%
14	एच.एम. कमरे (पीएस)	2705	2520	79	106	93%
15	एच.एम. कमरे (यूपीएस)	2315	2147	79	89	93%
16	वीआरसी तालिम हॉल	316	249	19	48	79%
17	शौचालय	144889	13863	489	646	92%
18	बालिकाओं के लिए शौचालय	50185	48013	1121	1051	96%

19	सीडब्लूएसएन शौचालय	32196	30683	921	592	95%
20	अक्रियाशील बालकों का शौचालय	1099	969	38	92	88%
21	अक्रियाशील बालिका शौचालय	1235	1067	63	105	86%
22	जल की सुविधा	7260	6957	1	302	96%
23	चहार - दीवारी	945	945	0	0	100%
24	बिजली	6091	5524	308	259	91%
25	अलगाव की दीवार	147	21	0	126	14%
26	सी.आफ.ई (बाला)	52877	52877	0	0	100%
27	रेलिंग के साथ रैंप	21580	20973	71	536	97%
28	अन्यान्य	129	129	0	0	100%
29	प्रमुख मरम्मत (पीएस)	2883	2426	331	126	84%
30	प्रमुख मरम्मत (यूपीएस)	2573	2145	300	128	83%
31	सौर पेनल	16	0	0	16	0%
कुल		298765	287888	5573	5304	96ज़
B	माध्यमिक					
1	नए स्कूल	874	763	68	43	87%
मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना						
2	एसीआर	3248	2608	174	466	80%
3	विज्ञान लैब	2090	1704	104	282	82%
4	कंप्यूटर कक्ष	1302	1072	70	160	82%
5	लाईब्रेरी	2015	1653	103	259	82%
6	कला/शिल्प/ कमरा	1363	1068	84	211	78%
7	लड़कयों का शौचालय	965	871	21	73	90%
8	लड़कों का शौचालय	980	866	30	84	88%
9	पेय जल	865	815	12	38	94%
10	सौर पेनल	24	0	0	24	0
कुल		13726	11420	666	1640	83%
C	**उच्च माध्यमिक**					
1	नए स्कूल	7	0	1	6	0%

2. 8. कस्तरबा गाँधी बालिका विद्यालय (KGBV) छात्रावास के भवन की स्थिति

क्रम संख्या	गतिविधि	क्यूमेलेटिव	भौतिक प्रगति (क्यूमेलटिव)			
		लक्ष्य	पूर्णता	प्रगति	शुरू नहीं हुआ	% की पूर्णता
1	केजीबीवी प्राथमिक भवन	182	182	0	0	100%
2	केजीबीवी भवन (टाइप - IV) (माध्यमिक)	173	129	41	3	75%

3. RTE अधिनियम 2009 (प्रवेश स्तर) के दौरान 12 (1) (C) के अनुभाग में 25% प्रवेश में प्रतिपूर्ति शुल्क 943 बच्चों के प्रवेश के लिए आरटीई अधिनियम - 2009, अनुभाग 12 (1) (C) के तहत 25% प्रवेश के लिए प्रतिपूर्ण शुल्क योजना के नर्म के अनुसार सुनिश्चित है।

गतिविधि	भौतिक (बच्चे)
आरटीई अधिनियम - 2009, 12 (1) (C) के तहत 25% प्रवेश के लिए प्रतिपूर्ति शुल्क	943

विभिन्न सामाजिक बाधित दल और कमजोर विभाग की बच्चों के गुणात्मक शिक्षा के लिए समान शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है।

4. मुफ्त पाठ्य पुस्तकें

आरटीई और एसएसए के तहत ओड़िशा के सभी अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति और सामान्य लड़कियों को कक्षा । से VIII तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल ओड़िशा के मदरसे को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। राज्य स्तरीय समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार पाठ्य - पुस्तक टीबीपी और एम, भुवनेश्वर द्वारा प्रस्तुत की गई हैं एवं समस्त ब्लॉक केंद्रों को (एबीईओ - सह - बीआरसी पाइंट) आपूर्ति की गईं। राज्य की जरूरतों के अनुसार 30 जिलों के स्कूली केंद्रों से भी आपूर्ति की गई है। 2020, दिसंबर महीने में पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति शुरू हो गई है और 100% एनटी पुस्तकें पुनः स्कूल खोलने के लिए (ग्रीष्मावकाश) राज्य के 30 जिलों को पुस्तकों की आपूर्त्ति की गई है।

सत्र	लाभार्थियों की संख्या (प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल)	निगरानी प्रबंधन	मुद्दों को संबोधित करने की रणनीतियाँ
2021 - 22	4440968	जिले के सभी नोडल अधिकारी सभी (बीईओ - सह - बीआरसीसी /सीआरसीसी /एचएम/ एसएमसी सदस्य आदि	सभी एचएम/सीआरसीसी/ एवीईओ - सह - बीआरसीसी/ एसएमसी /सदस्य /बीईओ /डीपीसी पाठ्य पुस्तकों के वितरण के बारे में मुदों पर संबोधित करेंगे।

सुरभि - 2021 पर एक झलक

सामुदायिक लामबंदी गतिविधि पर फोकस

- कोविड पर जागरूकता
- बच्चों की नियमित उपस्थिति और प्रतिधारण सुनिश्चित करना
- स्कूलों में समुदाय की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना
- स्कूलों में बच्चों के स्कूल छोड़ देने (ड्रॉपआउट) की संख्या कम करना; विशेषतः समाज के हाशिए में रहनेवाले बच्चों तथा कमजोर बच्चों के।
- बच्चों की माध्यमिक शिक्षा को सफलतापूर्वक पूर्ण करना।
- सार्वजनिक पहुँच, समानता और गुणवत्ता पर निगरानी करना।
- आरटीई अधिनियम - 2009 के तहत बाल अधिकार
- स्कूल की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए माता - पिता, समुदाय, पीआरआई समुदाय के नेता, शिक्षाविद्, युवा क्लवों को प्रेरित करना
- समुदाय के सदस्यों द्वारा स्कूल के स्वामीत्व को सुनिश्चित करना।

2021 - 22 में गतिविधियाँ

- 21, जून 2021 को योग विषय पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (IDY) का वर्चुआल अवलोकन 'घर पर योग और परिवार के साथ योग'।
- आजादी का अमृत महोत्सव के तहत गतिविधियाँ

5. सामुदायिक लामबंदी

यह एक विशेष कार्यक्रम है। इससे लोगों की जागरुकता और माँग बढ़ती है। यह संसाधनों और सेवाओं के वितरण में सहायता करने, स्थिरता और आत्म - निर्भरता एवं सामुदायिक भागीदारी मजबूत करने के लिए अधिकाधिक हितधारकों को एकत्रित करने की प्रक्रिया है। जब समुदाय के विभिन्न हिस्सों के लोग एक बराबर लक्ष्य साझा करते हैं और जरूरतों की पहचान करते हैं और समाधान के लिए सक्रिय रूप से भागीदारी होते हैं तब बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। लामबंदी समुदाय को सशक्त बनाने में सहायता करती है और उन्हें अपने स्वंय के विकास को आरंभ करने तथा नियंत्रित करने में सक्षम बनाती है।

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो बच्चों की गुणवत्ता, समानता, सीखने के परिणाम में सुधार के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करती है। इसमें व्यक्तियों समूहों, संगठनों की योजना बनाने, कार्यान्वित करने और सहभागी विचारों पर गतिविधियों का मूल्यांकन होता है। यह शैक्षिक और सह - शैक्षिक दोनों क्षेत्रों में दिन - प्रतिदिन की स्कूली गतिविधियों के साथ समुदाय के सदस्यं को सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी अत्यधिक समानता, गुणवत्ता और सामुदायिक स्वामीत्व को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम - 2009 के संदर्भ में समग्र शिक्षा (एसएस) का आदर्श है।प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी के साथ स्कूलों के सामाजिक, क्षेत्रीय, लैंगिक अंतर को भी पाटा जा सकता है। यह जरूरी है कि लोग माता - पिता, अभिभावक, एवं स्थानीय अधिकारियों के सदस्यों के रूप में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हों और उन्हें स्कूल के विकास के लिए स्वतंत्रता दी जाए।

राज्य ने सदैव स्कूली शिक्षकों को सामुदायिक भागीदारी की भूमिका, महत्व, स्कूल के विकास के लिए अवदान तथा गुणात्मक शिक्षा के लिए समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। समूदाय के सदस्यों में गुणात्मक शिक्षा विकास के लिए सक्रिय प्रतिभागिता पर विभिन्न गतिविधियाँ निम्न में प्रदत्त हैं।

- फिर इंडिया फ्रीडम रन, फिट इंटिया कुइज, फिट इंडिया स्कूल सर्टिफिकेशन, फिट इंडिया स्कूल विक आदि।
- एक भारत, श्रेष्ठ भारत
- 20 अगस्त, 2021 को सद्भावना दिवस का पालन
- सितंबर 01 से 15 सितंबर, 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा
- 31 अक्टूबर, 2021 को शपथ ग्रहण और राष्ट्रीय दिवस का पालन
- 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस का पालन
- सुरभि
- 12 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस का पालन
- 21 फरवरी, 2022 को मातृभाषा दिवस का पालन
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन
- समग्र शिक्षा की उपलब्धियों के प्रकाशन
- गुरु दिवस और शिशु दिवस पर संदेश का प्रकाशन
- ऊर्जा संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता
- विषय : 'स्थायीत्व और परिपत्रता के जरिए प्लैस्टिक, कचरे के बिना भविष्य' पर निबंध प्रतियोगिता।
- आतिशबाजी के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना और उच्च ध्वनि तीव्रता की मापन इकाई का उपयोग
- माननीय मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री के संदेशों का विमोचन
- कोविड पोस्टरों का विकास और वितरण
- विभिन्न विज्ञापनों, संदेशों और दस्तावेजों आदि का विमोचन
- परीक्षा पे चर्चा, 2022 का पंजीकरण स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों तथा अभिभावकों का अवलोकन।
- राज्य व्यापी माता - पिता - शिक्षकों - अभिभावकों की बैठक (PTM)
- शिक्षा सचेतनता रथ
- सृजनी (SRUJANI) - डिसप्ले बोर्ड

मीडिया और सामुदायिक लामबंदी 2021 - 22 के तहत प्रगति

क्र.सं.	गतिविधियाँ		उपलब्धि
		शारीरिक	शारीरिक
1.	मीडिया और सामुदायिक लामबंदी (प्राथमिक)	47247	47247
2.	मीडिया और सामुदायिक लामबंदी (माध्यमिक)	5789	5789
	कुल	53036	53036

परीक्षा पे चर्चा - 2022

INSTALL
Pariksha Pe Charcha 2022 : PM
Narendra Modi's interaction with Exam ..
BREAKING
NEWS

6. एसएमसी / एसएमडीसी परीक्षण

- **स्कूल प्रबंधन समिति का गठन और प्रकार्य**

स्कूल प्रबंधन समिति का गठन और प्रकार्य प्रबंधन और विकास समिति (SMDC) द्वारा जारी संशोधित दिशा - निर्देशों के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के सहित राज्य रके स्कूलों में गठित की गई है। एस और एमई विभाग, अधिसूचना संख्या 3766, दिनांक 20.02.2018 और पत्र संख्या 3764 दिनांक 20.02.2018 क्रमशः निर्देशावली भेजी गई।

स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) और स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति (SMDC) सदस्य

47247 स्कूलों के एसएमसी सदस्यों और 5789 स्कूलों के एसएमडीसी सदस्यों के लिए स्कूल स्तर पर नवीकरण प्रशिक्षण कराया गया। यह प्रशिक्षण त्रिदिवसीय था जो एसएमसी / एसएमडीसी प्रशिक्षण मॉड्यूल सहयोग (SAHAYOG) कोविड - 19 प्रोटोकल के आधार पर है।

एसएमसी / एसएमडीसी प्रशिक्षण2021 - 22 के तहत प्रगति।

क्र.सं.	गतिविधियाँ	लक्ष्य	उपलब्धि
		शारीरिक	शारीरिक
1.	एसएमसी प्रशिक्षण (प्राथमिक)	47247	47247
2.	एसएमसीसी प्रशिक्षण (माध्यमिक)	5789	5789
	कुल	53036	53036

6.1 माता - पिता - शिक्षक - अभिभावक बैठक

संपूर्ण राज्य में माता - पिता - शिक्षक - अभिभावक बैठक (पीटीएम) 11 दिसंबर, 2021 को कक्षा VIII से कक्षा X तक (सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त) के छात्रों के लिए 29567 स्कूलों में आयोजित की गई है। इसमें 9.37,018 अभिभावकों ने भाग लिया। लगभग दो साल के बाद स्कूल फिर से खोलने से पहले 26 फरवरी, 2022 को 46338 स्कूलों में दूसरी राज्य व्यापी अभिभावक शिक्षक बैठक भी आयोजित हुई। इस बैठक में 17,53,501 माता - पिता - अभिभावक शामिल हुए।

7. अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन

7.1 . अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन

शिक्षण और अनुसंधान दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह पॉलिसी निर्माता एवं शैक्षिक प्रशासकों के लिए उपयुक्त निर्णय लेने के लिए दृढ़ बुनियादी नींव डालता है। शोध परिणाम उचित गुणात्मक शिक्षा की वृद्धि के लिए शिक्षकों, पॉलिसी निर्माता एवं हितधारकों की मदद करता है।

7.2. ओएससीपीसीआर (OSCPCR)

बच्चे अपने को प्रभावित करने के मुद्दों के संबंध में खुले आम अपने सुविचार रख सकते हैं। यह उनका अधिकार है। उन्हें अपनी प्रगति को हासिल करने के लिए सही वातावरण मिलना चाहिए। बच्चों के अधिकार के साथ कानून, नीतियाँ, कार्यक्रम वं प्रशासनिक यांत्रिकी की जुड़ने चाहिए। हमारे राज्य में सन् 2010 से बच्चों के अधिकार की सुरक्षा के लिए ओड़िशा राज्य आयोग कार्य करता रहता है। यह आयोग केवल अधिकार के उल्लंघन के लिए अभियोग निपटाने के उद्देश्य से बहुत सक्रिय है। उपयोग द्वारा आयोजित गतिविधियाँ निम्न प्रकार की हैं :

- बच्चों के संबंधित नियम कार्यान्वित करने में तीन प्रमुख अधिनियम की प्रक्रियाएँ हैं। मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के लिए बाल अधिकार (RCFCE) अधिनियम, 2009, यौन क्रिया अपराध, 2012 और किशोर न्याय देखभाल और सुरक्षा बाल अधिकार अधिनियम - 2005।
- बाल अधिकार के उल्लंघन पर प्राप्त शिकायतों को संबोधित करना।
- समाचार - पत्रों में प्रकाशित मुद्दों पर ध्यान देना।
- विभिन्न स्थानों में कैंप कोर्ट पर प्रकाश डालना।
- स्कूल परिदर्शन और निगरानी करना।
- आरटीई और आयोग के क्षेत्रों के कार्यों के लिए क्षमता निर्माण अभ्यास करना।
- बाल अधिकार पर आईईसी सामग्री विकसित करना और आयोग की कार्यप्रणाली पर ध्यान देना।
- अन्य राज्यों को दौरा करना।

आयोग के लिए बच्चों के सारे अधिकार समान महत्व के हैं। ओएससीपीसीआर के पक्ष में समग्र - शिक्षा के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ओसेपा, ओड़िशा राज्य सरकार के जरिए अनुदान जारी किया गया है।

<u>ओएचआरसी, एनएचआरसी, एनसीपीसीआर के साथ कार्यकरना</u>

आरटीई अधिनियम लागू होने के कारण हर बच्चे का मौलिक अधिकार शिक्षा बन गई है। स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी बन गई है। अधिनियमों के उल्लंघन से संबंधित मुद्दों, मामलों और ओएसआरसी,

एसएचआरसी, एनसीपीसीआर से छात्रों द्वारा प्राप्त समस्याओं को संबोधित किया गया है। माननीय एनएचआरसी, एनसीपीसीआर से प्राप्त दिशानिर्देशों को सभी संबोंधित हितधारकों को वितरित किया गया।

30 मार्च, 2022 को कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के परिसर में ओएससीपीसीआर और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एमएफएसयू) के सहयोग से सीपीसीआर एनसीपीसीआर द्वारा आयोजित 'पॉक्सो' (POCSO) पीड़ितों की सहायता के कार्यान्वयन और पहलुओं में बाधा डालने वाले कारकों पर एक राज्य स्तरीय बैठक हुई।

30 मार्च, 2022 को केआईआईटी परिसर, भुवनेश्वर में ओएससईपीसीआर और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनेफएसयू) के सहयोग से एनसीपीआर द्वारा आयोजित पॉक्सो : पीड़ितों को सहायता के पहलुओं और कार्यान्वयन में बाधा डालने वाले कारक पर क्षेत्रीय परामर्श बैठक।

8. अधिगम वृद्धि / संवर्धानात्मक कार्यक्रम

अधिगम वृद्धि कार्यक्रम (एलईपी) एक गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम है। यह ओड़िशा सरकार द्वारा प्राथमिक स्तर पर उन छात्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि करने के लिए शुरू किया गया है जो अधिगम के अपने न्यूनतम स्तर को प्राप्त नहीं कर रहा है।

एलईपी कार्यक्रम के तहत कक्षा IV से VIII तक पुस्तकों का मुद्रण और वितरण एस एंड एमई विभाग के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सभी स्कूलों में किया गया है।

8.1 टीवी / रेड़ियो/ ऑनलाइन (प्रारंभिक) के माध्यम से कक्षा संव्यवहार :

सन् 2021 - 22 के दौरान महामारी की स्थिति के कारण सरकार ने टीवी चैनल के माध्यम से कक्षा संव्यवहार किया। ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से घरेलू वातावरण में बच्चों को निर्बाध शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए कोई पहल नहीं थी। यह उन्होंने टीवी चैनल, यूट्यूब चैनल, हवाटसएप ग्रुप के साथ रेडियो में ही किया।

ओडिशा शिक्षा संयोग :

'ओड़िशा शिक्षा संयोग' एक डिजिटल अधिगम कार्यक्रम है जो हवाटसऑप ग्रुप के माध्यम से कोविड - 19 महामारी के लॉक डाउन के समय शिक्षण - अधिगम गतिविधि में छात्रों को शामिल करने के लिए लागू किया गया है। कक्षा / विषय के शिक्षकों ने शिक्षण सामग्री को साझा करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के साथ व्यक्तिगत हवाट्स्एप ग्रुप बनाया है। इस कार्यक्रम में कक्षा II कक्षा X तक के छात्रों ने भाग लिया है। ई - सामग्री जैसे, लिखित स्पष्टीकरण, वीडियो स्पष्टीकरण, ऑडियो क्लिप आदि विभिन्न डिजिटल प्लैटफॉर्म से संग्रह करके शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाते हैं। इन सामग्रियों को कार्यक्रम के लिए गठित कक्षावार हवाट्सऐप ग्रुप में साझा किया जाता है। अपेक्षित शिक्षण परिणामों पर आधारित कार्य - फर्द को शिक्षण सामग्री भेजने के बाद छात्रों के साथ साझा किया जाता है। संबंधित हवाट्सएप ग्रुप में छात्रों की शंकाओं को स्पष्ट करने के लिए विषय शिक्षक ऑन - लाइन में काम करते हैं। शाम को माता - पिता की सहायता से मूल्यांकन अथवा मूल्यांकन के लिए उत्तर - कुंजी पोस्ट की जाती है। पुनः स्कूल खोलने के बाद शिक्षकों को भौतिक सत्यापन के लिए सारे कार्य - फर्द को उनके उत्तरों के साथ अपनी नोटबुक में रिकार्ड करने के लिए कहा गया है। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों में शिक्षण सामग्री को पोस्ट करने के लिए, जिला स्तर पर एक विस्तृत समय - सारणी तैयार की गई है। माता - पिता अपने बच्चों के साथ शिक्षण - अधिगम की गतिविधियों में व्यस्त रहे और अध्यापन के मामलों पर उद्यानों शिक्षकों के साथ चर्चा भी की।

यह कार्यक्रम पहले खुर्द्धा जिले में शुरू किया गया था और बाद में पूरे राज्य में इसका विस्तार किया गया है। यह देखकर खुशी होती है कि राज्य के बाहर कई शिक्षकों ने टीएलएम प्रस्तुत कर स्व - रिकॉर्ड वीडियो पाठ बनाए हैं। उन्होंने इसे छात्रों को समझाने और ग्रुप में दूसरे गुण वालों को भी उपयोग करने के लिए साझा किया है।

8.2. शिक्षा दर्पण (दूरदर्शन के माध्यम से वीडियो पात्रों का प्रसारण) :

शिक्षादर्पण एक ऑनलाइन कार्यक्रम है। यह कोविड - 19 महामारी की स्थिति के दौरान बच्चों को दौरान करने घरेलू वातावरण में शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है। दूरदर्शन ओड़ियो चैनल के माध्यम से प्राथमिक और माध्यमिक छात्रों के लिए कक्षावार, विषयवार वीडियो पाठ रिकॉर्ड किए गए एवं प्रसारित भी किए गए। प्रतिदिन पाठों का प्रसारण तीन चरणों में साढ़े चार घंटे की अवधि के लिए किया जाता था। यानी सुबह 09 बजे से 10 बजे तक दोपहर 1.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक एवं दोपहर 3.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक प्रसारण सप्ताह में पाँच दिन यानी सोमवार से शुक्रवार तक किया जाता था। इसके लिए एक विस्तृत प्रसारण कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ और इसे राज्य से लेकर स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को प्रसारित किया गया। डीडी ओड़िया चैनल के जरिए प्रसारित कक्षाओं में अपने बच्चों को शामिल करने के लिए तथा माता - पिता के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई। दर्शकों की संख्या और उस पर कार्यावाही के प्रतिशत का आकलन करने के लिए गुगली शीट के माध्यम से दैनिक निगरानी की गई।

8.2 शिक्षादर्पण (दूरदर्शन के माध्यम से वीडियो पाठों का प्रसारण) :

शिक्षादर्पण एक ऑनलाइन कार्यक्रम है। यह कोविड - 19 महामारी की स्थिति के दौरान बच्चों को घरेलू वातावरण में शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है। दूरदर्शन ओड़ियो चैनल के माध्यम से प्राथमिक और माध्यमिक छात्रों के लिए कक्षावार, विषयवार वीडियो पाठ रिकॉर्ड किए गए एवं प्रसारित किए गए। प्रतिदिन पाठों का प्रसारण तीन चरणों में साढ़े चार घंटे की अवधि के लिए किया जाता था। यानी सुबह 09 बजे से 10 बजे तक दोपहर 1.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक प्रसारण सप्ताह में पाँच दिन यानी सोमवार से शुक्रवार तक किया जाता था। इसके लिए एक विस्तृत प्रसारण कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ और इसे राज्य से लेकर स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को प्रसारित किया गया। डीडी ओड़िया चैनल के जरिए प्रसारित कक्षाओं में अपने बच्चों को शामिल करने के लिए तथा माता - पिता के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपा गई। दर्शकों की संख्या और उस पर कार्यवाही के प्रतिशत का आकलन करने के लिए गुगली शीट के माध्यम से दैनिक निगरानी की गई।

8.3 यू - ट्यूब लाइव स्ट्रीमिंग कक्षाएँ

यू - ट्यूब लाइव स्ट्रीमिंग कक्षाएँ ऑनलाइन के माध्यम से पढ़ाने का एक और वैकल्पिक तरीका है।

कक्षा । से XII तक की कक्षाओं के संव्यवहार के लिए कुल 14 यू - ट्यूब चैनल बनाए गए हैं। कक्षा वार रिकॉर्ड करने के लिए 25 स्टूडियो स्थापित किए गए। विषयवार और विषय - वार कक्षा में संव्यवहार्य कक्षा । से XII की विषयवार सामग्री को रिकॉर्ड किया गया है और यू - ट्यूब पर अपलोड किया गया बच्चे अपने अवसर समय शिक्षण अवलोकन कर सकें । कक्षा । से VIII के लिए कुल 10690 यू - ट्यूब कक्षाएँ संचालित की गई हैं और संबंधित चैनल के माध्यम से

संबंधीय लिंक साझा किया गया है। इसके बाद जागरूक माता - पिता के लिए कदम उठाए गए ताकि उनके बच्चों को यू - ट्यूब कक्षाएँ देखने में सुविधा हों।

8.4 रेडियो पाठशाला

रेडियो पाठशाला कोविड महामारी की स्थिति के दौरान वैकल्पिक शिक्षण पहल का एक अन्य तरीका है। इस पहल के तहत रिकॉर्ड किए गए पाठों को ऑलइंडिया रेडियो, कटक के माध्यम से प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा I से VIII तक की कक्षाएँ शामिल हैं। विषय वार, कक्षा वार और अध्याय वार सामग्रियों की ऑडियो रिकार्डिंग सोमवार से शुक्रवार तक आकाशवाणी, कटक केंद्र के माध्यम से की जाती है और प्रसारित भी की जाती है। यह प्रसारण कार्यक्रम स्कूल के सभी बच्चों को उनके शिक्षकों के माध्यम से की जाती है और प्रसारित भी की जाती है। यह प्रसारण कार्यक्रम स्कूल के सभी बच्चों को उनके शिक्षकों के माध्यम से किया जाता है। संबंधित राज्य से लेकर स्कूल के शिक्षक अपने संबंधित बच्चों को कार्यक्रम की सूचना देते हैं। कार्यक्रम की समयावधि रोज सुबह 11 बजे से 12 बजे तक एक घंटे तक है। इसके अलावा छात्रों और अभिभावकों के संदर्भ के लिए मॉड्यूल ई - पाठशाला के माध्यम से ओसेपा (OSEPA) पोर्टल में ऑडियो पाठ उपलब्ध कराए जाते हैं।

ऑनलाइन कक्षा के बावजूद उन बच्चों के समूह को शिक्षा सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं जिनके पास अनुपलब्ध नेटवर्क कनेक्शन या स्मार्ट फोन उपलब्ध न होने के कारण डिजिटल डिवाइस तक पहुँच नहीं है। सामुदायिक शिक्षण, वैकल्पिक इंटरनेट कार्यक्रम ऑफलाइन मोड़ में पहल की जाती है।

8.5 वैकल्पिक इंटर्नशिप कार्यक्रम (AIP)

एसएंडएमई विभाग, ओड़िशा सरकार के निर्णय के अनुसार ओड़िशा के डायट (DIET) के गुरु - छात्रों को संपूर्ण राज्य के विभिन्न स्कूलों में नियुक्त किया गया है। लगभग 10,000 इंटर्न ने अपने इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत घर - घर जाकर बच्चों को शैक्षिक सहायता दी। इस कार्यक्रम की निगरानी संबंधित सीआरसीसीएस (CRCC) और ब्लॉक के बीईओ द्वारा की गई।

8.6 सामुदायिक शिक्षण

सामुदायिक शिक्षण कक्षा I से VIII तक के छात्रों को उनके इलाके में पहुँचने के लिए शिक्षण का एक अन्य वैकल्पिक उपाय है। शिक्षण स्थल कोई सामुदायिक स्थान, भवन, ग्राम सभास्थल भी हो सकता है। उक्त गतिविधि की पूरी योजना प्रधान शिक्षक संपन्न करते हैं।

पहले प्रधान शिक्षक अपने फीडर गाँव से बच्चों की संख्या का पता लगाता है और प्रत्येक गाँव के छात्रों की संख्या को छोटे समूह यानी 5 - 10 में विभाजित कर दिया जाती है। एक शिक्षक को एक गाँव की जिम्मेदारी दी गई है। फिर माता - पिता और एसएमसी सदस्यों के परामर्श से शिक्षण के लिए उचित स्थानों की पहचान की जाती है। एक विस्तृत कार्यक्रम अनुसूची तैयार की जाती है जिसमें समय, स्थान और आवंटित शिक्षक आदि के साथ गाँव के पढ़ाए गए नाम के विषयों पर प्रकाश डाला जाता है और संदर्भ के लिए सभी संबंधीय लोगों को भेजा जाता है। ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों को ट्रैक करने के लिए मूवमेंट रजिस्टर बनाई जाती है।

9. अधिगम वृद्धि / संवंर्धनात्मक कार्यक्रम (माध्यमिक)

1. प्रस्ताव / परियोजना का नाम

अधिगम वृद्धि कार्यक्रम यानी 'उत्कर्ष' (UTKARSH) सरकार ने माध्यमिक स्कूल के कक्षा IX के छात्रों के लिए उसे कार्यान्वित किया है।

अधिगम में वृद्धि के लिए 'उत्कर्ष' कार्यक्रम के माध्यम से 9वीं कक्षा के छात्रों की मूलभूत दक्षताओं को मजबूत करके उन्हें उपयुक्त ग्रेड में रखने तथा सिखाने के उद्देश्य से मुख्य विषय ओड़िया, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान आदि विषयों को सीखने के अंतराल को पाटने में सहायता करता है। कोविड - 19 के कारण विस्तारित स्कूल बंद हो गए। तब इस कार्यक्रम की रूपरेखा को पुनः रूपाकंन किया गया। A. Y में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाया गया। 2021 - 22 में यानी 'उत्कर्ष' 'होम बेस्ड लर्णिंग इनिशिएटिव'। यह पहल 95 घंटों तक जारी रहने का कार्यक्रम है जो 10 सप्ताह से अधिक तक चलता है। इसे एस एंड एमई विभाग द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2021 - 22 के दौरान सरकारी कक्षा - 9वीं के सभी छात्रों के लिए लागू किया गया है।

इस पहल की प्रमुख विशेषताएँ :

क) छात्रों और शिक्षकों के लिए मुद्रित संसाधनों का प्रावधान

ख) संसाधन व्यक्तियों (RP) और शिक्षकों का 'उत्कर्ष' पर उन्मुखीकरण और नवीकरण ऑन - लाइन मोड से ही इसका वैकल्पिक कार्यान्वयन हुआ है।

ग) यू - ट्यूब लाइव कक्षाएँ जून 2021 में दो घंटों के लिए आयोजित की गई जिसमें रोज 04 घंटियाँ रहीं। राज्य के शिक्षा संयोग ह्वाटसएप ग्रुप का लाभ उठाते हुए एक दिन पहले छात्रों के साथ यू - ट्यूब लिंक साझा की गई।

घ) जुलाई और अगस्त, 2021 में रोज 3 मिनट के लिए यू - ट्यूब रिकॉर्डिंग कक्षाओं का प्रिमिअर किया गया। यू - ट्यूब लिंक और वर्क - शीट शिक्षा संयोग ह्वाट्सऐप ग्रुपके साथ साझा की गयी।

ङ) गुणवत्ता आश्वासन स्कूल ह्वाटसएप ग्रुप के माध्यम से हुआ।

च) अधिगम स्तर का आकलन : प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद छात्रों के सीखने के स्तर आकलन करने के लिए ऑनलाइन आधारभूत मूल्यांकन आयोजित किया गया। समाप्तिसूचक मूल्यांकन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आयोजित किया गया। बेसलाइन और एंडलाइन स्कोर की तुलना एवं विश्लेषण प्रगति मूल्यांकन किया जा रहा है।

छ) प्रशासित छात्रों की संख्या : 3,67,366 छात्र हैं।

2. बेसलाइन परीक्षा में मूल्यांकन किए गए छात्रों की भागीदारी और अधिगम स्तर :

राज्य के 30 जिलों में कक्षा III, V, VIII (बहुविकल्पीय प्रश्न) की दक्षताओं और स्तरों को निर्दिष्ट करने के लिए कक्षा X के छात्रों के लिए ऑनलाइन बेसलाइन मूल्यांकन प्रशासित है।

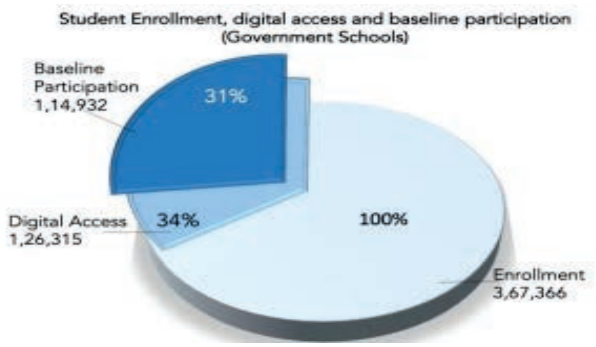

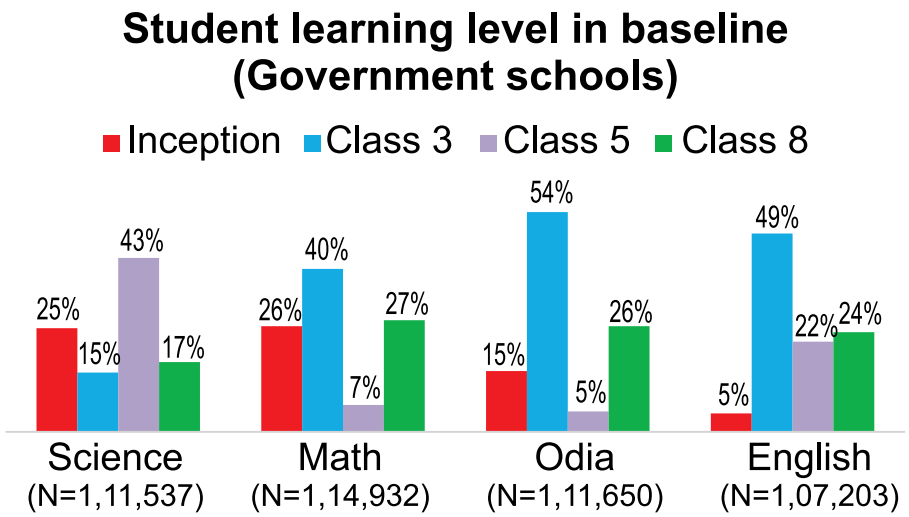

3. परिणाम :

i) बेसलाइन में अच्छी भागीदारी - 92% स्कूल (4,479) और 89% छात्र (औसत सभी विषयों में, 86% (अंग्रेजी) से 92% (गणित) तक के छात्रों के पास स्मार्टफोन और इंटरनेट है।

ii) कक्षा IX के अधिकांश छात्र सभी विषयों (ओड़िया - 74%, अंग्रेजी - 76%, गणित 73%, विज्ञान 83%) में कक्षा V की दक्षता या उससे कम है।

iii) कक्षा VIII दक्षता रखने वाले छात्र गणित में 27% सबसे अधिक उसके बाद ओड़िया में 26% अंग्रेजी में 24% और विज्ञान में सबसे कम 17% रखते हैं।

iv) जिलों का (30) विश्लेषण करने से 50% छात्र कक्षा III या उसके नीचे सभी 30 जिलों में गणित और ओड़िया में, 20 जिलों में अंग्रेजी और 13 जिलों में विज्ञान में है।

4. यू - ट्यूब पर स्ट्रीम किए गए उत्कर्ष वीडियो का ऑपटेक चार विषयों में उत्कर्ष सामग्री के दृश्य

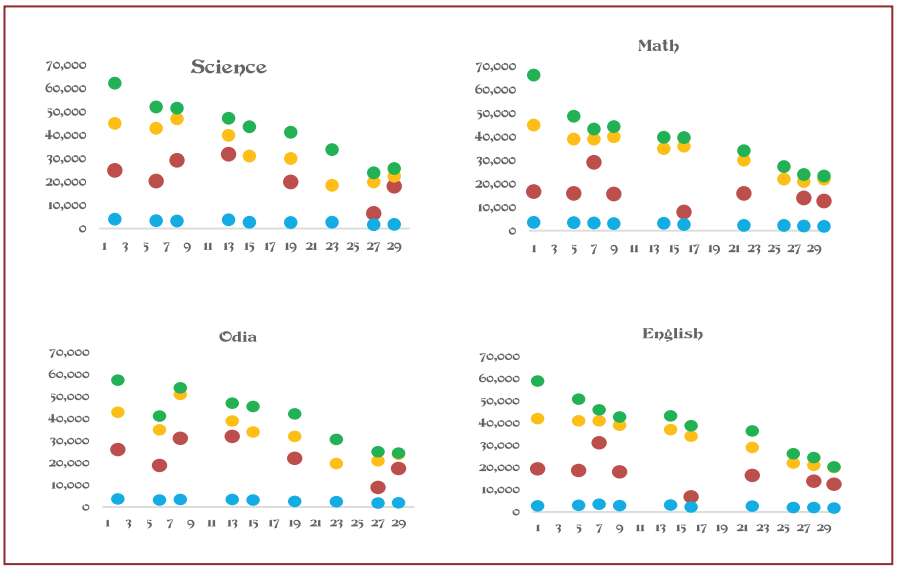

5. गुणात्मक आश्वासन

प्रेक्षण	उत्कर्ष यू-ट्यूब सत्र में योग देने के लिए शिक्षकों का छात्रों के साथ संसाधनों का स्पष्ट अनुदेश बताकर साझेदारी	शिक्षक रोजाने का काम पूर्ण करने के लिए निर्दिष्ट कार्यफर्दों की संख्या बताना।	छात्रों के पूछे गए प्रश्नों को अत्यंत ध्यान से सुनना	स्कूल के शिक्षकों द्वारा अतिरिक्त संसाधनों का विकास	छात्र उर्कष कक्षाएँ ध्यान देकर देखते - सुनते हैं या नहीं, शिक्षकों की जाँच	कार्य फर्द अपलोड करने के औसत छात्र	कार्य - फर्द में शिक्षकों का छात्रों के साथ निश्चित या समेकित की भागीदारी
1,084	94%	92%	82%	56%	93%	49%	83%

6. अच्छी प्रथाओं का पालन

- वीडियो सामग्री, डिजिटल वर्कशीट और मुद्रित वर्कशीट के प्रावधान के साथ ऑनलाइन उपचारात्मक कक्षाएँ आयोजित की गईं।
- अधिगम नुकसान को ट्रैक करने के लिए ऑनलाइन बेसलाइन, एंडलाइन और फॉरमेटिव एसेसमेंट आयोजित किए गए।
- शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को ट्रेक करने के लिए ह्वाटसऐप ग्रुप के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन पर निरगानी आयोजित की गई थी।
- इस प्रक्रिया में सामान्य त्रुटियों की पहचान और हार्ड स्पर्ट को आकलन करने के लिए कार्य - पत्रकों का मूल्यांकन किया गया था।
- उत्कर्ष यू ट्यूब सत्र में भाग लेने और संबंधित कार्य - पत्रकों को पूर्ण करने के लिए छात्रों के साथ स्पष्ट संदेशों को समयानुसार साझा किया गया।
- शिक्षकों के छात्रों के प्रश्नों की प्रतिक्रिया और वर्कशीट पर समेकित प्रतिक्रिया के साथ साझा की गई।
- छात्रों को अपने कार्य - पत्रकों को पूर्ण करने के लिए नियोजित और प्रोत्साहित किया गया।

- आतिरिक्त जरूरतों पर आधारित अधिगम के संसाधन विकसित किए गए। तत्सहित शिक्षकों द्वारा नूतन कार्यन्वयन विधियों का विकास किया गया।

उत्कर्ष गतिविधियाँ एलईपी की झलक

Resources of Learning Enhancement Programme

बेसलाइन मूल्यांकन ऑनलाइन प्रदर्शित करने वाले छात्र

Students appearing End line Assessment Offline

Students appearing Offline Assessment tests at schools

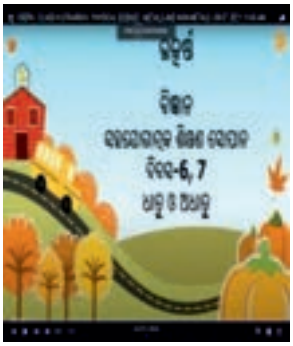

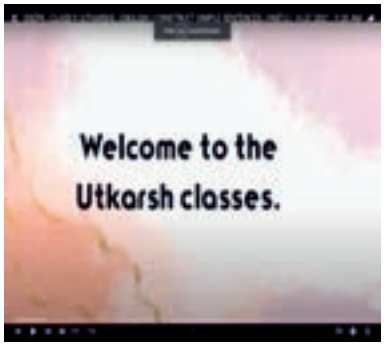

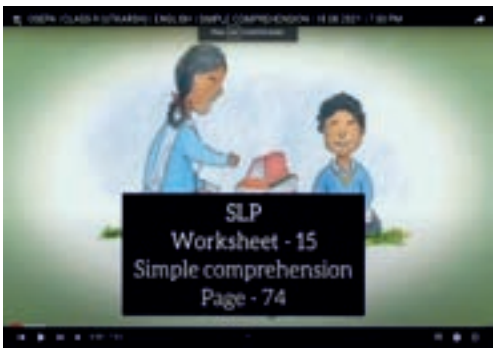

Learning videos premiered through YouTube

Nudges through Posters

10. इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता - 2021

इंटर स्कूल बैंड स्कूल बैंड प्रतियोगिता स्कूल के छात्रों के बीच एकता और देश भक्ति पैदा करने के लिए शुरू हुई है जो बैंड के साथ प्रदर्शित है। एक स्कूल बैंड विशिष्ट रूप से स्कूल में एकता, अपनापन और गर्व की गहरी भावना का प्रोत्साहित करता है। 2021 सत्र के लिए इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता वर्चुआल मोड पर आयोजित की गई थी। इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक छात्रों ने संबंधित स्कूलों में अपना माम दर्ज कराया। स्कूल में बैंड प्रतियोगिता ऑफ - लाइन मोड पर आयोजित की गई थी और इसकी रिकॉर्डिंग भी हुई थी। कैपिटल हाईस्कूल भुवनेश्वर में राज्य स्तरीय इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैपिटल हाई स्कूल में जूरी के एक पैनल द्वारा संबंधित स्कूल की वीडियो रिकार्डिंग की कल्पना और मूल्यांकन किया गया था। बैंड प्रतियोगिता में दो टीमों, लड़कों की एक टीम यानी कैपिटल हाई स्कूल, भुवनेश्वर और लड़कियों की एक टीम यानी पद्मपुर विजेता टीम को एक प्रमाण - पत्र और एक ट्रॉफी प्रदान की गई। इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की भागीदारी की तस्वीरें नीचे दी गई है :

2021 में बरगढ़ जिला, सरकारी बालिका उच्च विद्यालय, पद्मपुर की बैंड प्रतियोगिता की प्रस्तुति

2022 में कैपिटल हाई स्कूल यूनिट - 3, भुवनेश्वर, खर्द्धा में बैंड प्रतियोगिता की प्रस्तुति

खुर्द्धा सरकारी हाई स्कूल, यूनिट - 9, भुवनेश्वर, में बैंड प्रतियोगिता 2021 की प्रस्तुति

2021 को सरकारी हाई स्कूल यूनिट - 2, भुवनेश्वर, खुर्द्धा में बैंड प्रतियोगिता की प्रस्तुति

2021 में सरकारी बॉयज हाई स्कूल ICR गाँव, भुवनेश्वर खोरधा में बैंड प्रतियोगिता की प्रस्तुति

2021 में सरकारी बालिका हाई स्कूल ICR गाँव, खोरधा में बैंड प्रतियोगिता की प्रस्तुति

2021 में संबलपुर जिले के बुर्ला सरकारी विद्यालय में बैंड प्रतियागिता की प्रस्तुति

11. कला उत्सव

11.1. कला उत्सव : विरासत का परिचय

कला उत्सव स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय (MoE) भारत सरकार की एक पहल है जिसे 2015 में स्कूल की कलात्मक प्रतिभा का पोषण और प्रदर्शन करके शिक्षा में कला को बढ़ावा देने के लिए आरंभ किया गया था। शिक्षा मंत्रालय माध्यमिक स्तर के छात्रों के सौंदर्य शास्त्र और कलात्मक अनुभव के महत्व की पहचान करता है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इसकी जीवंत विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। शिक्षा के संदर्भ में कला (नृत्य, संगीत, दृश्य कला और शिल्प) की पहल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 (NCF - 2005) की सिफारिशों द्वारा निर्देशित हैं। देश की विविध सांस्कृतिक विरासत का पता लगाने, आदान - प्रदान और अनुभव करने और एक मंच बनाने के लिए एनईपी के इस दृष्टिकोण को कला उत्सव, 2021 में शामिल किया गया है। कला उत्सव 2021 का फोकस पारंपारिक लोक और शास्त्रीय कलारूपों की किसी भी शैली पर है।

प्रतियोगिताओं के लिए निम्नलिखित कला रूपों को शामिल किया गया था :

- गायन संगीत : शास्त्रीय
- गायन संगीत : पारंपारिक लोकनृत्य
- वाद्य संगीत : शास्त्रीय
- वाद्य संगीत : पारंपरिक लोक संगीत
- नृत्य : शास्त्रीय
- नृत्य : लोकनृत्य
- दृश्यकला : (2 - आयामी)
- दृश्यकला : (3 - आयामी)
- देशी खिलौने और खेल

कला उत्सव, 2021 में किसी भी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूल के IX, X, XI और XII के छात्रों ने भाग लिया।

कला उत्सव, 2021 एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा - निर्देशों के अनुसार वर्चुआल मोड पर आयोजित किया गया था। यह ब्लॉक स्तर, जिला स्तर, जोनल स्तर और राज्य स्तर पर आयोजित किया गया था। प्रतियोगिताओं के प्रदर्शन की वीडियो रिकॉर्डिंग का मूल्यांकन जिला स्तर और जोनल स्तर पर जूरी के एक पैनल द्वारा किया गया था। राज्य स्तरीय कला उत्सव छह क्षेत्रों अर्थात् बरगढ़, बालेश्वर, बलांगीर, कटक, खुर्द्धा और कोरापुट में ऑफ - लाइन मोड में किया गया था। इस प्रदर्शन का मूल्यांकन एसपीओ में हुआ था। राज्य स्तरीय कला उत्सव 2021 में 90 प्रतिभागियों का चयन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में 18 प्रतिभागियों को चयन किया गया।

कटक जिले के चिन्मय कुमार दास ने शास्त्रीय नृत्य में प्रथम, खुर्द्धा जिले के श्री स्वाधीन कुमार दास लोक नृत्य में राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बरगढ़ की कुमारी ग्रेसी निशा सिंघाल ने राष्ट्रीय स्तर के द्वितीय स्थान हासिल किया।

राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में कटक जिले के चिन्मय कुमार दास द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में अनगोल जिले के अनुस्का महाकूड द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति

राष्ट्रीय कला उत्सव 2021 में कलाहांडि जिले के ग्रेसी निशा सिंघाल द्वारा वोकल म्युजिक की प्रस्तुति

राष्ट्रीय कला उत्सव 2021 में खुर्द्धा जिले के स्वाधीन कुमार दास द्वारा लोक नृत्य प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्तरीय कला उत्सव 2021 में सुंदरगढ़ के रिसिका अग्रवाल द्वारा 2डी विजुआल आर्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय स्तर कला उस्तव 2021 में बरगढ़ जिले के दृश्य कला 2डी ईशान कुमार नंद द्वारा प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्तर कला उत्सव 2021 में कोरापुट जिला में देशी खिलौनों और खेलों पर प्रस्तुति संध्या धंगड़ा मांझी

राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में कलाहांडि जिले के श्री सत्यब्रत नियास द्वारा पारंपारिक लोक संगीत प्रस्तुत।

राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2021 में कोरापुट जिले के श्री अनंत खिला द्वारा वाद्य लोक संगीत की प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्तर कला उत्सव पर सुंदरगढ़ जिले की मिस श्रिया श्रीवास्तव द्वारा वाद्य संगीत परिवेषण

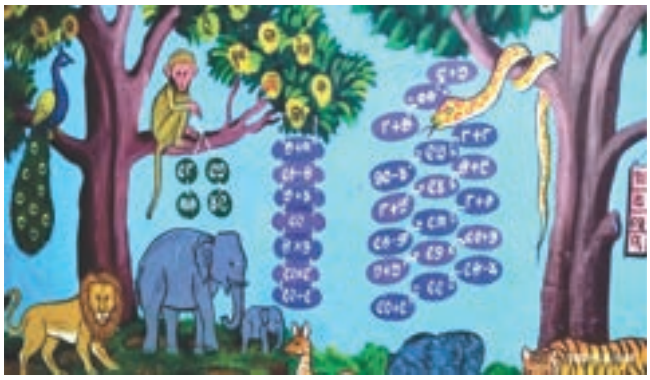

12. आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का तात्पर्य स्कूली शिक्षा के आधारभूत सोपानों के दौरान व्यापक साक्षरता और संख्यात्मक कौशलों का निर्माण करना है। नई शिक्षा नीति, 2020 इसे एक तत्काल राष्ट्रीय मिशन बनाती है। यह साझा करती है कि सार्वभौमिक आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की प्राप्ति राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता इसमें शामिल है। एफएलएन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- प्रारंभिक ग्रेड पठन, लेखन, संख्यात्मकता और समझ को मजबूत करना।
- प्राथमिक ग्रेड, लेखन, समझ और गणित को मजबूत करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए 2021 - 22 के दौरान की गई गतिविधियाँ निम्न - लिखित है :

क) संसाधन सामग्री / गतिविधि की हस्त - पुस्तिका की तैयारी

शिक्षक के लिए किसी विषय को समझने और उसके मुताबिक कक्षा शिक्षण को संचालित करने के लिए ज्ञान के स्तर को उन्नत करने के लिए प्रत्येक शिक्षक को संसाधन सामग्री, जैसे - शिक्षक पुस्तिका, गतिविधि पुस्तिका आदि प्रदान करनी चाहे। शिक्षकों के लिए चार हस्त - पुस्तिकाएँ प्रदान करनी चाहिए। शिक्षकों के लिए चार हस्त - पुस्तिकाएँ (ग्रेड । और ग्रेड ॥ के लिए) @ 2 प्रति कक्षा के तहत विकसित की गई हैं जो टीई व एससीईआरटी की निगरानी से होती है। एफएलएन सामग्री के साथ कक्षाओं को संचालन करने में शिक्षकों के लिए हस्त पुस्तिका सहायता करती है।

ख) बच्चों के लिए नवीन शिक्षण विधियों के कार्यान्वयन के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास :

ग्रेड । से ग्रेड ।।। तक प्रत्येक बच्चे की प्राथमिक शिक्षा का बुनियादी आधार स्तर है। इसे संख्या और साक्षरता के क्षेत्र में बच्चों के कौशलों को बढ़ाकर मजबूत करना चाहिए। इस संदर्भ में कार्यशाला मोड़ के जरिए सामग्री के प्रकारों का विकसित हुआ है। राज्य द्वारा एफएलएन पहल के तहत शिक्षण तथा शिक्षण सामग्री की कुल 15 किस्में विकसित हुई हैं। इन सभी सामग्रियों को एफएलएन मिशन जनादेश के अनुरूप विकसित किया गया है। इसकी सूची नीचे दृष्टव्य है : विकसित सामग्रियों का वितरण चरणबद्ध तरीके से प्रस्तुत है।

एफएलएन शिक्षण

एफएलएन मॉड्यूल और प्रशिक्षण की तैयारी

12.1 . एफएलएन (FLN) पर शिक्षकों और अन्य क्षेत्राधिकारियों का क्षमता - निर्माण :

प्रारंभिक कक्षा के बच्चों के बीच साक्षरता और संख्यात्मक कौशल को मजबूत करने के लिए राज्य भर में लगभग 50,000 समर्पित शिक्षकों का चयन हुआ है। उन्हें एफएलएन (FLN) शिक्षकों के रूप में नामित किया गया है। प्रत्येक स्कूल में समर्पित एफएलएन शिक्षकों का चयन किया गया था लेकिन स्कूल के प्राथमिक खंड की संख्यानुसार संख्या भिन्न होती है। इन समर्पित शिक्षकों की सूची राज्य और जिला स्तर पर उपलब्ध है। एफएलएन समर्पित शिक्षकों का चयन होने के समय ध्यान में रखे गए कुछ मानदंड हैं; जैसे - गतिविधि आधारित शिक्षाशास्त्र पर शिक्षकों की कौशल - पूर्णता, बच्चों की सामाजिक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति पर शिक्षकों की समझ, साक्षरता और संख्यात्मक शिक्षाशास्त्र पर शिक्षकों का ज्ञान, दक्षता और दृष्टिकोण आदि।

शिक्षकों की एफएलएन सामग्री के उपयोग पर चार - दिवसीय मॉड्यूल विकसित किया गया है। एसआरजी, सीआरसीसी, बीआरसीसी, एबीईओ, बीईओ एडीईओ और डीईओ के फील्ड स्तर पर एफएलएन कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। एक परामर्श मंडल के माध्यम से दीक्षा (DIKSHA) 180 एसआरजी 1985 डीआरजी 400 डीआईईटी संकायों और 4500 सीआरसीसी के साथ प्राथमिक भाषा, साक्षरता तथा संख्यात्मकता पर तीन सप्ताहों तक एक दीर्घ पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया था। यह पाठ्यक्रम जुलाई 2021 से सितंबर 2021 तक जारी रहा।

12.2. विद्या प्रवेश मॉड्यूल की तैयारी के लिए कार्यशाला :

विद्या प्रवेश NIPUN BHARAT भारत सरकार की एक पहल है, यानी मौलिक साक्षरता और संख्यात्मकता पर राष्ट्रीय मिशन। इसका उद्देश्य उन सभी बच्चों के विकसात्मक और अधिगम की जरूरतों को पूर्ण करना है। जो ग्रेड - । में प्रवेश करते हैं और जिनके पास कोई प्री - स्कूल अनुभव है या जिनके पास कोई पूर्व प्री - स्कूल अनुभव नहीं है या हो भी सकता है। सभी शिक्षकों को बच्चों के प्रवेश को सुगम, निडर और आनंदमय बनाने के लिए स्कूली शिक्षा में

दस्तावेज में मदद करेगा। स्कूली तैयारी कार्यक्रम को ग्रेड - 1 की शुरूआती तीन महीनों के लिए डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए सुझाव दिया गया है। इसे रोज चार घंटों के लिए किया जा सकता है। यह एक नाटक आधारित शिक्षाशास्त्र का अनुसरण करता है और विकासात्मक रूप से उपयुक्त गतिविधियों और स्थानीय खेल सामग्री के उपयोग पर जोर देते हुए अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देता है। बच्चों की वृद्धि, विकास और सीखने में माता - पिता तथा समुदाय की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए सचेत प्रयास किए गए हैं। तीन महीने के मॉड्यूल का नमूना भारत सरकार द्वारा साझा की गई है। राज्य ने राज्य की आवश्यकता के अनुसार कुछ संसाधनों के साथ इसका भाषांतर और रूपांकन किया गया है।

12.3 परियोजना प्रबंधन इकाई का गठन

बच्चों के पढ़ने और अर्थपूर्ण ढंग से समझने के लिए साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) की आवश्यकता है। तत्सहित वास्तविक जीवन में बुनियादी गणितीय कार्यों का उपयोग करने के लिए भी यह जिम्मेदार है। भारत सरकार ने कक्षा III तक सभी बच्चों में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) सुनिश्तित करने के लिए NIPUN BHARAT के तहत मिशन शुरू करने की पहल की है। मिशन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य तथा जिलों में प्रबंधन परियोजना इकाई स्थापना की गई है ताकि एफएनएल लक्ष्य को हासिल करने के लिए आरंभ की गई विभिन्न परियोजनाओं की गतिविधियों की सुविधा, कार्यान्वयन, समन्वय और निगरानी की जा सके। मासिक बैठक आयोजित की जाती है और क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर कार्यान्वयन के लिए बैठकों की टिप्पणियों पर कदम उठाए जाते हैं।

(एसपीडी, ओसेपा और निदेशकों टीई एंड एससीईआरटी की संयुक्त रूप से अध्यक्षता में एएलएन एसपीएमयू बैठक)

13. पुस्तकालय अनुदान

वाचन की आदत का महत्व

वाचन से नई बातें सीखी जाती हैं। एक व्यक्ति जितना अधिक पढ़ता है, उतना ही अधिक सीखता है। पढ़ने की आदत स्कूल में एक युवा प्रभावशाली उम्र में सबसे अच्छी तरह से होती है। लेकिन एक बार आदत हो जाने के कारण यह जीवन को स्थायी रूप में बनाए रख पाती है। समग्र संसार और उसके पर्यावरण के बारे में जानने के लिए एक बच्चा किताबें, समाचार पत्र और अन्य पत्र - पत्रिकाओं को पढ़ने के माध्यम से खुदको भी मदद करता है। एक बार जब बच्चे को पढ़ने और किताब पढ़ने के प्रति प्रेम जागृत करना सिखाया जाता है तो वह अपने लिए मानवीय अनुभव और ज्ञान के धन का पता लगा सकता है। इसलिए यह महसूस किया जाता है कि स्कूलों को विशेष रूप से चयनित पुस्तकालय से पुस्तकों का सेट प्रदान करने और शिक्षकों को इन पुस्तकों का उपयोग करने के लिए उन्मुख करना आवश्यक है। इससे कक्षा में दिन - प्रतिदिन अधिगम - शिक्षण की प्रक्रिया समृद्ध होती है।

13.1 वाचन अभ्यास बढ़ाने में स्कूल पुस्तकालय की भूमिका

प्रत्येक स्कूल में पुस्तकालय नामक इस विशेष स्थान की आवश्यकता को राष्ट्रीय पाठचर्या की रूपरेखा (NCF - 2005), बच्चों के मुड और अनिवार्य शिक्षा अधिकार का नियम 2009 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा मान्यता प्राप्त है।

पुस्तकालय स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु है। यह अवसर और फुर्सत समय बिताने की सबसे अच्छी जगह है। हमें सबसे अच्छी कंपनी प्रदान करती है, किताब। जब हम बेकार, एकांत, मुक्त और ऊब जाते हैं तब यह हमें समय बिताने के लिए खूब मदद करती है। यह वैयक्तिक और सामूहिक सीखने को बढ़ावा देता है। छात्रों की शब्दावली विकसित करने, अपनी समझ बढ़ाने, मन ही मन पढ़ने की आदत विकसित करने और छात्रों के बीच समस्या समाधान के उन्नत दृष्टिकोण विकसित करने में किताब ही मदद करती है। आज जब ज्ञान में बहुत तेजी से जबरदस्त विस्फोट होता है तब पाठ्यपुस्तकें आज के विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करती हैं और आत्म - शिक्षण कौशल को विकसित करती हैं।

13.2. पुस्तकालय गतिविधियाँ :

- प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए वाचन की समझ कौशल में सुधार लाने के लिए खजाना सुराग की खेल पद्धति का उपयोग करके आनंदमय शिक्षण की रणनीति लागू हुई है।

- महामारी के दौरान स्कूल बंद रहने के दिनों को फलदायी रूप से उपयोग करने के लिए स्वतंत्र और समूह में पढ़ने के लिए सामुदायिक शिक्षण की कक्षाओं में पुस्तकालय की किताबें वितरित की गई।
- लेखन कौशल, रचनात्मकता में सुधार करने के लिए, छात्रों को एक कहानी लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया था जो उन्होंने पहली पढ़ी थी या उसी तरह की कहानी को फिर से बनाने और कहानी कहने के सत्रों में बताने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।
- लेखन और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने के लिए छात्रों को पुस्तक की एक साहित्य समीक्षा लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- छात्रों की उनकी परियोजना कार्य के लिए पुस्तकालय में पुस्तकों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- एक समर्पित पुस्तकालय कक्ष के अभाव में पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए रीड़िंग - कर्नर कक्षा पुस्तकालय का कार्य हुआ जिससे अर्थपूर्ण अवसर का समय अतिवाहित हो सके।
- एक सप्ताह में कम से कम दो घंटियाँ पुस्तकालय संबंधी गतिविधियों के लिए समर्पित हैं।
- ई - लाईब्रेरी की कार्यप्रणाली और छात्रों द्वारा इसके उपयोग पर जोर दिया गया।

13.3 पुस्तकालय अनुदान

- लाभार्थियों / स्कूलों की संख्या - 53036
- प्रगति विवरण : चयनित प्रकाशन संस्थाओं के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। एबीटी भारत : सीआईआईएल, मैसूर; साहित्य अकादमी प्रकाशन विभाग, एमओएलबी, क्षेत्रीय प्रकाशक आदि समग्र शिक्षा अनुदान के तहत प्रावधानित निधि को पूरी तरह से उपयोग करके ओड़िशा के लक्षित स्कूलों में पुस्तकालय की किताबें खरीदी और वितरित की गईं।
- पीएबी दिशा - निर्देशों के अनुसार सरकार पब्लिसिंग हाउसेस और क्षेत्रीय/स्थानीय प्रशासक से आयु / ग्रेड की उपयुक्त पुस्तकों का चयन करने के लिए पुस्तकों का चयन समिति का गठन हुआ है।
- डिजिटाल फॉर्म, स्कूल मॉनिटरिंग एप के जरिए जिले के सभी नोडल अधिकारॉ, सभी बीईओ / सीआरसीसी/ प्रधान शिक्षकों को लेकर मॉनिटरिंग मैकानिजम हुआ।
- मुद्दे तथा दिशा - निर्देशों को संबंधित करने की रणनीतियाँ जारी हुईं। समीक्षा बैठक, कमांड कंट्रोल सेंटर का समर्थन, नोडल अधिकारियों का शारीरिक दौरा तथा जिला अधिकारियों का दौरा भी हुआ।

13.4. आनंदमय अधिगम दृष्टिकोण

- माध्यमिक विद्यालयों में ई - लाइब्रेरी प्रणासी विकसित की गई जिसके तहत कई उपकरणों पर पहुँच प्रदान करने के लिए दूरस्थ, वीडियो, ऑडियो आदि का उपयोग किया जाता है। राज्य द्वारा निर्मित और प्रदान की गई डिजिटॉल सामग्री को दूरस्थ स्थानों में इंटरनेट संयुक्त के बिना बाधा मुक्त पहुँच के लिए ई - लाइब्रेरी सिस्टम में ऑपलोड किया गया था।

Students enjoying e-library

Posters

Library Book Reading Scenario

Individual/Group Reading

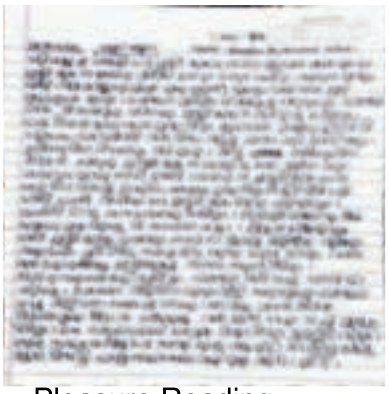
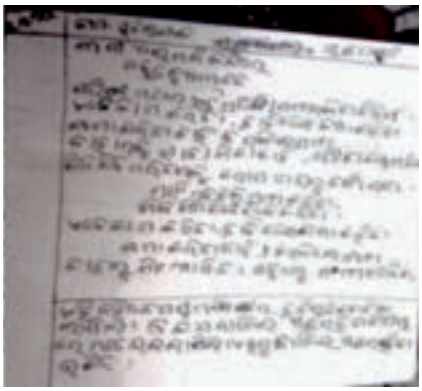

Pleasure Reading

Knowledge Exploration through Pleasure Reading

14. खेलकूद और शारीरिक शिक्षा

स्कूलों में खेलकूद से बच्चों और शैक्षिक प्रणालियों से अत्यधिक लाभ होता है। कई क्षेत्रों में बच्चों के शारीरिक, सामाजिक, संज्ञानात्मक तथा जीवन - शैली के विकास के संदर्भ में फायदा होता है। खेल - कूद में बच्चों के मौलिक आनंद - कौशल और शारीरिक दक्षताओं के विकास में विशिष्ट योगदान की क्षमता है जो बाद की जीवन - शैली और शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी के आवश्यक अग्रदूत हैं। वे भी सामाजिक कौशल, व्यवहार, आत्म - सम्मान और स्कूल समर्थ दृष्टिकोण एवं कुछ परिस्थितियों में अकादमिक और संज्ञानात्मक विकास के लिए उचित रूप से प्रस्तुत किए जाते हैं।

शारीरिक शिक्षा बच्चों के प्रति प्रेम विकसित करने में मदद करती है, मन तथा शरीर के एकीकृत विकास में योगदान देती हैं, स्वास्थ्य में एरोबिक और एनारोबिक शारीरिक गतिविधि में एक प्रकार की समझौता विकसित करती है ; सकरात्मक रूप से आत्म - विश्वास और आत्म को बढ़ाती है एवं सम्मान, सामाजिक तथा संज्ञानत्मक विकास और शैक्षणिक उपलब्धियाँ बढ़ाती हैं।

शारीरिक शिक्षा दूसरे लोगों से मिलने, संवाद करने विभिन्न सामाजिक भूमिकाएँ निभाने विशेष सामाजिक कौशल (जैसे सहनशील और दूसरों के लिए सम्मान) सीखने और सामूहिक उद्देश्यों को (सहयोग और सामंजस्य) समायोजित करने के अवसर प्रदान करती है और वह उन भावनाओं का अनुभव कराती है जो शेष जीवन में उपलब्ध नहीं है।

समग्र शिक्षा पूर्व विद्यालय से उच्च माध्यमिक स्तर तक एक एकीकृत। समग्र विद्यालय प्रणाली प्रदान करने को प्रास करती है। यह स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर बच्चों के संक्रमण की सुविधा प्रदान करेगी। यह बच्चों को स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करेगी। इस योजना का दृष्टिकोण शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करेगा। योजना का दृष्टिकोण शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुसार पूर्व स्कूल से वरिष्ठ - माध्यमिक स्तर तक समोवेशी और समान गुणवत्तावली शिक्षा सुनिश्चित करता है।

समग्र शिक्षा के तहत पहली बार खेल उपकरण के लिए वार्षिक अनुदान का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक सरकारी स्कूल को खेलकूद अनुदान के रूप में प्राथमिक, विद्यालयों के लिए 5000/- आए एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए 10.000/- रुपए इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए खेल उपकरण की खरीदी पर खर्च को पूरा करने के लिए माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए 25,000 /- रुपए दिए गए।

मालकानगिरि जिले का हॉकी टीम

15. पूर्व - विद्यालयी शिक्षा

03 से 06 वर्ष के आयु वर्ग या प्रारंभिक वर्षों में उभरने वाली सर्वांगीण क्षमताएँ स्कूल और भविष्यत के जीवन में परवर्ती सफलता के लिए पूर्वापेक्षाएँ हैं। रचनात्मक खेल, खेल विकास के दोष से उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को उनकी कार्य स्मृति शक्ति बढ़ाने अपना ध्यान केंद्रित करने और आत्म - नियंत्रण प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है।

पूर्व - स्कूली शिक्षा के उद्देश्य

1. बच्चों के व्यक्तित्व को सर्वांगीण विकास को बढ़ाना।
2. वैयक्तिक, सामाजिक, भावनात्मक, कौशल और शारीरिक स्वास्थ्य का विकास
3. रचनात्मक और सौंदर्य का विकास
4. भाषा, साक्षरता और संचार विकास
5. बच्चों को घर से विकास और प्री - स्कूल से प्राईमरी स्कूल में सुचारूरूप से संक्रमण के लिए तैयार करना।
6. बच्चों के ड्रॉप आउट की जाँच करना और भाई - बहन की देखभाल में राहत प्रदान करना।

डब्लू एंड सीडी विभाग के साथ अभिसरण बैठक

1. अंगनबाड़ी केंद्रों की कुल संख्या - 74154
2. अंगनबाड़ी कर्मियों की कुल संख्या - 74154
3. अंगनबाड़ी में नामांकित छात्रों की संख्या - 15, 00000
4. स्कूल में सह - अवस्थित अंगनबाड़ी की संख्या - 21601

प्रगति

- राज्य - स्तरीय डब्लू एंड सीडी विभाग के साथ प्रगति अभिसरण बैठक का आयोजन हुआ।
- संज्ञानात्मक पूर्वपठन (प्री - रिडिंग) और पूर्व लेखन (प्री - राइटिं) को विकसित करने के लिए स्कूली पूर्व गतिविधियों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- प्री - स्कूल किट तैयारी करने के लिए कार्यशाला।
- सह - स्थित अंगनबाड़ी केंद्रों के रख - रखाव के लिए सहायता और समर्थन।

16. बालिका शिक्षा

विकासशील देशों में महिलाओं और लड़कियों को अकसर शिक्षा के अवसरों से वंचित रखा जाता है। शिक्षा का अभाव संभावनाओं में सीमितता. पारिवारिक आय में कमी, स्वास्थ्य में अवनति, महिलाओं और लड़कियों को तस्करी और शोषण आदि जोखिम में डालने के साथ पूरे देश की आर्थिक प्रगति को सीमित करता है।

ओड़िशा में बालिका शिक्षा के मुद्दे को समानता के आयामों के संबंध में संबोधित करने की आवश्यकता है। कक्षा प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण और अकादमिक समर्थन की भी आवश्यकता होती है जो लिंग संवेदनाशील, गैर - भेदभावपूर्ण, शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीडन से मुक्त होती है।

हालांकि बच्चों के नामांकन में काफी सुधार हुआ है, लेकिन प्रतिधारण अभी भी उपलब्धि स्तर, सहकर्मी बातचीत, ज्ञान निर्माण के संदर्भ में छात्र शिक्षक संध, समुदाय का रवैया, शिक्षकों, स्कूल तक मुफ्त पहुँच, कनेक्टिंग में उपलब्ध बुनियादी ढाँचे का इष्टतम उपयोग के साथ मिलकर मुद्दा बन गया है। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कोई व्यक्ति चाहे किसी का हो, समाज के एक उत्पादक के रूप में समाज के विकास में अपनी क्षमतानुसार पूरा सहयोग प्रदान करे।

शिक्षा में लिंग आधारित भेदभाव समाज में जड़े जमाने वाली असमानताओं का एक कारण और परिणाम है। गरीबी, भौगलिक अलगाव, जातीय पृष्ठभूमि, विकलांगता, उनकी स्थिति और भूमिका के बारे में पारंपारिक रवैया आदि सभी महिलाओं और लड़कियों को अपने अधिकारों को प्रदान करने की क्षमता को कमजोर बना देते हैं। कम उम्र में शादी और गर्भावस्था, लिंग आधारित हिंसा और हानिकारक प्रथाएँ अभी भी लड़कियों को दाखिला लेने, शिक्षा पूरा करने तथा शिक्षा से लाभन्वित होने से रोक रही है। इसलिए सभी स्तरों में लिंग के एकीकरण की आवश्यकता है :

- महिलाओं की समान भागीदारी को बढ़ावा देना।
- सभी लड़कियों को सीखने के अवसर प्रदान करना।
- सभी हितधारकों के क्षमता निर्माण जो कभी भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लिंग - केंद्रित दृष्टिकोण पर शिक्षा से संबोधित है।
- उन सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ शुरू करना जो एक बालिका को शिक्षाधिकार का हनन करती है।
- शिक्षा प्रणाली को लैंगिक भेदभाव से मुक्त बनाने के लिए देश का समर्थन करें।
- हाल की रष्ट्रीय शिक्षानीति - 2020 में बालिका शिक्षा के महत्व की परिकल्पना की गई है।

16.1 आत्मरक्षा प्रशिक्षण

आत्मरक्षा, जागरूकता, मुखरता, मौखिक टकराव कौशल, सुरक्षित रणनीतियाँ और भौतिक तकनीकी का एक समूह है जो किसी भी लड़की को खतरे के खिलाफ हिंसक हमले करके अपना बचाव करने, विरोध करने और जीवित रहने में मदद करता है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण क्यों ?

समाज में उनके द्वारा सामना किए गए आत्म - अनुभवों के आधार पर उच्च प्राथमिक स्तर पर लड़कियों में आत्मविश्वास विकसित करने के लिए लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देना जरूरी है। इसमें प्रतिभागियों को अपने सम्मुख आए अप्रिय घटनाओं से कैसे खुद बचाव करें, सिखाया जाता है। आत्मरक्षा कार्यक्रम में विरोधियों को रोकने के लिए हथौड़े की मुट्ठी को सामने और नीचे की ओर घुमाने, स्ट्रेट पंचिंग, हुक पंचिंग, फिंगर जैब, पाम हील, एलबो - अपवर्ड, बैक अपवर्ड, राउंड, रिवर्स और रिवर्स बैक, पिछले पैर से घुटने का प्रहार, सामने किक, स्टंप किक - डाउन और पैरों के तलवों पर प्रहार आदि सिखाए जाते हैं।

16.2 आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र

- किसी भी प्रकार के शारीरिक हमले के दौरान लड़कियों की रक्षा करना और लड़कियों को शारीरिक और नैतिक रूप से मजबूत करना।
- किशोर लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- अपनी सुरक्षा के लिए दिन - प्रतिदिन के खतरे से निपटने के लिए आत्मरक्षा सबसे अच्छा रक्षा तंत्र है।
- आत्मरक्षा का मूल सिद्धांत शिकार बनने के जोखिम को कम करना है।

उद्देश्य

- लड़कियों में आत्म विश्वास का विकास करना।

- उसमें भय मनोविकृति को दूर करना
- एक आत्मविश्वासी और स्पष्टवादी व्यक्तित्व का विकास करना
- आत्मविश्वास के साथ चलना
- मानसिक लचीलापन : मानसिक स्वास्थ स्कूलों में एक ताजा विषय है परंतु मानसिक लचीलापन को विकसित करना एक कठिन विषय है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण, उच्च तनाव की स्थितियों से निपटने के तरीकों को संबंधित करने का एक प्रशस्त माध्यम है। संभावित खतरनाको मुंठभेड़ों से निपटने के लिए विभिन्न तकनीकियाँ के उपलब्ध हैं, जैसे कि दृश्य और श्वास। इसके अन्य लाभ भी हैं जैसे तनाव कम करना और आरामदायक नींद बढ़ाना, संज्ञानात्मक प्रदर्शन को बनाए रखना और परीक्षा परिणामों में सुधार करना आदि। यह माता - पिता, विद्यार्थियों और स्कूलों के लिए समान रूप से प्राथमिक फोकस है।

प्रशिक्षण पर परिणाम

- लड़कियों को शारीरिक योग्यता, स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक किया गया है।
- लड़कियों को अपनी राय का बचाव करने और ना कहने का अधिकार है।
- भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से हमले से निपटने के लिए तैयार करना।
- अपराधी हमलों के खिलाफ बुनियादी रक्षा तकनीकों पर जागरूकता।

16.3 2021 - 22 के दौरान आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रगति

विद्यालय स्तर पर 116900 बालिकाओं को तालीम दी जाती है कि यदि कुछ अप्रिय घटना का सामना करती हैं, तो वे खुद का बचाव कैसे करती हैं जैसे कि थप्पड़ मारना, पहले सामने की ओर नीचे की ओर, सीधे मुक्का मारना, हुक पंच करना, फिंगर जैब, हथेली की एड़ी, कोहनी को ऊपर की ओर, पीछे की ओर, गोल, रिवर्स और रिवर्स बैंक, पिछले पैर से घुटने का प्रहार, फ्रंट पैरों के सहारे विराधियों के छुटने या पिडली पर प्रहार करना, किसी के उठाए जाने पर या जमीन पर लात मारना आदि। इसी उद्देश्य से 58. 45 लाख खर्च किए गए हैं।

क्र.सं	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	
1	जिला	पीएचवाय(स्कूल)
	30	116900

16.4. मुफ्त यूनिफॉर्म

सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाली सारी लड़कियाँ और एससी/एसटी/बीपीएल परिवार के बच्चों को आठवीं कक्षा तक वार्षिक 600 रुपए में दो सेट स्कूल पोशाकें प्रदान की जाती है।

2. कार्यान्वयन के तौरतरीके और औचित्य :

- वितरण में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एसएमसी द्वारा स्कूल यूनिफॉर्म वितरण।

3. अपेक्षित परिणाम
   - प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारणा दर में सुधार।
   - प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर तक जीईआर और एनईआर में वृद्धि।
4. प्रमुख प्रदर्शन सांकेतक :
   - स्कूल यूनिफॉर्म प्रदान करने वाले छात्रों के प्रतिशत में वृद्धि हुई है।
5. परियोजना की निगरानी :
   - एसएमसी, बीईओ, डीईओ, डीपीसी और लैंगिक समन्वयक द्वारा
   - ब्लॉक/ जिला/ राज्य/ नोडल अधिकारी एवं कलेक्टर नियमित रूप से यूनिफोर्म की निगरानी कर रहे हैं।

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना 2004 अगस्त को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई।

लोकतंत्र में सामाजिक रूप से जागरूक और साक्षर समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आजादी के बाद से निरक्षरता का उन्मुलन भारत सरकार की प्रमुख राष्ट्रीय चिंताओं में से एक रहा है। उच्च प्राथमिक विद्यालय में कुल ड्रॉपआउट लड़कियों, लिंग असमानता और साक्षरता में क्षत्रिय असमानता के मुद्दों को संबंधित करने के लिए विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक से संबंधित लड़कियों के लिए शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में जहाँ महिला साक्षरता राष्ट्रीय औसत से नीचे हैं और साक्षरता में लिंग अंतर से अधिक है। "कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय" मूल रूप से उच्च प्राथमिक स्तर पर लड़कियों को शैक्षिक विकास देने का एक कार्यक्रम है।"कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय" कार्यक्रम उच्च प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं के शैक्षिक विकास के लिए किया गया। केजीबीवि का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बोडिंग - लजिंग सुविधाओं के साथ आवासीय विद्यालय स्थापित करके समाज के वंचित समूहों की लड़कियों तक पहुँच और गुणवत्ता को सुनिश्चित करना है।

- वंचित लड़कियों तक पहुँच को सुनिष्चित करना।

- केजीबीवि में नामांकित सभी लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- विद्यालय के वातावरण को बालिका हित के लिए बनाना।
- लड़कियों की शिक्षा के प्रबंधन और सुधार में समुदाय की भागीदार है।

17. हिताधिकारी

- ड्रॉपआउट/स्कूल से बाहर/किशोरी लड़कियाँ जो उच्च प्राथमिक शिक्षा पूरी करने में असमर्थ थीं।

- कठिन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों से संबंधित लड़कियाँ।
- बीपीएल वर्ग से संबंधित लड़कियाँ।
- एकल माता - पिता/अनाथ/ सीडब्लूएसएन से संबंधित लड़कियाँ

संचालन :

मॉड्यूल III के अनुसार 23 जिलों में कुल 182 केजीबीवि कार्य कर रहा है।

22 जिलों में केजीबीवि सहित 181 ब्लॉक और मुस्लिम अल्पसंख्यक क्षेत्र यानी भद्रक में 01.

17. 1 नामांकन :

इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय की कुल 3250 वंचित लड़कियों को लाभान्वित किया गया है। केजीबीवि के नामांकितों का श्रेणीवार विवरण निम्नलिखित है :

ओड़िशा में 182 केजीबीवि (टाइप II और III) के नामांकन की स्थिति			
क्र.सं	जिलों के नाम	केजीबीवि की संख्या	नामांकन 2020 - 21
1	अनगोल	2	300
2	बालेश्वर	3	450
3	बरगढ़	4	600
4	भद्रक	1	150
5	बंलांगीर	13	2600
6	बौद	3	450
7	देवघर	2	300
8	ढैंकानाल	1	200
9	गजपति	7	1400
10	गंजाम	17	2550
11	जाजपुर	2	300
12	कलाहांडि	13	2700
13	कंधमाल	11	2200
14	केंउझर	10	1500
15	कोरापुट	14	2800
16	मालकानगिरि	7	1450
17	मयूरभंज	26	3900
18	नवरंगपुर	11	2200
19	नुआपड़ा	5	1000

20	रायगड़ा	11	2250
21	संबंलपुर	3	450
22	सोनपुर	6	900
23	सुंदरगढ़	10	1500
	कुल	182	32150

17.2 प्रतिभागियों को मिलने वाली सुविधएँ

- प्रत्येक बच्चों को 2 जोड़ा यूनिफर्म, 2 जोड़ी आंतरिक पोशाकें. 2 जोड़ी दैनिक उपयोग की यूनिफर्म, चप्पल, जूता, स्कूल बैग, आवश्यकतानुसार सैनियर नैपकिन प्रदान किए गए हैं।
- नामांकित बालिकाओं को 100 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।
- सभी छात्राओं को निःशुक्ल पाठ्य पुस्तक के साथ - साथ बांदियों को शैक्षिक स्चटेशनरी सामग्री भी उपलब्ध करायी गयी है।

17.3 स्वास्थ्य और पोषण

- सभी केजीबीवि में खाद्य समिति का गठन किया जाता है और कैदियों को निर्धारित मैनू चार्ट के अनुसार भोजन परोसा जाता है।
- प्रत्येक केजीबीवि में खाद्य मंत्री का चयन किया गया है। उन्हें स्वच्छता अभ्यास, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और पोषण, भोजन की गुणवत्ता आदि पर प्रशिक्षण दिया गया है।

17.4. केजीबीवि में प्रवेश उत्सव

बोर्डरों के द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ

- सभी केजीबीवि में जीवन कौशल कार्यक्रम आयोजित किया गया है।
- कुछ केजीबीवि (KGBV) छात्रावासों में वार्षिक उत्सव मनाया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन किए गए जहाँ अंतेवासियों ने भाग लिया और उत्सव को सफल बनाया।
- केजीबीवि (KGBV) के सभी छात्रों के लिए नियमित मूल्यांकन अभ्यास / यूनिट टेस्ट भी आयोजित किया जाता है। साथ ही हर सुबह - शाम को उपचारात्मक शिक्षण भी आयोजित हुआ है।
- कहानियों, कविताओं, पेंटिंग सहित साप्ताहिक प्रदर्शन के बोर्ड की तैयारी
- वार्षिक समाचार - पत्र का प्रकाशन
- संस्था का दौरा और रिपोर्ट लिखना।
- केजीबीवियों के मध्य फुटबॉल, कबड़ी और खो - खो टूर्नामेंट का आयोजन करना।
- रिपोर्टिंग और समाचार संग्रह कौशल कार्यक्रम।
- अभिवादन कार्ड और राखी आदि की तैयारी।
- शिक्षक - छात्र सभा और साप्ताहिक डिस्प्ले बोर्ड प्रदर्शन।
- डिस्प्ले बोर्ड के संसाधन पर चर्चा और प्रतियोगता।
- साप्ताहिक निबंध/ आवेदन - पत्र / पत्र लेखन
- वोकाब्यूलारी विकास के लिए सापाताहिक शब्द प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियाँ
- रिपोर्ट लेखन
- साप्ताहिक सह - पाठ्येतर प्रतियोगिता

- सामूहिक चर्चा, साक्षात्कार
- टी एल एम (TLM) की तैयारी
- कुइज प्रतियोगिता
- मानचित्र अंकन और पठन

17.5. वृत्तिगत / विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण

- वृत्तिगत गतिविधियाँ, जैसे - बोबाई कार्य, फिनाइल /अगरबत्ती /साबून की तैयारी, पुस्तक /फोटो वाइंडिंग, कंप्यूटर शिक्षण, टाइप अभ्यास, सिलाई, राखी /बधाई कार्ड /कैलेंडर तैयार करना, झाड़ू बनाना, बांस का काम, पत्ती सिलाई, अगरवत्ती तैयारी आदि।
- जीवन कौशल गतिविधियाँ जैसे कराटे, गीत, चित्रांकन, दीवार पेंटिंग, क्ले - मॉडल, रेत कला आदि कार्य।
- अंतेवासियों को योग, मार्शल कला और आत्मरक्षा पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

केजीबीवि में वृत्तिगत गतिविधियाँ

17.6 खेल - कूद

- केजीबीवि (KGBV) में नियमित रूप से विभिन्न सह पाठ्यक्रम गतिविधियों / पाठ्येतर गतिविधियाँ का आयोजन किया गया। कुल लड़कियों ने इस प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में बढ़ - चढ़ कर भाग लिया। समय - समय पर ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर खेल का आयोजन किया गया।
- मास्टर ट्रेनर द्वारा बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान।

17.7. स्वास्थ्य और सफाई

- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में निकटतम पीएचसी के डॉक्टर द्वारा साप्ताहिक स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया गया है। इसी उद्देश्य से स्वास्थ्य / दवा रजिस्टर भी रखी गयी है।
- किशोरों और लिंग मुद्दों, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता पर अंतेवासियों को परामर्श।
- बीमार छात्राओं के लिए निःशुल्क दवाइयाँ।
- अंतेवासियों को सेनेटरी पैड़ की व्यवस्था करना और उन्हें सैनिटरी पैड़ के उपयोग के लिए प्रेरित करना।

17.8 स्वास्थ्य परीक्षण

लड़कियों की सलामति और सुरक्षा के लिए रणनीतियाँ

- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में एक वार्डन (महिला) को नियुक्ति मिली है। वह 24 घंटे केजीबीवि (KGBV) में लड़कियों के साथ रह रही है।
- केजीबीविओं (KGBVs) में विशेषतः महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी।
- केजीबीवि (KGBV) में रात को पहरा देने के लिए चौकीदार की नियुक्ति की गयी है।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में वार्डन द्वारा प्रत्येक लड़की की व्यक्तिगत प्रोफाइल का रखरखाव किया जाना चाहिए।
- वार्डन और महिला कर्मचारियों के गैर - हाजिरी में किसी भी पुरुष को केजीबीवि (KGBV) में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।
- बालिकाओं को अकेला घर जाना मना है।
- शाम के बाद कोई भी लड़की को बाहर जाना मना है।
- हर लड़की को फोटो - पहचान - पत्र प्रदान किया गया है।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में होम गोइंग रजिस्टर, विजिटिंग रजिस्टर का रखरखाव किया गया है।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में टाइम कैलेंडर अच्छी तरह से बनाया जाता है।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में भोजन मेनू बनाया गया है।
- परामर्श और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए कदम उठाए गए हैं।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) में आत्म - रक्षा प्रशिक्षण दिया गया है।
- महिला कर्मचारियों द्वारा सह - पाठ्यक्रम कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।
- सभी केजीबीवि (KGBV) की लड़कियों के लिए छात्र - वीमा किया गया है।
- स्कूल मंत्रीमंडल का गठन और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में उन्मुख किया गया है।
- बालिकाओं को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराना। इसके अतिरिक्त शिकायत निवारण के माध्यम से विशेष कदम उठाए गए हैं।
- केजीबीवि (KGBV) को मजबूत चहारदीवारी द्वारा सुरक्षित किया गया है।

वाच पोष्ट के साथ केजीबीवि में 24 घंटों तक उच्च बाउंड्री के साथ बिजली की सुविधा

- शौचालय और स्नानागार की सुविधा, सुरक्षित दरवाजे के साथ बिजली, पानी की सुविधा और कूड़ेदान भी प्रदान किए गए हैं।
- उचित रोशनी की व्यवस्था से वातावरण और पर्यावरण अनुकूल हो पाया है।
- केजीबीवि (KGBV) भवन में अर्थिंग की सुविधा है।
- जीवन कौशल शिक्षा के माध्यम से लड़कियों और कर्मचारियों को लिंग और किशोर जनित मुद्दों पर उन्मुख किया जा रहा है।
- केजीबीवि (KGBV) के किसी भी पुरुष अधिकार को लड़कियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले छात्रावासों के शौचालयों को उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- लड़कियों को गुड़ टच और बैड़ टच के बारे में संवेदनशील बनाना और जीवन कौशल शिक्षा द्वारा बैड़ टच पर आवाज उठाने को प्रोत्साहित किया गया है।
- बालिकाओं के लिए शौचालय और सैनिटरी नैपकिन का प्रावधान किया गया है। बालिकाओं को उसके प्रयोग के बारे में उन्मुख किया जा रहा है।
- बालिकाओं के सामान्य स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाई रखी जाती है।
- प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) के निकटतम सरकारी पीएचसी/ सीएचसी के डॉक्टर द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य की जाँच की जाती है।
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य रेजिस्टर बनाई गई है।
- स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कर्मियों के द्वारा मासिक स्वास्थ्य और स्वच्छता परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- स्वच्छता की आदत को मजबूत बनाने के लिए बालिकाओं के बीच समिति का गठन किया गया है।
- वार्डन द्वारा मासिक और वजन करवाकर चार्ट की आपूर्त्ति करवाई गई है।
- NRHM के साथ मिलकर मच्छरदान की आपूर्त्ति की गई।
- हैंडवस और शौचालय साबून प्रदान किए जा रहे हैं।
- NHM के स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सभी केजीबीवि (KGBV) अधिकार में हैं।

18. समानता के लिए विशेष परियोजना

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों के लिए शिक्षा

ओड़िशा में मातृभाषा पर आधारित बहुभाषी शिक्षा (MLE)

प्रारंभिक स्तर पर आदिवासी बच्चों के बीच भाषा के मुद्दों को संबोधित करने के लिए मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम राज्य के 17 जिलों में 21 आदिवासी भाषाओं में लागू किया गया है।

बहुभाषी शिक्षा (MLE) चंचित आदिवासी बच्चों को उनकी प्राथमिक कक्षाओं के शुरूआती वर्षों में मातृभाषा का उपयोग करने के लिए संबोधित करना है और धीरे - धीरे अपनी मातृभाषा (L1) से राज्य भाषा (L2) और फिर राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय भाषा (L3) में स्थानांतरण करना है। बहुभाषी शिक्षा (MLE) सर्वप्रथम पहली भाषा पर जोर देता है।

बहुभाषी शिक्षा (MLE) ने निम्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला है

- पहली भाषा (मातृभाषा) में एक मजबूत शैक्षिक आधार।
- एक या अधिक अतिरिक्त भाषा (राज्य और राष्ट्रीय भाषा) के लिए सफल सेतु।
- दोनों/ सभी भाषाओं के उपयोग को जीवन भर प्रयोग के उपयोग करना।

माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य जनजातीय सलाहकार समिति की सिफारिश के बाद, राज्य ने अभिनव मॉडल के रूप में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा (MT आधारित MLE) कार्यक्रम शुरू किया।

गुणवत्ता और समानता के मुद्दों को प्रभावित करने में कक्षाओं में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, आरसीएफसीई (RCFCE) अधिनियम, 2009 ने धारा 29 (2) की तहत जहाँ तक संभव हो शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग पर जोर दिया है।

- 17 आदिवासी जिला यानी अनगोल, बालेश्वर, गजपति, कंधमाल, कलांहाड़ि, कोरापुट, केंउझर, मालकानगिरि, मयूरभंज, नवरंगपुर, नूआपड़ा, रायगड़ा, संबलपुर और सुंदरगढ़ आदि में एमएलई कार्यक्रम चालू है।
- 1483 एमएलई स्कूल में कुल 105446 एसटी (ST) बच्चे पढ़ रहे हैं।
- मातृभाषा में शिक्षा देने के लिए 3234 शिक्षकों (शिक्षा सहायक) और 222 भाषा प्रशिक्षकों/ शिक्षा स्वयंसहायकों को नियुक्त किया गया है।
- प्राथमिक कक्षाओं के लिए 21 आदिवासी भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें और पूरक पठन सामग्री विकसित की गई है।

18.3. आदिवासी शिक्षा संसाधन केंद्र

राज्य के एमएलई जिलों में स्वदेशी जनजातीय संसाधनों के आधार पर प्रसार के लिए आदिवासी संसाधन केंद्र (TRCs) स्थापित किए गए हैं। संसाधन केंद्र का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, माता - पिता और समुदाय के सदस्यों को उनकी जनजातियों, संस्कृति, परंपरा, जीवन - शैली, साहित्य, भाषा आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए मदद करना है। जनजातीय संसाधन केंद्र (TRC) में पाठ्य पुस्तकें, पूरक पठन सामग्री, प्रशिक्षण मैनुअल, संदर्भ पुस्तकें, टीएलएम, कहानियाँ, कविताएँ, विभिन्न सांस्कृतिक वस्तुएँ, सामुदायिक संसाधन, प्रख्यात आदिवासी नेताओं / स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो, मॉडल, डिस्प्ले - बोर्ड आदि ज्ञान से जोड़कर बच्चों की शिक्षा के लिए रखे गए हैं जो स्कूल पाठ्यक्रम से संबंधित है। भविष्य के संदर्भ के लिए सामुदायिक ज्ञान को संरक्षित करने के लिए सभी संसाधन सामग्री को (टीआरसी) TRC में संगृहीत किया गया है।

उपलब्धियाँ 2021 - 22

क्र.संख्या	गतिविधियाँ	लक्ष्य	गतिविधियाँ
		शारीरिक	शारीरिक
1.1	आदिवासी शिक्षा संसाधन केंद्र को मजबूत करना	17	17
1.2	एमएलई विद्यालयों में जनजातीय शिक्षा संसाधन केंद्रों की स्थापना	1485	1485
	कुल हिस्सेदारी	1485	1485

18.1. एमएलई का उद्देश्य

- प्रारंभिक वर्षों (प्राथमिक कक्षाओं) में मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी बच्चों को प्रणालीगत शिक्षा से परिचित कराना और धीरे - धीरे अपनी मातृभाषा (L1) से राज्य भाषा (L2) और फिर राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय भाषा (L3) में स्थानांतरण करना।
- प्राथमिक स्तर पर भाषा की बाधा को दूर करके एमएलई की शुरूआत के माध्यम से बच्चे को शिक्षा के लिए तैयार करना।
- प्रारंभिक कक्षाओं में अपनी मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी छात्रों के पढ़ने और लिखने के कौशल और सीखने में सुधार करना।
- ब्रिजिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर बच्चे को मुख्यधारा में लाने के लिए ओड़िया भाषा का परिचय देना।
- आदिवासी बच्चों में उनकी भाषा और संस्कृति के लिए प्रशंसा और सामाजिक सम्मान की भावना विकसित करना।

18.2. कवरेज

मातृभाषा में शिक्षा की शुरूआत के माध्यम से औपचारिक शिक्षा के लिए बच्चे को तैयार करने और प्राथमिक स्तर पर भाषा अवरोध को मिटाने के लिए राज्य में 2007 - 2008 से एमएलई कार्यक्रम शुरू किया गया है।

- ओड़िशा के लिए एमएलई नीति और कार्यान्वयन दिशानिर्देश को सरकार द्वारा अधिसूचित संख्या 14118 दिनांक 01.07.2014 क अनुमोदित किया गया है।
- एमएलई कार्यक्रम 21 आदिवासी भाषाओं अर्थात् संताली, सौरा, कोया, कई, कुवी, किशन, ओरम, मुंडा, जुआंग, बोंडा, गदाबा, हो, गोंडी, परोजा, खरिआ, दीदाई, पौड़ी, भूयाँ, भूतिआ, भात्रा और भुंजिया भाषा में प्राथमिक शिक्षा शामिल है।

19. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

समग्र शिक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक बच्चे को, चाहे किसी भी प्रकार की श्रेणी और विकलांगता की डिग्री हो, सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है। इसलिए शून्य अस्वीकृति नीति अपनाई गई है। अर्थात् विशेष आवश्यकता वाले किसी भी बच्चे को उसके शिक्षाधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

समग्र शिक्षा का लक्ष्य 6-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षाधिकार अधिनियम, 2009 द्वारा सुगम बनाया गया है। RTE अधिनियम में निम्नलिखित का उल्लेख है -

6 - 18 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को पास के स्कूल में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार होगा और कोई भी बच्चा किसी भी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे या उसके प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और पूरा करने में मदद करेगा। विकलांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित विकलांगता से पीड़ित बच्चे को सरकारी स्कूलों में विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार होगा।

- विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम - 2016, जो मौजूदा विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 1995 की जगह लेता है, जहाँ सभी प्रकार की अक्षमताओं को मौजूदा 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है। और केंद्र सरकार के पास अधिक प्रकार की अक्षमताओं को जोड़ने की शक्ति होगी।

21 प्रकार की अक्षमताएँ हैं : 1) अंधापन, 2) कम दृष्टि, 3) बहरापन (बधिर और सुनने में कठिन), 4) भाषण और भाषा विकलांगता, 5) चलन अक्षमता, 6) मानसिक बीमारी, 7) विशिष्ट सीखने की अक्षमता, 8) सेरेब्रल पाल्सी, 9) ऑट्रिज्म स्पेक्ट्रम विकार, 10) बहरे अंधेपन सहित कई विकलांगताएँ, 11) कुष्ठ रोग, 12) बौनापन, 13) बौद्धिक विकलांगता, 14) मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, 15) क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियाँ, 16) मल्टीपल स्केलेरोसिस, 17) थैलोसीमिया, 18) हीमोफिलिया, 19) सिकल सेल बीमारी, 20) एसिड अटैक सर्वाइवर और 21) पार्किन्स बीमारी।

समग्र शिक्षा के नियमों के अनुसार 3500 रुपए प्रति बच्चे के लिए हर साल विशेष प्रस्तावानुसार विकलांग बच्चों के एकीकरण के लिए खर्च किया जाएगा। 2021 - 22 वर्ष में जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ की गई हैं और प्रमुख गतिविधियाँ नियमानुसार प्रस्तुत की गई हैं :

19.1. 2021 - 22 के दौरान समावेशी शिक्षा गतिविधियों की प्रगति

क्र.सं	गतिविधियों का नाम	2021 - 22 के दौरान प्रगति
1	पहचान और नामांकन	सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों में
		74561(प्राथमिक) और 14461 (माध्यमिक और उच्च विद्यालय) कुल 89022 सीडब्लूएसेम ने नामांकन किए हैं।
2	सहायता और उपकरणों का वितरण	299 चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए हैं और 12741 सीडब्लूएसएन को सहायक उपकरण/ उपकरण वितरण किए गए।
3	माता - पिता का अभिविन्यास प्रशिक्षण	35854 माता - पिता को आईई पर अभिविन्यास प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
4	ब्रेल किताबें	1885 सेट ब्रेल किताबें अंधे छात्रों में प्रदान की गईं।
5	बड़ी प्रिंट क्ताबें	कम दृष्टि वाले छात्रों को 4574 बड़ी प्रिंट किताबें बाँटी गईं।
6	अनुरक्षण भत्ता	प्राथमिक के 10322 छात्र और 3026 माध्यमिक विद्यालयों के छोत्रों को अनुरक्ष भत्ता प्रदान की गई।
7	परिवहन भत्ता	प्राथमिक विद्यालय के 12993 छात्रों और माध्यमिक के 6189 छात्रों को परिवहन भत्ता प्रदान किया गया।
8	सीड्लूएसएन बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति	प्राथमिक विद्यालय के 12150 छात्राओं और माध्यमिक के 4632 छात्राओं को स्टाइपेंट प्रदान किया गया।।
9	पाठक भत्ता	प्राथमिक विद्यालय के 484 छात्रों और माध्यमिक के 228 छात्रों को पाठक भत्ता प्रदान की गई।
10	चिकित्सा सेवा	15639 सीडब्लूएसएन को फिजीओथेरापी, ओक्यूपेसनल थेरापी, स्पीच थेरापी और ब्रेल प्रशिक्षण दिया गया।
11	कम दृष्टिवाधित डिवाइस, आईसीटी डिवाइस और टीएलएम किट का वितरण	6563 सीडब्लूएसएन में कम दृष्टि डिवाइस, आईसीटी डिवाइस और टीएलएम कीट बांटे गए।
12	खेलकूद प्रतियोगिता	30 जिलों में सीडब्लूएसएन के लिए क्रीड़ा

		प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
13	समावेशी शिक्षा स्वयंसेवक	राज्य सरकार के बजट के माध्यम से जीपी स्तर पर काम कर रहे शारीरिक रूप से विकलांग आई स्वयंसेवकों ने सीडब्लूएसएन को सहायता सेवाएँ प्रदान की।
14	सीडब्लूएसएन के लिए ब्लॉक संसाधन व्यक्ति	सीडब्लूएसएन को सहायता प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर 632 ब्लॉक रिसोर्स पर्सन काम कर रहे हैं।
15	पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम	पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम निधि से ब्लॉक स्तर पर विकलांगों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया गया है।

19.2. उपरोक्त गतिविधियों के अलावा निम्नलिखित गतिविधियों को भी कार्यान्वित किया गया है :

- शिक्षा सुरभि - कक्षा I से V तक के सीडब्लूएसएन के लिए ऑडिओ पाठ रेडियो सुरभि कार्यक्रम सामुदायिक रेडियो के सहयोग से विकसित किया गया है।
- उद्यम (UDYAM) - गणित, ईवीएस और भाषा के लिए साइटसेवर्स के सहयोग से कक्षा I से V तक के सीडब्लूएसएन के लिए कक्षा लेन - देन मॉड्यूल विकसित किया गया। सभी प्राथमिक विद्यालयों को मुद्रित पुस्तकें आपूर्त्ति की गईं।
- स्कूल स्तर पर CWSN के लिए NCERT स्क्रीनिंग चेकलिस्ट ओड़िया में मुद्रित करके स्कूल स्तर पर वितरित की गयी है।

19.3 चिकित्सा मूल्यांकन शिविर

प्रत्येक वर्ष डॉक्टरों की एक टीम द्वारा विभिन्न प्रकार के CWSN के मूल्यांकन के लिए ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किया जाता, ताकि उनकी विकलांगता के प्रकार और डिग्री का पता लगाया जा सके। ब्लॉक स्तर पर ये सब इसलिए आयोजित किए जाते हैं, ताकि CWSN को आवश्यक सहायता मिले और उपकरण के साथ उनके सर्जिकल सुधार की पहचान की जा सके। सामाजिक सुरक्षा और विकलांग व्यक्तियों के विकलांगता विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, मेडिकल कॉलेज, कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NMM), स्वामी विवेकानंद इंस्टिच्यूशन पुनर्वास प्रशिक्षण और शोध जिला विकलांगता केंद्र आदि को इसी उद्देश्य से अभिसारण किया गया है।

(नेत्र जाँच शिविर)

(चिकित्सा मूल्यांकन शिविर)

19.4 सीडब्लूएसएन (CWSN) के लिए एड्स और उपकरणों का प्रावधान :

कक्षा I से XII की सभी श्रेणियों की पहचान की गई। सीडब्लूएसएन (CWSN) को हर साल आवश्यकतानुसार सहायता और उपकरण, सामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) वितरित की जा रही है। इसमें ब्रेल किट, जीएलएम किट, लो विजन डिवाइस, सीपी चेयर, चश्मा और आईसीटी डिवाइस शामिल हैं, जो विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और एजेंसियों जैसे : DBCs, ALIMCO, SVNIRTAR, DDRCs, RBSK, सुनेत्र, सेवरसाइट और NGO आदि हैं।

(सहायक सामग्री और उपकरणों का वितरण)

(सहायक सामग्री और उपकरण का वितरण)

19.5. भाषण चिकित्सा शिविर

समावेशी शिक्षा के तहत भाषण चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम एक नियमित गतिविधि है। कक्षा I से XII तक के एचआई और एसआई बच्चों को उनके माता - पिता के साथ जिला स्तर पर उपलब्ध एनएचएम (NHM) और एसएसईजीडी (SSEPD) विभाग के ब्लॉक स्तर, जिला संसाधन केंद्र और DEIC और DDRC में स्पीच थेरापी की सुविधा प्रदान की जा रही है।

(भाषण चिकित्सा शिविर)

(भाषण चिकित्सा शिविर)

19.6 फिजिओथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा शिविर :

कक्षा I से XII तक के सीपी, एम.डी.पी, ओ.एच और आई.डी के बच्चों के जिला / ब्लॉक स्तर पर फिजिओथेरापी एवं व्यावसायिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विकलांग बच्चे और उनके माता - पिताओं को जिला / ब्लॉक स्तर पर NHM के DEIC और DDRC के SSEPD द्वारा आयोजित शिविर में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। माता - पिता और विकलांग बच्चों को जिला स्तर पर आवासीय मोड में 5 - 7 दिनों के लिए डीईआईसी, डीडीआरसी के प्रशिक्षण फिजिओथेरेपिस्ट द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(फिजिओथेरेपि शिविर)

(फिजिओथेरेपि शिविर)

19.7 CWSN के अभिभावकों का प्रशिक्षण

ब्लॉक स्तर पर सभी प्रकार के विकलांग बच्चों के अभिभावकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षण में CWSN के माता - पिता को CWSN की शिक्षा, सरकार से उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं और रियासतों के प्रति माता - पिता की भूमिकाओं, सरकार और NGO संस्थाओं, पहचान, मूल्यांकन, रैफरेल सेवाएं, सर्जिकल सुधार, सहायता और उपकरण के उपयोग आदि पर प्रशिक्षण दिया गया है।

(अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम)

(अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम)

19.8. ब्लॉक संसाधन व्यक्ति के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (CWSN)

ब्लॉक स्तर पर कार्यरत ब्लॉक ससाधन व्यक्ति CWSN के क्षमता निर्माण हेतु जिला अथवा अंतर जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

(BRP (CWSN) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम)

(BRP (CWSN) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम)

19.9 ब्रेल पुस्तकों और बड़ी प्रिंट वाली पुस्तकों वाली पुस्तकों का प्रावधान

रेड क्रॉस कंप्टूटर कृत ब्रेल प्रेस, ब्रह्मपुर के अभिसारण में कक्षा । से X तक के दृष्टिबाधित छात्रों को हर साल ब्रेल पुस्तकों और बड़ी प्रिंट वाली पुस्तकों की आपूर्त्ति की जाती है। कम दृष्टि वाले छात्रों को बड़ी प्रिंट की किताबें भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

(बड़ी मुद्रित पुस्तकों का वितरण)

(ब्रेल पुस्तकों का वितरण)

19. 10. CWSN के लिए क्रीड़ा और सांस्कृतिक मिलन

CWSN के लिए उनकी छिपी क्षमता की पहचान करने और उन्हें अपनी पाठ्येतर गतिविधियों को ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करने को खेल और सांस्कृतिक मिलन का आयोजन किया जा रहा है।

19.11. नेत्रहीन छात्रों के लिए ब्रेल और गतिशीलता का प्रशिक्षण :

कक्षा I से XII तक नेत्रहीन छात्रों के लिए उनके माता - पिता के साथ जिला / ब्लॉक स्तर पर ब्रेल और गतिशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

(ब्रेल प्रशिक्षण कार्यक्रम)

(गतिशीलता का प्रशिक्षण कार्यक्रम)

(ब्रेल अभ्यास कार्यक्रम)

कम दृष्टि आकलन, कम दृष्टि उपकरणों के वितरण, आईसीटी उपकरणों के लिए साइटसेवर के साथ सहयोग कार्यक्रम

अंतर - राष्ट्रीय विकास संगठन साइटसेवर्स ने नेत्रहीन और कम दृष्टि वाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए OSEPA के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। साइटसेवर्स ने ब्लॉक तर पर दृष्टि जाँच शिविर, कम दृष्टि मूल्यांकन शिविर का आयोजित किया और आवश्यकता आधारित चश्मा, कम दृष्टि वाले उपकरण, डेजी प्लेयर, टैबलेट, स्मार्ट फोन जैसे आईसीटी उपकरण, नेत्र दोष वाले छात्रों को सर्जिकल सुधार प्रदान किया। साइटसेवर ने शिक्षकों के लिए 'उद्यम' (UDYAM) कक्षा ट्रांजेक्सन मॉड्यूल का भी विकसित किया है।

(उद्यम - शिक्षक लेनदेन मॉड्यूल विजन डिवाइस)

(कम दृष्टि मूल्यांकन)

(कम दृष्टि उपकरण का वितरण)

19. 12. गंभीर CWSN के लिए अनुरक्षण भत्ता का प्रावधान

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल कक्षा । से XII तक के गंभीर CWSN जो OI, VI, ID, MD, ASD में 75% विकलांग हैं, उन्हें 1800/- रुपए अनुरक्षण भत्ता प्रदान की जा रही है।

19. 13. CWSN के लिए परिवहन भत्ते का प्रावधान

सरकारी या गैर सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की कक्षा । से XII तक के CWSN, जो 40 - 75% तक विकलांग पाए गए, उन्हें 1200 रुपए परिवहन भत्ता दी जा रही है।

19.14 CWSN बालिकाओं के लिए स्टाईपेंड

कक्षा । से XII तक 40% या इसके अधुक विकलांगता वाले CWSN लड़कियों को प्रतिवर्ष 2000 रुपए स्टाइपेंड प्रदान की जा रही है।

19.15 ब्लॉक स्तर पर पर्याबरण निर्माण कार्यक्रम

वर्ष 2021 - 22 के दौरान पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध धनराशि से ब्लॉक स्तर पर अंतर - राष्ट्रीय विकलांग दिवस का आयोजन किया गया है।

(विकलांग दिवस के अवसर पर रैली)

(विकलांग दिवस के अवसर पर रैली)

19.16 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की कक्षा में भागीदारी

समग्र शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का नियमित विद्यालयों में शिक्षा जारी है। वे नियमित कक्षा अभ्यासों में बहुत अधिक सक्रिय हैं। कक्षा में कक्षा शिक्षकों द्वारा द्वारा संचालित कई गतिविधियों में उन्होंने बढ़ - चढ़ कर भाग लिया है।

(CWSN का चित्रांकन में भागीदारी)

(CWSN का कक्षा गतिविधि में भागीदारी)

(CWSN का खक्षा गतिविधि में तथा पैरों से लिखने तथा अंकन में भारीदारी।

19.17. CWSN के लिए शिक्षा सुरभि सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम

शिक्षा सुरभि - II, एक सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम है जिसे दृष्टिबाधित और अन्य CWSN के लिए रेडियो सुरभि, सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम के द्वारा प्रदान किया जाता है। रेडियो कार्यक्रम में चयनित शिक्षकों द्वारा तैयार गणित, अंग्रेजी, ईवीएस और अन्य विषयों से कक्षा I से VI के CWSN के लिए विषय और विषयवार अनुकूलित ऑडिओ शिक्षण सामग्री प्रदान करने वाले 100 एपिसोड शामिल हैं। शिक्षा सुरभि कार्यक्रम 19 सामुदायिक रेडियो केंद्रों के माध्यम से प्रसारित किया गया, जो कोविड - 19 महामारी के कारण स्कूलों बंद होने के दौरान CWSN के लिए बहुत प्रभावी रहे हैं। सभी एपिसोड की ऑड़ियो एमपी 3 फाइलें CWSN के दूरस्थ माता - पिता को ह्वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ब्लॉक संसाधन शिक्षकों समावेशी शिक्षा स्वयंसेवकों, ब्लॉक, जीपी और स्कूल स्तर पर काम करने वाले स्कूल शिक्षक द्वारा साझा की जाती है।

(शिक्षा सुरभि ओड़ियो पाठ)

(CWSNमोबाइल के माध्यम से ऑडियो पाठ श्रवण)

19.18. CWSN के लिए संसाधन केंद्र

CWSN, शिक्षकों और अभिभावकों को चिकित्सा सेवाएँ, मूल्यांकन, परामर्श सेवाएँ प्रदान करने के लिए, जिला और ब्लॉक स्तर पर संसाधन केंद्र कार्य कर रहे हैं।

(CWSN के संसाधन केंद्र)

(CWSN को समानंतर बार का उपयोग कर रहे हैं)

19.19. CWSN के लिए बोर्ड के प्रावधान/ छूट

कक्षा दसवीं और बारहवीं के लिए BSE/CHSE द्वारा प्रदान की जाने वाली परीक्षा के दौरान प्रावधान / छूट के लिए, स्कूल प्रधान शिक्षक, शिक्षक, अभिभावक और CWSN को 2021-22 के दौरान आभासी/ भौतिक मोड के माध्यम से अभिविन्यास प्रदान किया गया है। BSE और CHSE ने अभिभावकों और शिक्षकों के बीच विशेष अधिसूचना प्रकाशित की है, लघू वीडियो, यू - ट्यूब, पुस्तिका और दैनिक समाचार - पत्र में विज्ञापन बनाया गया था।

(CWSNने बोर्ड द्वारा स्क्राइब सुविधा का लाभ)

(बोर्ड प्रावधान पर जागरूकता वीडियो)

(बोर्ड प्रावधानों पर पुस्तिका)

19.20 बौद्धिक अक्षमता वाले छात्रों के लिए TLM किट का वितरण

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत NIEPID, सिकंदराबाद, राष्ट्रीय संस्थान के माध्यम से बौद्धिक अक्षमता वाले छात्रों को TLM कीट वितरीत की हैं।

(NIEPID द्वारा TLM कीट का वितरण)

(NIEPID द्वारा TLM कीट का वितरण)

- **विभिन्न गतिविधियों में CWSN का अंशग्रहण**

  CWSN ने ब्लॉक स्तर पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों, जैसे - चित्रांकन, शिल्प निर्माण, योग आदि में भाग लिया।

(CWSN के द्वारा प्रस्तुत शिल्प और कला)

19.21 ब्लॉक संसाधन व्यक्ति और आईई स्वयंसेवकों द्वारा CWSN को संसाधन सहायता का प्रावधान

समग्र शिक्षा के तहत ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों को स्कूल स्तर पर CWSN की संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए तैनात किया गया है। IE स्वयंसेवी निजी स्तर पर CWSN को सहायता सेवाएँ प्रदान करने लगे हैं।

(ब्लॉक संसाधन व्यक्तिओं और आई स्वयंसेवकों CWSN को निजी सहायता प्रदान करें।

20. स्कूली शिक्षा का व्यवसायीकरण

राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचा (NSQF)

सितंबर, 2011 में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित माध्यमिक और उच्च स्तर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केंद्र प्रयोजन योजना को सितंबर में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित माध्यमिक शिक्षा में राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे के साथ संरक्षित करने की दृष्टि से 12 फरवरी, 2014 को संशोधित किया गया है। संशोधित योजना, माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की शुरूआत करते हुए व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शिक्षा के साथ एकीकृत करने और छात्रों को क्षैतिज और उर्ध्वाधर गतिशीलता प्रदान करने का प्रयास करती है। यह कौशल सामग्री के डिजाइन, विकास, वितरण, मूल्यांकन और प्रमाणन में उद्योग के साथ घनिष्ठ साझेदारी की परिकल्पना करता है।

उद्देश्य :

- माँग संचालित योग्यता आधारित मॉड्यूलर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं की रोजगार क्षमता में वृद्धि करना।
- वीई (VE) सामान्य शिक्षा और नौकरी बाजारों के बीच एकाधिक प्रवेश और निकास
- वीई (VE) के भीतर प्रगति और वीई और सामान्य शिक्षा के बीच स्थानांतरण
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC), NCERT, ओड़िशा जैसे प्रमुख सहायक संगठन के साथ साझेदारी।
- शिल्प / फॉर्मों के साथ साझेदारी।

सामान्य शिक्षा ⟷ शिक्षा

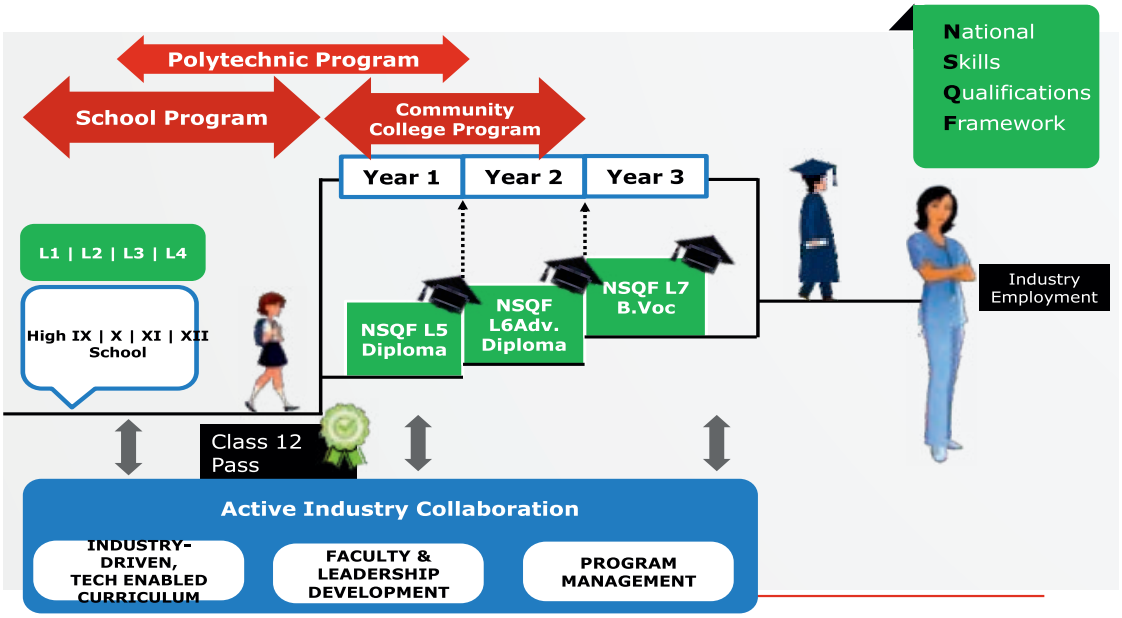

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC), नई दिल्ली कौशल विकास और अधिगम मंत्रालय भारत सरकार के साथ 49% और 51% निजी भागीदारी के तहत एक पीपीपी निकाय है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (आज के MoE), भारत सरकार के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा व्यावसायीकरण की केंद्र प्रायोजित योजना एनएसक्यूएफ (NSQF) के कार्यान्वयन में NSDC और इसके क्षेत्र कौशल परिषदों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका को सूचीबद्ध करती है। योजना में आयोजित प्रशिक्षण NSDC द्वारा अपने क्षेत्र कौशल परिषदों के माध्यम से निर्धारित राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों पर आधारित है।यह योजना एसएससी को राज्य शिक्षा बोर्ड के साथ संयुक्त रूप से मूल्यांकन और प्रमाणन करने के लिए भी अनिवार्य करती है।

सेक्टर स्किल काउंसिल राज्यों के ट्रेडों/ व्यवसायों की पहचान, पीएसएसमीआईवीई (PSSCIVE) के साथ पाठ्यक्रम को मान्यता देने, व्यावसायिक (उद्योग) समन्वयक की नियुक्ति के लिए सिफारिश, प्रशिक्षण के गुणवत्ता नियंत्रण, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, छात्र मूल्यांकन और प्रमाणन और उद्योग इंटरफेस में राज्यों का समर्थन करते हैं। NSDC द्वारा वित्त पोषित प्रशिक्षण भागीदार संकाय की तैनाती और प्रबंधन, प्रयोगशालाओं की स्थापना, अतिथि व्यायाम / उद्योग यात्राओं के आयोजन सहित संपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने की जिम्मेदारी लेते हैं।

राज्य में वर्तमान कार्यान्वयन के लिए व्यापक मॉडल :

पारंपरिक ढाँचा :

- राज्य प्रत्येक स्कूल में सिविल पारंपारिक ढाँचा प्रदान करता है।
- राज्य सरकार/ NSDC के प्रशिक्षण भागीदारी राज्य से धन लेते हैं और स्कूलों को कौशल प्रयोगशाला के साथ जोड़ता है।
- राज्य बोर्ड/ परिषदों के साथ अध्ययन योजना को संरक्षित करता है।
- NSDC प्रशिक्षण भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षण वितरण करता है।
- NSDC प्रशिक्षण भागीदारी शिक्षकों के भर्ती करता है और उन्हें न्यूनतम निर्धारित योग्यता के अनुसार स्कूलों में रखता है।
- प्रत्येक स्कूल में दो ट्रेडों की पेशकश की जाती है और प्रत्येक ट्रेड में 40 छात्र होते हैं।
- NSDC TP स्कूलों में प्रशिक्षण वितरण की निगरानी और प्रबंधन करता है।
- TP विभिन्न अंतराल पर नौकरी प्रशिक्षण और अतिथि व्याख्यान आयोजित करता है।
- क्षेत्र कौशल परिषदों द्वारा निर्धारित योग्यता पैक से संबंधित कक्षा IX से कक्षा XII से चार साल तक पाठ्यक्रम चलता है।

अवलोकन :

- अध्ययन की योजना में संशोधन : राज्य ने आध्यामिक स्तर पर छह अनिवार्य विषयों में वृत्तिगत विषय को शामिल किया है। वृत्तिगत विषय को माध्यमिक पाठ्यक्रम में तीसरी भाषाओं के साथ स्थान मिलता है। इसी तरह, उच्चतर माध्यमिक के लिए, राज्य ने CHSE अधिसूचना दिनांक 31.10.18 और सरकारी अधिसूचना दिनांक 01.12.2018 के जरिए सभी 3 धाराओं के लिए उच्चतर माध्यमिक स्तर पर चार वैकल्पिक विषयों में से एक विषय को शामिल किया गया है।
- 2016 - 17 में 208 माध्यमिक विद्यालयों के साथ ओड़िशा के स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की गई है। अब 11 चयनित व्यावसायिक व्यापार विषयों के साथ कार्यक्रम को राज्य भर के 961 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सफलतापूर्वक विस्तारित किया गया है।
- यह कार्यक्रम NSDC के पैनल में शामिल 51 व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदारों (वीटीपी) के माध्यम से स्कूलों में क्रियान्वित किया जा रहा है।
- VTPs के माध्यम से 1922 वृत्तिगत प्रशिक्षक स्थिति में हैं।
- उन 961 स्कूलों में 1,12,786 छात्रों ने व्यावसायिक शिक्षा के विषयों को चुना है।
- वर्तमान वृत्तिगत विषय IT और ITES, खुदरा पर्यटन और आईटीईएस, खुदरा, पर्यटन और अतिथि, कृषि, परिधान प्लंबर, ऑटोमोटिव, मल्टी स्किलिंग, इलेक्ट्रोनिक्स और हार्डवेयर और माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सौंदर्य और कल्याण है। खाद्य प्रसंस्करण और निर्माण को जोड़ा जा रहा है।
- कार्यक्रम के कार्यान्वयन में तकनीकी सहायता / सहायता प्रदान करने के लिए लेंड - ए - हैंड इंडिया (NGO) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 1122 व्यावसायिक प्रशिक्षकों के लिए 05 दिवसीय प्रेरण पूर्ण प्रशिक्षण हुआ है।
- सभी छात्र ओड़िआ भाषा में छात्रों की हैंडबुक (PSSCIVE के साथ संरक्षित) छोत्रों को प्रदान की गई।
- PSSCIVE के पाठ्यक्रम के अनुरूप राज्य द्वारा संदर्भ पुस्तिकाएँ विकसित की गयी हैं। उन विषयों के लिए जिनकी पुस्तकें NCERT के पास उपलब्ध नहीं है।
- राज्य बोर्ड द्वारा अपनी दसवीं और बारहवीं कक्षा का व्यावसायिक मूल्यांकन 2020 - 21 और 2021 - 22 के लिए पूरा किया गया। उतीर्ण प्रतिशत क्रमशः 39% और 85% है।
- प्रशिक्षकों को 4 सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण तैयार किया गया जिसमें सभी 1.122 व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने भाग लिया था। चार हफ्ते के ऑनलाइन प्रशिक्षण में PSSCIVE प्लेटफॉर्म पर 02 सप्ताह का डोमेन विशिष्ट प्रशिक्षण शामिल था।

आकलन और प्रमाणन

- क्षेत्र कौशल परषदों राज्य शिक्षा बोर्ड के साथ आकलन करती है और राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप प्रमाणन प्रदान करती हैं।
- कार्यान्वयन
- राज्य सरकार
- एनएसडीसी (NSDC)
- सेक्टर स्कील काउंन्सेल
- NSDC प्रशिक्षण भागीदारी
- भूमिका और हितधारकों की जिम्मेदारियाँ
- **राज्य सरकार :** नीति, पारंपारिक ढाँचा प्रदान करना, प्रधानचार्य के माध्यम से छात्रों पर निगरानी, नियामक, राज्य बोर्ड की पढ़ाई की मुख्य धारा की योजना के लिए व्यावसायिक संरेक्षित करना, परियोजना की व्यापक वकालत और विपणन करना।
- **एनएसडीसी (NSDC) :** परियोजना के संकलन और संचालन, स्कूलों में परियोजना को लागू करने के लिए विभिन्न ट्रेडों में एनएसडीसी भागीदारों का चयन, मानक और गुणवत्ता प्रक्रियाओं की स्थापना, एमआईएस और निगरानी, प्रबंधन समीक्षा।
- **सेक्टर स्कील कौंसिल :** व्यावसायिक समन्वयक की नियुक्ति के लिए पहचान की सिफारिश, प्रशिक्षण का गुणवत्ता नियंत्रण, छात्र मूल्यांकन, प्रमाणन और शिल्पायन की सुविधा प्रदान करना।
- **NSDC प्रशिक्षण भागीदार :** राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के अनुरूप पाठ्यचर्या विकास कोर्यवेयर का विकास और छपाई, व्यावसायिक प्रशिक्षकों को प्रदान करना, ओजेटीएस और इंटर्नशीप के माध्यम से उद्योग की भागीदारी, एमआईएस और रिपोर्टिंग, सभी हितधारकों के साथ इंटरफेसिंग आदि करना।

पीएबी अनुमोदन

क्र.सं	स्वीकृति का वर्ष	स्कूल
01	2013 - 14	30
02	2016 - 17	178
03	2017 - 18	106
04	2018 - 19	120
05	2019 - 20	142
06	2020 - 21	385
07	2021 - 22	30
कुल संख्या		991

- 1212 विद्यालयों / क्षेत्रों स्थापित ट्रेड स्पेसिफिक प्रयोगशाला तथा स्कूल/ क्षेत्रों में स्थापित 710 प्रयोगशालाएँ प्रक्रियाधीन हैं।
- कोविड - 19 महामारी के मद्देनजर पाठ्यक्रम को घटाकर 30% कर दिया गया है और कक्षा दसवीं और बारहवीं के प्रश्न पत्रों की तैयारी के लिए राज्य बोर्ड प्रस्तुत किया गया है।
- डैशबोर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम - सभी 961 स्कूलों में शुरू किए गए कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए मोबाइल आधारित एप विकसित किया गया।

ओसेपा से जुड़े व्यावसायिक प्रशिक्षण भागिदारों की सूची

क्र.सं	व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदार	विद्यालयों की संख्या					कुल
		2016 -17	2017 - 18	2018 - 19	2019 - 20	2020 - 21	
1	एआईएसईटीसी, भोपाल	62	44	69	31	28	234
2	सेंटम वर्क स्कील इंडिया लिमिटेड, दिल्ली	38	9	101	33	34	215
3	ग्राम तरंग रोजगार प्रशिक्षण सेवा, भुवनेश्वर			110	37	53	200
4	क्वेस क्रॉप लिमिटेड, बैंगलोर			52	20	49	121
5	प्रगति वोकेशनल एंड स्टाफिंग लिमिटेड, नई दिल्ली			38	31	37	106
6	आईएल एंड एफएस कौशल विकास निगम लिमिटेड, दिल्ली	39	29			40	108
7	टाइम सेंटर फर लर्निंग लिमिटेड, मुंबाई			36	32	0	68
8	माइंड लिडर्स लर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कोलकता			32	28	41	101
9	इंडस इंटिग्रेटेड इनफरमेशन मेनेजमेंट लिमिटेड, कोलकता	47				0	47
10	ओरिअन एडूटेक् प्राइवेट लिमिटेड, कोलकता	42				33	75
11	आमास स्कील वेंटरस्			18	24	48	90

	प्राइवेट. लिमिटेड, गुरुग्राम						
12	लेवर नेट, बैंगलोर		36			0	36
13	उपासना एजुकेशन ट्रस्ट, भुवनेश्वर				28	40	68
14	इंडस एडूट्रेन प्राइवेट लिमिटेड, कोलकता			22		37	59
15	बेस्क्सि अकादमी (वी.एवीएलई), दिल्ली				20	42	62
16	आईसीए ईडीयू स्कीलस् प्राइवेट लिमिटेड, कोलकता	14				32	46
17	एसेन्सिव एडूकेयर लि.					35	35
18	डैटा प्रो कंप्यूटरस् प्राइवेट लिमिटेड					34	34
19	फलफॉस्ट ग्लोवल स्किलरस् प्राइवेट लिमिटेड					34	34
20	हाइलाइन एडूकेयार इंडियान प्राइवेट लिमिटेड					26	26
21	द एप्पारेल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर					26	26
22	प्रमोदिनी एजुकेशनल एंड चैरिटेबूल ट्रस्ट					45	45
23	एसएसईपीएल स्कील प्राइवेट लिमिटेड					34	34
24	वीआरआईटीटीआई प्रोशिक्षण प्राइवेट लिमिटेड					6	6
25	एएसएमएसीएस स्कील डेवलपमेंट लिमिटेड					10	10
26	क्विवान स्कील्स प्राइवेट लिमिटेड					12	12
27	भगिनी निवेदिता शिक्षा समिति					18	18

व्यावसायिक शिक्षा के तहत पेश किए जाने वाले क्षेत्र/ट्रेडों की सूची				
क्र.सं.	ट्रेड	कार्य नियम	कक्षा	स्कूल
1	आईटी/आईटीईएस	डोमेस्टिक डैटा एंट्रि ओपरेटर	IX	314
		सीआरएम डोमेस्टिक वोएस	XI	8
2	रिटेल	स्टोर ऑपरेसन एसिस्टैंट	IX	255
		सेल्स एसोसिएट	XI	15
3	पर्यटन और आतिथ्य	फुड वेवरेज सरविस ट्रेनी	IX	387
		काउंटर सेल्स एक्ज्यीक्यूटिव	XI	25
4	सौंदर्य और स्वास्थ्य	एसिस्टैंट व्यूटि थेरापिस्ट	IX	26
		व्यूटि थेरापिस्ट	XI	5
5	कृषि	सोलनेसियस क्रोप कल्टीवेटर	IX	158
		माइक्रो इरिगेशन टेक्निसियन	XI	9
6	परिधानों	सिलाई मशीन ऑपरेटर	IX	36
7	प्लंबर	प्लंबर (साधारण)	IX	83
		प्लंबर (साधारण -II)	XI	6
8	मोटर वाहन	मोटर वाहन सर्विस टेक्निसीयन L- 3	IX	281
		मोटर वाहन सर्विस टेक्निसीयन L- 4	XI	15
9	इलेक्ट्रोनिक्य एंड हार्डवेयर	फिल्ड टेक्निसियान - अदर होम एपिलिएन्स	IX	273
		फिल्ड टेक्नोसियान - वेयरमैन कंट्रोल	XI	9
10	खाद्य प्रसंस्करण	क्रॉफ्ट बेकर	XI	11
11	निर्माण	पेंटर एंड डेकोरेटर	XI	6
		कुल		1922

आगे बढ़ना :

- उच्च शिक्षा स्तर (NSQF) के लिए स्कूली शिक्षा के व्यावसायीकरण का एकीकरण। 2025 तक स्कूली और उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कम से कम 50% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा अनुभव होगा।
- प्रसपेक्टिव प्लान - 2025 तक पूरे करने के लिए एमओई को रिपोर्ट किया गया।
- 20 चयनित स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा की दोहरी प्रणाली का संचालन।
- चयनित विद्यालयों में हब एंड स्पोक मॉडल की शुरूआत।
- 123 स्कूलों में स्किल हब इनिशिएटिव का कार्यान्वयन और PMKVY के तहत स्कूल से बाहर के युवाओं के लिए स्कूलों में अधिक संख्या में स्कूलों में इसका विस्तार।
- KGBVs को व्यावसायिक शिक्षा का कवरेज सुनिश्चित करना।
- व्यावसायिक शिक्षा विषयों की ऑनलाइन सामग्री का निर्माण करना।
- 100 स्कूलों (कक्षा 6 - 8) में पूर्व - व्यावसायिक शिक्षा की शुरूआत।
- उर्ध्वाधर एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए 30 से अधिक उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यक्रम का विस्तार।
- वर्टिकल मोविलिटी के एक भाग के रूप में मौजूदा 231 व्यावसायिक उच्च माध्यमिक स्कूलों को NSQF अनुरूप पाठ्यक्रमों के साथ सुधारना।

20A. कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

संक्षिप्त विवरण

जीवन पथ को आकार देने में कैरियर मार्गदर्शन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सही समय पर सही मार्गदर्शन का दूरगामी प्रभाव पड़ता है। वर्तमान युग में भयंकर प्रतिस्पर्धा के अंतिम लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हर वर्ग को प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। एक पूर्ण और व्यापक कैरियर मार्गदर्शन रणनीति माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों को उनकी रुचि, आकांक्षा और कौशल के आधार पर उनके कैरियर के लिए सूचित विकल्प बनाने के लिए मार्गदर्शन करने का एक मात्र सटीक विकल्प है।

इस संबंध में 'ओड़िशा कैरियर पोर्टल और इसमें इपलब्ध विभिन्न करियर', शैक्षणिक संस्थानों, छात्रवृत्ति, प्रवेश परीक्षा, वित्तीय निहितार्थ आदि के बारे में जानकारी छात्रों को शिक्षा के शुरूआती चरण में सही कैरियर चुनने के बारे में बताने के लिए कई अवसर प्रदान करती है।

लक्ष्य और उद्देश्य :

- कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम छात्रों को कैरियर के लिए आवश्यक कौशल और शिक्षा को समझने में मदद करना।
- छात्रों को उनकी रुचि, आकांक्षा और कौशल के आधार पर उनके कैरियर के लिए सूचित विकल्प बनाने में मदद करना।
- छात्रों को छात्रवृत्ति के अवसर के बारे में जागरूक करना।
- एक लॉगिन के साथ सभी कैरियर के लिए विकल्प प्रदान करना।
- लड़के और लड़कियों के लिए समान अवसर प्रदान करना।

पृष्ठभूमि :

- कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम की सुविधा के लिए ओड़िशा कैरियर पोर्टल को माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक छात्रों, माता - पिता, अभिभावकों, सलाहकार द्वारा 555 + कैरियर, 21000 कॉलेजों, 1150 + प्रवेश परीक्षा और उनकी अपनी पसंद की भाषा में 12000 + छात्रवृत्ति से संबंधित जानकारी के लिए विकसित किया गया था।
- ओड़िआ, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य कई भाषाओं में सामग्री उपलब्ध है, जिसमें जानकारी खोजने में सामग्री उपलब्ध है, जिसमें जानकारी खोजने के लिए फिल्टर, प्राथमिकताएँ और सूचना खोजने के लिए विभिन्न प्रकार के बटन हैं।

अभिविन्यास और प्रभाव :

- लगभग 2.4 लाख छात्रों ने अपनी पसंद के कैरियर के बार् में जानकारी एकत्र करने के लिए कैरियर पोर्टल का उपयोग किया।
- OAVs और ST और SC विभाग के स्कूलों सहित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों सभी छात्रों ने हस्तक्षेप किया।

Gain Self-Awareness
Identification of My:
Interests
Skills
Values
Personality
Options to Explore
Research and learn:
Majors
Occupations
Labor Market
Companies
Active Decision-Makin
Experience Potential Caree
Job Shadowing
Internships
Networking
Launch Your Career
Prepare for after graduation:
Resume
Interviewing
Job Search
Offer Evaluations
LinkedIn
Self-Reflection
Reflect and Evaluate:
Current Position
Family Considerations
Career Transition
Career Path

CAREER OPTIONS ROADMAP
12th (H.S.C.)
12th (Science)

- मेंटर शिक्षकों / सहायकों के लिए हैंड होल्डिंग और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। राज्य भर के शिक्षक, छात्रों, समुदाय के सदस्यों द्वारा पोर्टल के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए मुद्रित पुस्तिकाएँ और पोस्टर जिलों और ब्लॉक के साथ ऑनलाइन साझा किए गए।
- छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए अधिकारियों / प्रधानशिक्षकों / शिक्षकों का क्षमता निर्माण
- विभिन्न क्षेत्रों से कैरियर वार्ता सत्रों का आयोजन और कैरियर विकल्प प्रदान करना।
- स्कूल लॉगिन और जिला लॉगिन का उपयोग करके डेटा समर्थन समीक्षा और निगरानी।
- आउटरीच और संचार के लिए, "कैरियर की योजना कैसे बनाएँ, कैरियर विकल्प, व्यक्तित्व विकास आदि से संबंधित विषयों पर यू - ट्यूब वेबनार की श्रृंखला आयोजित की गई।"
- चयन्वित ट्रेडिंग कैरियर पर 10 कैरियर फिल्मों / वीडियो का विकास करना ताकि छात्रों को अद्यतन एकत्र करने में सक्षम बनाया जा सके।

ଟ୍ରେଣ୍ଡିଂ କୈରିୟର ପର ବିକସିତ ଲଘୁ ବୀଡୟୋ

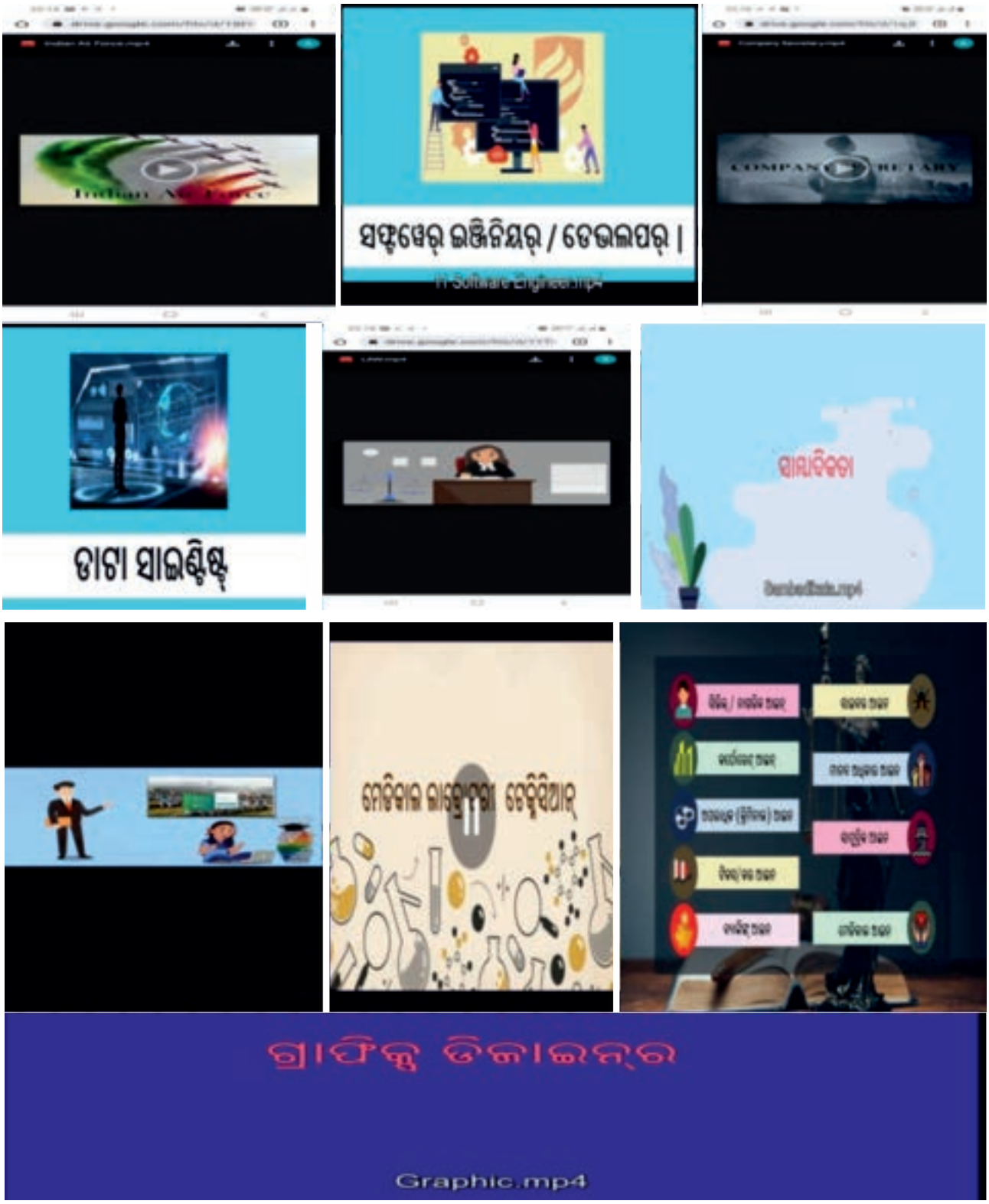

21. प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)

समग्र शिक्षा के तहत एमआईएस सही समय पर सही जानकारी प्रदान करके निर्णय लेने के लिए विभिन्न हस्तक्षेपों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रभावी योजना, कार्यान्वयन और प्रगति निगरानी के लिए व्यवस्थित ढंग से सही समय पर विभिन्न डेटा एकत्र और अद्यतन किए जा रहे हैं। राज्य परियोजना कार्यालय, एमआईएस इकाइयाँ, 30 जिला परियोजना कार्यालय और 316 ब्लॉक शिक्षा कार्यालय की स्थापना की गई हैं और आवश्यक आधारभूत संरचना और कर्मचारिगणों की व्यवस्था की गई है।

1. एमआईएस (MIS) स्थापत्य : (अर्किटेक्चर)

1997 - 98 के दौरान डीपीईपी के तहत राज्य और 8 जिलों के लिए एमआईएस की स्थापना की गई थी और बाद में 2002 - 03 को एसएमएस के तहत 30 जिले परियोजना कार्यालयों में इसका विस्तार हुआ। सभी ब्लॉक परियोजना कार्यालय 2012 - 13 से एमआईएस आधारभूत संरचना से व्यवस्थित है। ओसेपा (OSEPA) की एमआईएस इकाई का भार राज्य परियोजना कार्यालय, जिला परियोजना कार्यालयों और ब्लॉक शिक्षा कार्यालयों में अनुभव और योग्य विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

ओसेपा (OSEPA) के राज्य परियोजना कार्यालय में पूरी तरह से व्यवस्थित सर्वर रूम की प्रतिष्ठा हुई है। इसमें नेट सर्वर, फायरवॉल और अन्य सहायक उपकरण भी है और ओसेपा (OSEPA) के एप्लिकेशन सर्वर, डेटावेस सर्वर, मेल सर्वर, वेब सर्वर को राज्य सरकार के आईटी (IT) विभाग राज्य डेटा केंद्र में रखा गया है। ओसेपा (OSEPA) के सभी डेटाबेस और एप्लिकेशन सफ्टवेयर इन सर्वरों में अपलोड और रख - रखाव किए जाते हैं। लिज्ड लाइन इंटरनेट कनेक्टिविटी डीपीओ (DPOs), बीईओ (BEO) और स्कूल द्वारा सर्वर से वेब आधारित डेटा एक्सेस के प्रबंधित करने में मदद करती है। आधिकारिक वेबसाइट है osepa.odisha.gov.in.

2. एमआईएस (MIS) के तहत ई - गवर्नेंस गतिविधियाँ :

स्कूल, शिक्षक और छात्र शिक्षा प्रणाली के तीन स्तंभ हैं। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न स्कीम की योजना, बजट और कार्यान्वयन के लिए इन मानकों पर वार्षिक जानकारी का प्रबंधन करने के लिए वास्तविक समय के आंकड़ों को बनाए रखने की आवश्यकता है। भारत सरकार ने UDISE + प्लेटफर्म प्रदान किया है, जिसे वर्ष में एक बार अपडेट किया जाता है। जबकि राज्य शैक्षिक और परियोजना निगरानी आवश्यकताओं को प्रबंधित करने के लिए विभिन्न पोर्टल / डेटाबेस बनाए रखता है जिसे समयानुसार अपडेट किया जाता है।

सन् 2005 में सभी बच्चों का डेटाबेस तय किया और OSEPA के बेव पोर्टल में अपलोड किया गया है। राज्य में चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम (Child Tracking System) शुरू किया गया। 2017 में ओड़िशा को भारत सरकार द्वारा जन प्रशासन की उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2017 - 18 के दौरान कक्षा । से X तक सभी छात्रों के लिए डेटाबेस एमआईएस (SDMIS) डेटा बनाया गया था।

सन् 2019 - 20 के दौरान ओसेपा और एनआईसी के सहयोग से स्कूल और जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार के लिए विस्तारित ईएमआईएस (EMIS) लागू किया गया है। छात्र प्रवश, मूल्यांकन और पदोन्नति, टी.सी.पीढ़ी, स्कूल प्रोफाइल और बुनियादी सुविधाओं को मौका, प्रोत्साहन प्रबंधन, दैनिक उपस्थिति आदि के लिए प्रत्येक स्कूली स्तर से वास्तविक समय डेटा अपडेट हुआ।

ईएमआईएस का छात्र मॉड्यूल छात्रों के विवरण प्रस्तुत करने के लिए एक गतिशील डेटाबेस है। साथ ही कक्षा से कक्षा और स्कूल से स्कूल में सक्रमण है इसमें शामिल है। सिस्टम से नकली डुप्लिकेट नामों को हटाने के साथ - साथ छात्रों को विभिन्न योजनाओं के तहत सभी प्रकार के वितरण योग्य लाभ उठाने के लिए छात्रों को आधार नंबर के साथ टैग करने पर जोर दिया गया है। ईएसआईएस सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए स्कूल और छात्रों के वास्तविक समय की जानकारी एकत्र करने में मदद करता है। विभिन्न अन्य विभाग पोर्टल छात्रवृत्ति, डीबीटी आदि जैसी उच्चतम योजनाओं के लिए एपीआई के माध्यम से ईएमआईएस के छात्र डेटाबोस का उपयोग कर रहे हैं।

शिक्षक प्रोफाइल पोर्टल का उपयोग राज्य के सभी स्कूलों के शिक्षक तथा गैर - शिक्षको (कर्मचारी) के विवरण बनाए रखने के लिए किया जाता है। प्रत्येक शिक्षक को एक यूनिक आईडी दी गई है। उपरोक्त डेटाबेस में सभी शिक्षकों और गैर - शिक्षण कर्मचारियों के शैक्षिक पेशेवर और व्यक्तिगत विवरणों के साथ आधार - संख्या का रखरखाव किया जाता है। शिक्षक प्रोफाइल डेटाबेस का अपयोग शिक्षकों की स्थिति रिक्त, युक्तिकरण, स्थानांतरण और प्रशिक्षण आदि की निगरानी के लिए किया जाता है। राज्यों में शिक्षकों की नवीनतम स्थिति प्राप्त करने के लिए डेटाबेस को ब्लॉक शिक्षा कार्यालय और स्कूलों के माध्यम से मासिक आधार पर अद्यतन किया जाता है।

शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने और शिक्षकों डेटा संचालित निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए 2019 - 20 में **शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल** लागू किया गया है। यह विभिन्न स्कूलों नें रिक्तियों w.r.t की उपलब्धता के अनुसार हुआ है। ईएमआईएस पोर्टल और शिक्षक प्रोफाइल के छात्र मॉड्यूल में उपलब्ध अद्यतन जानकारी का उपयोग स्कूल के अनुसार रिक्त स्थान की स्थिति गणना करने और शिक्षकों को स्थानांतरण करने के लिए व्यापक विकल्प प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से सुगम बनाता है और साथ ही स्कूलों में उपयुक्त पीटीआर बनाए रखता है।

स्कूलों के शैक्षणिक और प्रशासनिक मुद्दों से संबंधित प्रश्नावली के मानकीकरण के आधार पर राज्य के अधिकारियों, जिला अधिकारियों, ब्लॉक अधिकारियों और सीआरसीसी द्वारा स्कूलों को नियमित निगरानी के लिए 2018 - 19 से ओड़िशा में स्कूल मॉनिटरिंग ऐप लागू किया गया था। सभी अधिकारियों को स्कूल स्तर पर ऐप का उपयोग करने के लिए बायोमेट्रिक मॉनिटरिंग टैबलेट प्रदान किए गए हैं। जीपीएस (GPS) ट्रैगिंग प्रत्येक अधिकारी की निगरानी की स्थिति सुनिश्चित करती है। निगरानी क्षमता, जिला ब्लॉक और आरसीसी के मासिक जिला रिपोर्ट कार्ड में रैंक और रिपोर्ट किया जाता है। छात्र डैटा बेस से जुड़े किसी भी विषय के लिए मॉनिटरिंग कक्षा में छात्रों का मूल्यांकन करते हैं। छात्रों के सीखने के स्तर मापते हैं जो शिक्षक के प्रदर्शन से जुड़े जाते हैं। इसलिए यह छात्रों को शैक्षणिक इनपुट में गुणात्मक सुधार ,निश्चित करता है। **स्कूल निगरानी ऐप (SMA)** राज्य में शिक्षा प्रणाली की बेहतर निगरानी और प्रबंधन के परिणाम के साथ ओड़िशा राज्य द्वारा की गई एक अनूठी पहल है।

ओसेपा के तकनीकी सलाहकारों द्वारा सभी सिविल कार्य गतिविधियाँ की ऑनलाइन स्पांट निगरानी के लिए **प्रोजक्ट मॉनिटरिंग ऐप** भी प्रस्तुत किया गया। सिविल कार्यों की प्रगति निगरानी, दीर्घ समय से लंबित सिविल कार्यों को पूरा करने के साथ - साथ फंड प्रबंधन और यूसी (UC) संग्रह में मदद की है।

निजी स्कूल प्रबंधन पोर्टल (PSMP), 2012 – 13 से लागू किया गया है ताकि राज्य के सभी निजी स्कूलों के नए प्राथमिक स्कूल खोलने की अनुमति प्राप्त करने के लिए आरटीई के तहत मान्यता प्रमाण - पत्र (COR) और निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूल चलाने के लिए अनापत्ति प्रमाण - पत्र प्राप्त कर सके। आरटीई अधिनियम के 12 (C) के तहत निजी स्कूलों में 25% आरक्षण छात्रों के प्रवेश के लिए आरटीई पारदर्शी पोर्टल विकसित किया गया है। इस पीएसएम पोर्टल से जोड़ा गया ताकि आरटीई अधिनियम के तहत निजी स्कूलों की निगरानी की जा सके।

आवेदकों की सुविधा के साथ - साथ **शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया** ऑनलाइन कर दिया गया है। एमआईएस सरकार को सुविधा प्रदान करता है ताकि भर्ति प्रक्रिया सुचारूरूप से चल सके।

पत्रों के त्वरित प्रेषण और अंतिम बिंदु पर व्यवस्थित तरीके इसकी पहुँच की निगरानी के लिए बेवसाइट में **ई - डिस्पैच सिस्टम** शुरू किया गया है।

3. डेटा का प्रयोग

उपलब्ध डेटा का उपयोग करने वाले प्रमुख लाभार्थी विभिन्न हस्तक्षेप हैं जैसे सरकारी, गैर सरकारी संगठन, योजनाकारी, शिक्षाविद, परियोजना प्रमुख और विद्वान आदि हैं। Official website<osepa.odisha.gov.in> समस्त उपलब्ध शैक्षिक सचनाओं को वहन करती है।

4. वीडियो कांफ्रेंस सिस्टम की स्थाना :

2010 में ओसेपा 30 डीपीओ के डीपियो के एक समर्पित वीडियो कांन्फेस सिस्टम स्थापित की गयी है ताकि जिला और ब्लॉक अधिकारियों को राज्य मुख्यालय में बिना बुलाए सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी और समीक्षा की जा सके। इसने क्षेत्र में चल रही गतिविधियों को बाधित किए बिना प्रणाली की दक्षता में वृद्धि की है।

5. सीआरसीसी का कंप्यूटरीकरण :

सभी क्लस्टर संसाधन केंद्र को इंटरनेट सुविधा डेस्कटॉप कंप्यूटरों के द्वारा सीआरसीसी की निगरानी और प्रबंधन के लिए उपलब्ध हुई है। यह सुविधा स्कूलों के तहत उनके क्षेत्राधिकार के अनुसार मिलती है।

22. स्कूल रूपरेखा में सूचना और संचार प्रौद्यगिकी (ICT)

परिचय

सूचना और संचार प्रौद्यगिकी (आईसीटी) को व्यापक रूप से शैक्षिक सुधार प्रयासों को शुरू करने और बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संभावित लीवर माना जाता है। ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (OSEPA) ने सरकारी और सरकारी सहायता स्कूलों के तहत कक्षा VI से XII के छात्रों के लिए प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी कार्यक्रम लागू है। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए समग्र शिक्षा अहम भूमिका निभाती है।

विजन :

राज्य सरकार सक्षम शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया सुनिश्चित और कार्यान्वित करने के लिए 2317 सरकारी और प्राथमिक स्कूल और 2000 सरकारी और सरकारी सहायता उच्च विद्यालय परियोजना लागू कर रही है। यह परियोजना 4000 माध्यमिक स्कूलों में लागू की गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी सक्षम आंतःपारस्पारिक अधिगम - शिक्षण वातावरण बनाकर छात्रो के शैक्षिक स्तर में सुधार लाना है। परियोजना को ईएंडआईटी विभाग ओड़िशा सरकार के तहत काम कर रहे ओड़िशा कंप्यूटर एप्लिकेशन सेंटर (OAAC) को रूपांतरण करने के लिए सौंपा गया है।

कवर किए गए छात्र

क्र.सं	जिला	स्वीकृत स्कूलों की संख्या			
		प्राथमिक			माध्यमिक
		पहला चरण	दूसरा चरण	कुल	दूसरा चरण
1	अनगोल	69	9	78	28
2	बालेश्वर	96	34	130	50
3	बरगढ़	80	20	100	47
4	भद्रक	67	10	77	36
5	बलांगीर	103	24	127	125
6	बौद्ध	27	3	30	35
7	कटक	90	12	102	48
8	देवघर	20		20	17
9	ढैंकानाल	56	4	60	30
10	गजपति	39	1	40	87
11	गंजाम	145	73	218	212
12	जगतसिंहपुर	46		46	15
13	जाजपुर	70		70	19
14	झारसुगड़ा	31		31	12
15	कलाहांडी	87	22	109	146
16	कंधमाल	59	4	63	94
17	केंद्रापड़ा	56	9	65	19
18	केउंझर	92		92	48
19	खुर्द्धा	83	8	91	45
20	कोरापुट	49	18	67	176
21	मालकानगिरि	56	1	57	71
22	मयूरभंज	146		146	119
23	नबगंरपुर	56	27	83	141
24	नयागढ़	59	4	63	32
25	नूआपड़ा	45	12	57	44
26	पुरी	53	4	57	44
27	रायगड़ा	58		58	117
28	संबलपुर	51	2	53	35
29	सोनपुर	40	1	41	28
30	सुंदरगढ़	86		86	80
	कुल	2015	302	2317	2000

23. स्कूलों में स्मार्ट क्लास टेक्नोलॉजि

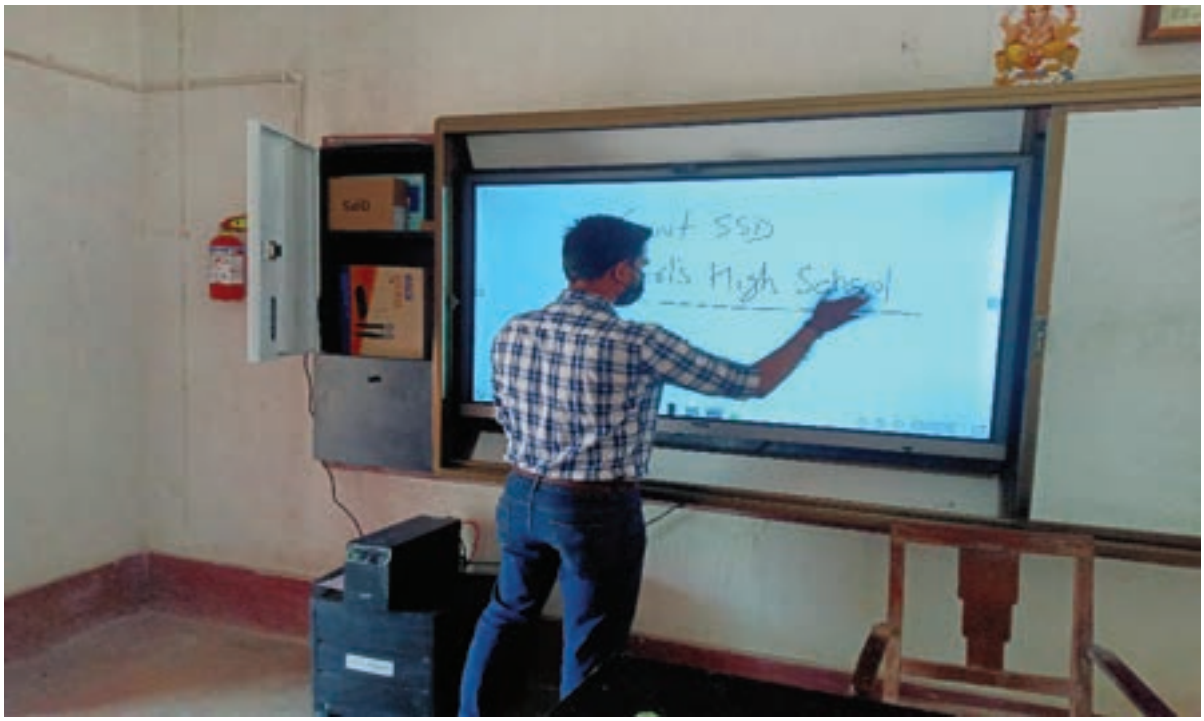

परिचय :

आज की दुनिया में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का कौशल सेट जैसे - जैसे बीत रहा है वैसे - वैसे प्रौद्योगिकी के मामले अद्यतन हो रहे हैं। स्मार्ट कक्षा - कक्ष शिक्षा का उन्नत मोड है जो मौजूद पारंपारिक कक्षा - कक्ष सेट अप के साथ अवसर जोड़ता है। डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके छात्रों की अवधारणाओं को बेहतर ढंग से सामने तथा कक्षा के आदान - प्रदान की कल्पना करके, उनके समझने के कौशल में सुधार करता है। तत्सहित उन्हें अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान का अवसर उपलब्ध कराता है।

विजन :

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (OSEPA) प्राथमिक एवं माध्यामिक स्कूलों में पढ़ रहे छठवीं से दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्मार्ट कक्षा कक्ष लागू कर रहा है। समग्र शिक्षा की छत्रछाया में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों को गुणवत्ता शिक्षा प्रदान की जाती है।

एक आईटी सक्षम शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए राज्य ने 3946 सरकारी प्राथमिक स्कूल और 909 सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त उच्च विद्यालयों के छात्रों के लिए प्रक्षेपण कार्य जारी किया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाओं में एक डिजिटल सक्षम आंतः पारस्पारिक शिक्षण वातावरण बनाकर छात्रों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाना है। यह परियोजना कार्य निष्पादन करने के लिए ओड़िशा कंप्यूटर एप्लिकेशन सेंटर (OAAC) के E और IT के तहत सौंपा गया है।

स्कूल

क्र.सं	जिला	स्वीकृत स्कूलों की संख्या			
		प्राथमिक			माध्यमिक
		पहला चरण	दूसरा चरण	कुल	दूसरा चरण
1	अनगोल	12	16	28	127
2	बालेश्वर	18	38	56	277
3	बरगढ़	7	14	21	202
4	भद्रक	30	24	54	237
5	बलांगीर	14	41	55	297
6	बौद्ध	6	17	23	124
7	कटक	14	30	44	155
8	देवघर	4	-	4	-
9	ढेंकानाल	9	13	22	182
10	गजपति	5	11	16	52
11	गंजाम	53	61	114	329
12	जगतसिंहपुर	11	13	24	73
13	जाजपुर	17	-	17	-
14	झारसुगड़ा	4	-	4	-
15	कलाहांडी	16	38	54	256
16	कंधमाल	6	18	24	68
17	केंद्रापड़ा	9	15	24	141
18	केउंझर	7	-	7	-
19	खोर्द्धा	26	29	55	134
20	कोरापुट	12	25	37	198
21	मालकानगिरि	3	14	17	90
22	मयूरभंज	18	-	18	-
23	नबगंरपुर	3	30	33	274
24	नयागढ़	7	13	20	98
25	नूआपड़ा	9	12	21	141
26	पुरी	21	16	37	179
27	रायगड़ा	13	15	28	98
28	संबलपुर	11	7	18	102
29	सोनपुर	5	15	20	112
30	सुंदरगढ़	14	-	14	-
	कुल	384	525	909	3946

24. स्कूल के बाहर का सर्वेक्षण

परिचय :

कोविड - 19 महामारी की विषम स्थिति के कारण 2020 - 21 और 2021 - 22 के दौरान सभी स्कूलों को भौतिक रूप से बंद कर दिया गया था। हालाँकि सरकार ने सीखने की प्रक्रिया को जारी रखने तथा प्रत्येक छात्र तक पहुँचाने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए, फिर भी अधिगम - शिक्षण की पद्धति में हानि, ड्रॉपआउट तथा अनियमितता की बड़ी संभावना रही थी। स्कूल न जाने वाले छात्रों के लिए कोविड - 19 महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य ने यह जरूरी समझा कि वह स्कूल छोड़ने वालों की संख्याकम मानांकन सीखने में हानि एवं सार्वभौमिक पहुँच तथा गुणवत्ता और समानता में गिरावट को रोकने के लिए उचित रणनीतियाँ तैयार करे।

ग्रहणीय प्रक्रिया :

2021 - 22 जून और जुलाई के दौरान 06 से 18 वर्ष आयुवर्ग के स्कूली बच्चों को मुख्य धारा में शामिल करने (OoSC) एवं उनकी उचित पहचान के लिए एक व्यापक द्वार से द्वार तक सर्वेक्षण किया गया एवं उनके लिए एक प्रभावपूर्ण कार्य - योजना तैयार की गई।

प्रत्येक सीआरसीसी के तहत स्कूल शिक्षकों, अंगनबाड़ी कर्मकर्ताओं, ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों और स्वयं सहायता के समूह, पद्धतिकारियों से मिलकर टीम का गठन किया गया था ताकि प्रत्येक घर पर जाकर वे अपने इलाके के छात्रों के स्कूल से बाहर के बच्चों को डोटा संग्रह कर सके। 6 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के घर में जानकारी एरकत्र करने के लिए एक प्रारूप तैयार किया गया था जिन्होंने सर्वेक्षण के समय किसी भी स्कूल में प्रवेश नहीं किया है; अन्य संस्था या स्कूल छोड़ दिया है।

सर्वेक्षण का परिणाम :

सर्वेक्षण में कुल 94785 संख्या के स्कूल से बाहर वाले बच्चों की पहचान की गई। इनमें से 1673 बच्चे सीडब्लूएसएन (CWSN) के स्कूल के बाहर के बच्चे पाए गए थे।

आयुवर्ग	बालक	बालिका	कुल
6 -14 सालों के बीच	10209	9383	19592
15 - 18 सालों के बीच	42370	32823	75193
कुल	52579	42206	94785

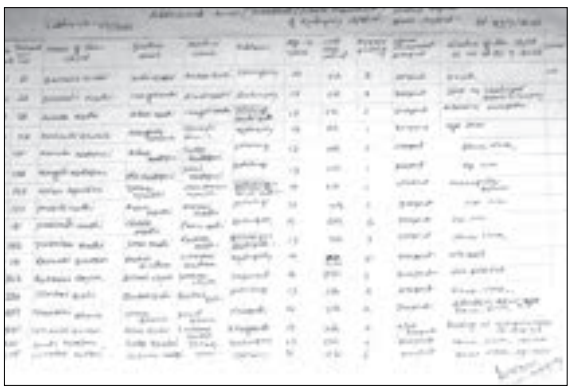

25. सतत अधिगम - शिक्षण प्रक्रिया : दीक्षा (DIKSHA)

ज्ञान साझा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर : एक राष्ट्र एक मंच

- दीक्षा (DIKSHA) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) की एक पहल है।
- दीक्षा का ऑनलाइन मंच शिक्षकों तथा छात्रों, दोनों के लिए आकर्षक और प्रभावपूर्ण शिक्षण सामग्री प्रदान करता है, जो पोर्टल और मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध है।
- शिक्षकों का सतत व्यावसायिक विकास स्कूली शिक्षा परिस्थिति की तंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है। दीक्षा शिक्षक प्रशिक्षण के प्रचार के लिए सबसे अच्छे मंच के रूप में कार्य करती है।
- इस प्लैटफॉर्म में विविध प्रकार की सामग्री बनाने, कार्यकर्ताओं का आयोजन करने एवं भागीदारी करने की क्षमताएँ उपलब्ध होती हैं।
- यह पोर्टल देश भर के सृजनकर्ता द्वारा रूपांकित किए गए हैं और एकत्रित किए गए समस्त डिजिटल संसाधनों के केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है जिसे हर कोई ग्रहण कर सकता है।
- डिजिटल सामग्री को अपलोड करने, आकलनों को डिजाइन करने, सामग्रियों की तालिका संरचना करने, सभी संसाधनों को एक पाठ्यक्रम में जोड़ने और पाठ्यक्रम की खपत पर डेटा प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन ढाँचा विकसित करके पाठ्यक्रम निर्माण को बहुत आसान बना दिया गया है।
- इस समय ओड़िशा में दीक्षा पर 36 से अधिक पाठ्यक्रम की मेजबानी की जा रही है जिनका 43.12 लाख से अधिक शिक्षकों ने उपभोग किया है और 17.70 करोड़ से अधिक ने इसका सृजन किया और 85,40,585 घंटों का समय दिया गया है।

विजन और मिशन :

- शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्यगिकी के उपयोग से छात्रों के सीखने के परिणामों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।
- शिक्षक और नेतृत्व प्रशिक्षण
- पाठयोजना और शिक्षक उपकरण
- स्पष्टीकरण सामग्री
- अभ्यास और गृहकार्य
- प्रश्न बैंक और परीक्षा की तैयारी
- आकलन
- कूइज

ज्ञान	प्रेरणा	पीअर अधिगम और सहयोग
शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए अधिगम केंद्रीय पेड़ागॉजी में शिक्षकों की पहुँच वृद्धि और सुनिश्चित करना	छात्रों में अधिगम शिक्षण की क्षमताएँ वृद्धि करने के लिए शिक्षकों को संदर्भित सामग्री और जरूरत डिजिटल पाठ्यपुस्तकें और सामग्रियों के सृजन एवं सहायता करने के लिए प्रेरित करना	छात्रों के लिए एक सकारात्मक अधिगम - शिक्षण माहौल उत्पन्न करने के लिए शिक्षकों, छात्रों एवं माता - पिता - अभिभावकों को ऑनलाइन आलोचना फोरम पर संयुक्त करना, सक्रिय पाठ्यपुस्तकें और ई - सामग्री अपलोड की स्थिति उत्पन्न करना।

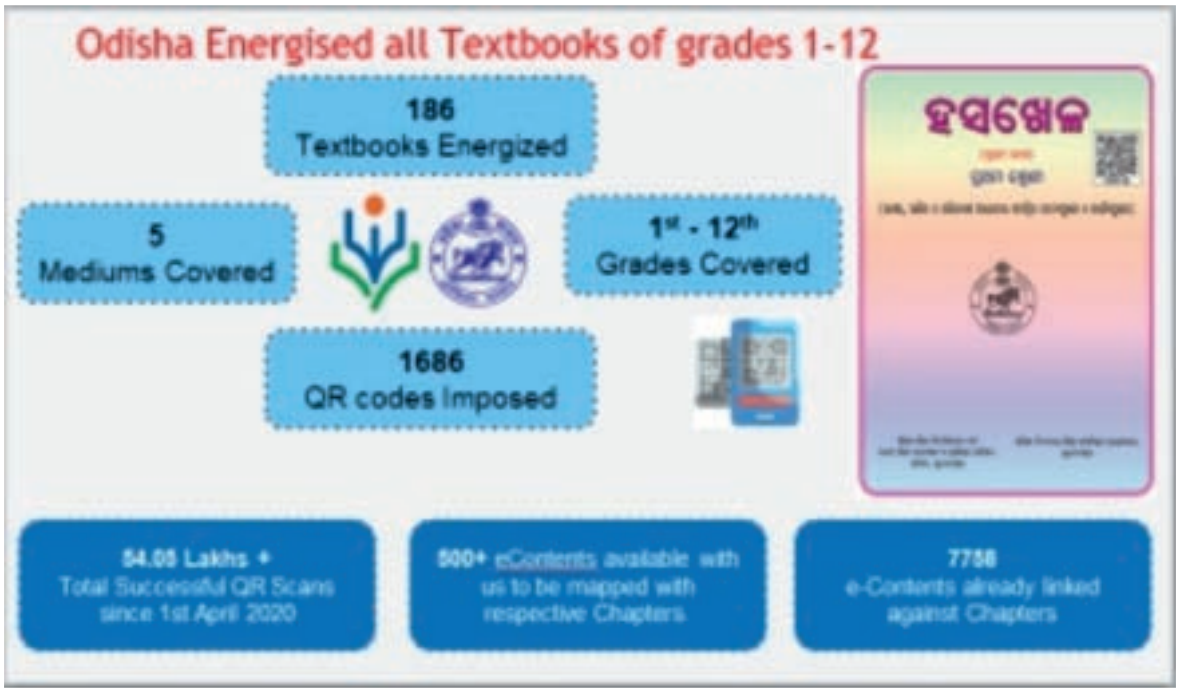

डिजिटल सामग्री (ई - सामग्री) प्राप्त :

- विद्यादान
- ओआरएसएसी - ईडीयूएसएटी
- रेडियो पाठशाला

- टीक - टैक आदि

विद्यादान

एवं राष्ट्र द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को जारी रखने के लिए कार्यक्रम है।

- 250 शिक्षकों के ग्रेड 1 से 10 से 1800 + डिजिटल सामग्री प्राप्त और अंग्रेजी ओड़िआ, गणित, विज्ञान, ईवीएस, एसएसटी, कंप्यूटर, हिंदी और संस्कृत विषयों के विशेषज्ञों द्वारा पुनरीक्षण हुआ है।
- शिक्षकों से दो चरणों में ओड़िशा ने डिजिटल सामग्री प्राप्त की है।

विद्यादान - पहला फेज

- 1st Phase-June 19 to September 22 -2020
- In first Phase 7 no of project publish for 29 Textbooks- Total 1553 Digital content receive out of that 1007 content accepted by Reviewers and all linked with their respective QR Codes.

VidyaDaan Content received & Approved Status-25/09/2020

Sl No	Project Name	Total Content Received	Content Approved	Content Rejected
1	6-8 English Language	137	61	76
2	6-8 Social Studies	107	83	19
3	9-10 English Language	157	90	67
4	6-8 MIL-ODIA Language	295	281	14
5	1-5 MIL Odia	637	386	251
6	1-5 English Language	77	33	44
7	9-10 MIL - Odia	143	73	70
	Total	1553	1007	541

विद्यादान - दूसरा फेज

- 2nd phase VidyaDaan September 25, 2020 to March 31, 2021.
- 14 number of projects published for 36 Textbook in second phase-Total **1151** content received till now out of that 836 digital content already approved by reviewers and review continue.

Second Phase Vidyadaan- Digital Content Status

Sl No	Project Name	Number of Book Published under the project	Total Content Received	Content Pending for review/Correction Pending	Total Content Approved
1	**Odia Grammar-9**	1	64	4	53
2	**7-8 Mathematics**	2	56	0	56
3	**6-8 Science**	3	106	0	106
4	**2-5 Mathematics**	3	39	0	34
5	**Class 3 & 8 Math**	2	38		25
6	**9-10 Hindi & Sanskrit 2**	5	71	25	34
7	**6-8 English 2**	3	78	2	51
8	**Project Utkarsh-Class 9**	1	103	0	64
9	**Class 8 Odia**	3	26	0	26
10	**9-10 Hindi Sanskrit**	2	105	45	33
11	**Class 9 English Grammar**	1	21	0	15
12	**Class 3 EVS**	1	18	0	15
13	**6-8 Social Studies-2**	6	386	2	323
14	**6-8 Computer**	3	40	39	1
	Grand Total	36	1151	113	836

26. योजना

समग्र शिक्षा प्रारंभिक गतिविधियों को सबसे अधिक महत्व देती, क्योंकि इन्हें कार्यक्रम की गुणवत्ता कार्यान्वयन के लिए एक आवश्यक शर्त के रूप में माना गया है। समुदाय के प्रभावी लामबंदी और विकेंद्रीकृत निर्णय प्रारंभिक गतिविधियों का हिस्सा है। इस नियोजन प्रक्रिया में कई कदम उठाए गए हैं।

इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के दौरान बड़े कार्यों को संभालने के लिए जिला परियोजना अधिकारी के कार्यालय को पर्याप्त रूप से सुसज्जित करने के लिए प्रारंभिक चरण में सुदृढ़ीकरण किया गया है। अतः प्रभावी सूचना प्रणाली को संस्थागत रूप दिया गया है।

प्रारंभिक गतिविधियों के दौरान प्रभावी सामुदायिक लामबंदी और स्कूल मानचित्र के माध्यम से स्कूली स्तर की शिक्षा योजना तैयार की गई है।

इस योजना के मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान और छात्रों में सामाजिक और लैंगिक अंतर को पाटना, स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर समानता और समावेशन सुनिश्चित करना, स्कूली शिक्षा के प्रावधानों में न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित करना, शिक्षा के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना, बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम - 2009 के कार्यान्वयन में राज्यों की सहायता करना और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एक मॉडल के रूप में एससीईआरटी / राज्य शिक्षा संस्थान / डीआईईटी को सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करना आदि गुणात्मक शिक्षा के लिए सुविधाएँ उपलब्ध है।

एक सहगामी प्रक्रिया के माध्यम से स्कूल स्तर पर एसएमसी सदस्यों, गैर - सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, प्रधानशिक्षकों, कुछ चयनित शिक्षकों तथा अभिभावकों के सहित एक कोर टिम का गठन हुआ है। प्रभावपूर्ण योजना के लिए इस टिम का चयन बहुत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के कार्यान्वयन में स्वच्छता पर अधिक बल दिया गया है। स्कूल शिक्षा पर एक पब्लिक डोमेन विषय के व्यय पर सारी चेष्टाएँ सुनिश्चित करनी हैं।

गतिविधियाँ

26. 1. स्कूल विकास योजना

- एसडीपी और स्कूल सुरक्षा योजना एसएमसी द्वारा सरकारी स्कूलों में तैयारी की गई है। इसका उद्देश्य बच्चे की सुरक्षा और समग्र विकास के संदर्भ में अपने छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना, उच्चतम संभाव्य स्तर प्राप्त करना और सबसे बनाए रखना है।
- ओड़िशा आदर्श विद्यालय संगठन (OAVs) और एसपी तैयार करने का अनुरोध किया गया है। सभी सहायता प्राप्त और गैर - सहायता प्राप्त निजी स्कूलों में अपने स्तर पर एसपी और एसडी बनाने में लगे हुए हैं।

- एसडीएसपी मोडस ऑपरेंडी पर हितधारकों की क्षमता निर्माण जैसे डीईओ, डीपीसी, जिला समन्वयक, सीओई, स्कूलों के बीईओ और सीआरसीसी / प्रधानशिक्षक को मोड के माध्यम से बनाया गया है।
- सभी शिक्षकों को स्कूल विकास योजना तैयार करने की विधि और शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल NISTHA में संशोधन के माध्यम से इसके महत्व पर नवीकरण किया गया।
- सभी समुदाय के सदस्यों को एसडी और एसपी की तैयारी की तालीम भी प्रदान की गई।
- सभी स्कूलों में एसडी और एसपी की तैयारी को सुचारूरूप से करने के लिए, स्कूल सुरक्षा
- योजना टैम्पलेट के साथ एक संकेतक स्कूल योजना (ओडिआ) प्रारूप संदर्भ के लिए प्रदान किया गया। स्थानीय आवश्यकता के अनुसार किसी अन्य क्षेत्र को जोड़ने के लिए जिलों में लचीलापन है।
- एसडीपी की तैयारी के दौरान सभी बच्चों का स्कूल में नामाकन और उनकी उपस्थित तथा प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के लिए निवेदन किया गया है।
- स्कूल विकास योजना की तैयारी के दौरान डेटा स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संदर्भ और तुलना के लिए एसडीएमआईएस, शिक्षक पोर्टल और शिशु जनगणना के डेटा पर विचार करना आवश्यक है।

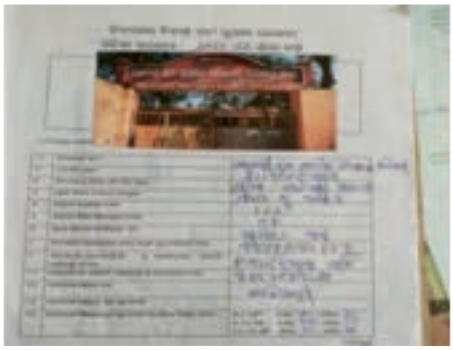

कालीपल्ली यूपीएस संबलपुर की स्कूल विकास योजना

स्कूल सुरक्षा प्रारूप

गंजाम विद्यालय विकास योजना की बैठक

26.2 वार्षिक योजना और बजट की तैयारी

वार्षिक कार्य योजना और बजट उपलब्ध संसाधन सीमित समय - सीमा पालन करने की प्रभावपूर्ण कार्ययोजना और विशेष रूप से कोविड 2019 की स्थिति के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योजना एक उपकरण है जिसमें संबोधित हितधारकों को कौशल, तकनीक, सूचना प्रदान की गई है और जिससे उन्हें अपने लक्ष्य और अंतराल को जानने में मदद मिलती है।

- समग्र शिक्षा के अंतर्गत प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर जिला योजनाएँ विकसित करने का प्राबधान है। स्कूल से नियोजन वृक्ष आरंभ हुआ है और बाद में यह जिला, राज्य, केंद्रीय स्तर तक नीचे से ऊपर तक फैलने लगा है। परियोजना अनुमोदन बोर्ड सर्वोच्त निकाय है जिसने बजट को मंजूरी दी और विभिन्न हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन का लक्ष्य निर्धारित किया।
- विकसित किए गए विशेष नियोजन मॉड्यूलों का व्यापक रूप से जिला योजनाओं के विकास में उपयोग किया गया है। एनआईईपीए (NIEPA), नई दिल्ली जैसे शीर्ष संस्थानों द्वारा नियोजित पद्धति पर वहन क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। तत्सहित राज्य, जिला, ब्लॉक, क्लस्टर भी प्रशिक्षण और डेटा पर ध्यान देने के साथ - साथ विभिन्न स्तरों पर हितधारकों के लिए प्रशिक्षण की विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएँ करते हैं एवं डेटा विश्लेषण तथा संकेतकों की भी व्यवस्था करते हैं। इससे डेटा विश्लेषण तथा संकेतकों का उपयोग भी होता है।
- योग्यता की तैयारी के दैरान स्कूल, बच्चों की आबादी, नामांकन, स्कूल से बाहर U – DICE+ और फील्ड - सर्वेक्षण के संबंध में सभी डेटा और जानकारी का उपयोग किया गया है।
- पीएबी की प्रतिबद्धताओं और की गई कारबाई रिपोर्ट और लेख - परीक्षा, सीएजी की सिफारिशों को ध्यान में रखा गया है।
- समग्र शिक्षा के तहत सभी हस्तक्षेपों की गतिविधि की योजना, अंतरालों, उपलब्ध संसाधनों एवं रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।
- पहुँच की योजना, फील्ड डेटा और स्कूल मैपिंग डेटा का उपयोग किया गया है।
- बच्चों के लिए योजना जिलों से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हुई जिनका अनुभाग 12 (1) (c) के तहत 25% दाखिला हुआ था।
- व्यापक योजना की तैयारी हुई जिसमें प्राथमिक स्तर पर पढ़ने, लिखने, समझने और अंकगणित में मुख्य कौशल एवं दक्षताओं की उपलब्धि में अंतराल की पहचान करने एवं उन्हें दूर करने पर जोर दिया गया है। तदनुसार 2021 - 22 के लिए गुणवत्ता योजना भी तैयार की गई।
- आकांक्षित जिलों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

- बिजली, शौचालय और पेयजल की सुविधा के साथ - साथ बाधा मुक्त पहुँच को प्राथमिकता देकर सिविल कार्य योजना प्रस्तुत की गई है।
- योजना प्रक्रिया में सभी एसएमसी को उन्मुख और शामिल करने के लिए सामुदायिक संघटन एवं एसएमसी / एसएमडीसी प्रशिक्षण की योजना बनाई गई है।

26.3 एडब्लूपीबी योजना निर्माण की प्रक्रिया

विकास के तहत योजना निर्माण प्रक्रिया :

परामर्श, मूल्यांकन, समेकन की प्रक्रिया तीन स्तरों से होती है, जैसे - स्कूल स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर। परामर्श प्रक्रिया एक इनपुट गतिविधि थी, मूल्यांकन और समेकन एक आउटपुट गतिविधि थी।

- डीसीपी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर डाइट, जिला समन्वयक, बीईओ, एबीईओ के सदस्यों से मिलकर योजना टीम तैयार की गई है एवं योजना का मूल्यांकन किया गया है।
- राज्य परियोजना कार्यालय में सभी हस्तक्षेप मुख्यों की एक योजना टीम ने कोविड 19 महामारी के कारण सभी जिला स्तरीय योजना के ऑनलाइन में भाग लिया।

26.4 एडब्लूपीबी की प्रस्तुति के दौरान कार्रबाई

- राज्य परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में विभिन्न हस्तक्षेपों के प्रमुखों की सभा 26.03.22 को आयोजित की गई। इसमें सभी जिला शिक्षाधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक वर्चुआल मोड में शामिल हुए।
- समग्र शिक्षा के तहत योजना तैयारी के संबंध में भारत सरकार से प्राप्त दिशा - निर्देशों के अनुसार ओसेपा के सम्मेलन हॉल में वर्चुआल मोड में एक नवीकरण की कार्यशाला आयोजित हुई। जिला और फील्ड स्तर के पदाधिकारियों के साथ प्रभावी गतिविधियों के संबंध विस्तृत चर्चा होन के बाद सामग्र शिक्षा के तहत निम्नलिखित कदम उठाए गए।
- नए स्कूल खोलने, आवासीय सुविधाओं का उन्नयन, कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रस्तावों को समग्र शिक्षा के तहत भारत सरकार की आवश्यकताओं और दिशा - निर्देशों के अनुसार अंतिम रूप दिया गया है।
- पूर्व - प्राथमिक स्कूल की प्रगति और सुधार के लिए प्रस्ताव दिए गए थे।
- सिविल कार्यों के दौरान सभी अधूरे कार्यों को सही समय पर पूरा किया जाएगा और जरूरतों के अनुसार सिविल कार्यों को प्रस्तावित किया जाएगा।
- योजना में प्रस्तावित विद्युतीकरण सुविधा, कंप्यूटर अधिगम और आईटी प्रयोगशाला की स्थापना, विद्युतीकरण सही रूप से संयुक्त करना आदि सौर ऊर्जा के लिए योजना बनाई जाएगी।

- मौसमी छात्रावास, परिवहन / अनुरक्षण भत्ता योजना वास्तविक जरूरतों के मुताबिक बनाई गई थी।
- जिले के निश्चित प्रस्ताव / माँगों तथा दिशा - निर्देश के अनुसार अधिगम - शिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए योजना तैयार हुई।

26.5 अन्य विभागों के साथ अभिसरण

एसएसडी, आरडी, खेल - कूद, ऊर्जा, डब्लू एंड सीडी, स्वास्थ्य मंत्रालय, पंचायती राज, अग्नि सुरक्षा, ओएसडीएमए, गृह आदि विभागों के साथ अन्य सिविल समाजों के साथ भी अभिसरण एवं समन्वय पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया है और ओएसडीएमए और यूनिसेफ, सेव द चिल्ड्रेन, बीजीवीएस आदि जैसे नागरिक समाजो के साथ ओसेपा की निगरानी से सक्रिय अभिसारण किया गया है।
- निटि (NITI) आयोग की एसएटीएच - ई (SATH – E) परियोजना राज्यो में एक परिवर्तन रोड मैप को निष्पादन करने के लिए हो रही है। इसके परिणाम स्वरूप परिवर्तन के प्रयास को बनाए रखने और दोहराने राज्य और निटि (NITI) क्षमता को ठोस परिणाम के लिए विकसित किया जाता है।
- एसएंडएमई विभाग, पंचायती राज विभाग, एसटी व एससी विभाग, महिला और शिशु कल्याण विभाग स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग के मध्य अभिसरण बैठक हुई। यह बैठक समग्र शिक्षा के मानदंड और आरटीई नियमों के विभिन्न पहलुओं और विभिन्न क्षेत्रों में विभागों के शक्ति हस्तांतरण पर चर्चा करने के लिए की गई थी।
- शारीरिक दंड परिवहन, 25% कोटा के तहत प्रवेश के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम एनसीपीसीआर (NCPCR) के साथ अभिसरण में आयोजित किया गया है।
- राज्य स्कूल सुरक्षा परामर्श समिति सभा एसटी/ एससी विभाग, पंचायती राज, पीआर डब्लू, स्वास्थ्य और एफडब्लू आदि से अभिसरण हुआ है।

26.6 राज्य एवं जिला पदाधिकारियों का क्षमता - निर्माण

- समय शिक्षा के उन्मुखीकरण के अंतर्गत कार्यक्रम संबंधीय और वित्तीय मानदंड पर वर्चुआल मोड पर प्राप्त दिशा - निर्देशों के अनुसार वार्षिकी कार्ययोजना एवं बजट तैयार करने हेतु अभिमुखीकरण और दक्षता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

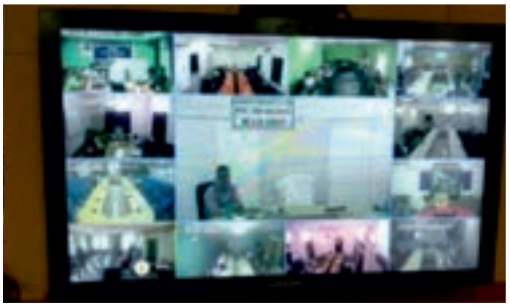

26.7. सरकारी स्कूलों को खेल - कूद अनुदान

खेलो इंडिया योजना के तहत राज्य ने जिला स्तर और स्कूली स्तर पर खेल - कूद बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्य किए गए हैं। तदनुसार सभी सरकारी स्कूलों को पीएबी द्वारा अनुमोदन, मानदंडों के अनुसार खेल अनुदान प्रदान किया गया है। सभी जिलों को कोविड प्रोटोकल के खेल और शारीरिक शिक्षा के तहत स्वीकृत धनराशि का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया गया था।

26.8. स्कूल सुरक्षा नीति

स्कूली स्तर पर आपदा प्रबंधन के तहत शुरू हुई कार्रवाई

- बच्चों की सुरक्षा पर एनडीएमए के दिशा - निर्देश सभी जिले, ब्लॉक और स्कूल केंद्रों को प्रदान किए गए।
- जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी घोषित किया गया। सारे जिलों को विद्यालय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन हेतु कार्य - योजना जारी हुई है।
- विद्यालय सुरक्षा पर राज्य, जिला, प्रखंड और विद्यालयी स्तर पर सलाहकार समिति गठन की गई हैं।
- स्कूल प्रबंधन समिति के प्रकार्य और गठन संशोधित दिशा - निर्देश प्रदान किए गए। प्राथमिक स्तर पर सुरक्षा / आपदा प्रबंधन पर एक अध्याय है।
- क्यूपीआर (QPR) नियमित रूप से एमआई, एनडीएमए, ओएसडीएमए (QPR मार्च 2022 तक) इस समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया और अनुमोदित हुआ।
- गैर - सहायता प्राप्त स्कूलों की सुरक्षा नर्म सुनिश्चित करने के लिए निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा से निवेदन किया गया।
- सभी जिलों को एक स्कूल विकास योजना, स्कूल आपदा प्रबंधन योजना के साथ एसडीएमपी फॉर्मेट और दिशा निर्देश में हैजड़ रिस्क प्रोफाइल की तैयारी वं संसाधनों का विकास संलग्न है। 70.40 स्कूलों ने आपदा - प्रबंधन योजना तैयारी का अनुपालन किया।
- स्कूली स्तर पर हैजर्ड हंट अभ्यास शुरू करने के लिए निर्देश दिया गया।
- सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से विद्यालय स्तर पर अग्नि व निकासी अभ्यास, अग्निशमकों के द्वारा प्रदर्शन अभ्यास, अग्निशामकों के संचालन पर प्रशिक्षण औदि आयोजन करने और व्याख्यान दने के लिए अनुरोध किया गया। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से स्कूलों में प्रदर्शन किए गए।
- स्कूल सुरक्षा पर शिक्षा प्रशासकों जैसे बीईओ, डीईओ, बीआरसीसी, सीआरसीसी, शिक्षकों और एसएमसी सदस्यों का क्षमता - निर्माण हुआ। सभी जिलों को समस्त जिला समीक्षा बैठकों (डीआरएम) में स्कूल सुरक्षा को एजेंट के रूप में शामिल करने के लिए कहा गया।

सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण (NISTHA) के माध्यम से स्कूल सुरक्षा पर शिक्षकों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है।

- राज्य स्तर पर सुरक्षा नीति के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा सरकार के मुख्य सचिव एसएंडएमई विभाग और एसपीडी ओसेपा द्वारा नियोमित रूप से की जा रही है।
- सभी डीईओ और डीपीसी को निर्देश जारी किया गया कि वे पीआरआई के माध्यम से स्कूल खोलने से पहले स्कूल छात्रावासों की मरम्मत और रखरखाव सुनिष्चित करें ताकि कोविड - 19 के दौरान और बाद में सुरक्षित और उत्तम बने रहें।
- प्राकृतिक खतरों, बाढ़, भूकंप, चक्रवात्, भूस्खलन के लिए संख्यात्मक रूप से मजबूत इमारतों के डिजाइन को सुनिश्चित करने के लिए ओएसडीएमए द्वारा एक दिशा - निर्देश विकसित किया गया है।
- लचीले स्कूली भवन को भी जिला अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों एवं वरिष्ठ टीसी के प्रयासों के साथ साझा किया गया।
- **एसएसपी (10 सूत्री हस्तक्षेप) के कार्यान्वयन के संदर्भ में एनडीएमए द्वारा प्रयासों की सराहना किया गया है।**

26.9. शिक्षा के अधिकार के तहत की गई कार्रवाई

- सरकरी स्कूलों में आरटीई के तहत स्कूल विकास योजना बनाई गई है।
- शिक्षकों के लिए शिकायत निवारण समिति को अधिसूचित कर दिया गया है।
- सभी जिलों को नकल मारने के कदाचार कार्यों पर अंकुश लगाने के लिए दिशा - निर्देश प्रसारित किए गए।
- आरसीईएफसीई, अधिनियम - 2009 की धारा 12.1 के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया के लिए दिशा - निर्देश प्रसारित किया गया।
- आरटीई के कार्यान्वयन के कारण सामुदायिक लामबंदी और जागरूकता का कार्य किया गया।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा स्कूल सुरक्षा का दिशा - निर्देश जारी हुआ। 24. RTE PARADARHI PORTAL भी कार्यान्वित हुआ।

27. आरसीएफसीई अधिगम - पारदर्शि

परिचय

ओड़िशा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग समूह (ईडब्लूएस) और अनुपयोगी दल (डीजी) के निजी स्कूलों में बच्चों के प्रवेश के लिए उनके मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार नियम, 2010 के अनुसार यह प्रावधान ऑनलाइन मोड में लागू किया जा रहा था। 2021 - 22 शैक्षणिक वर्ष से आरटीई पारदर्शी पोर्टल (www.rteparadarshi.odisha.gov.in) के माध्यम से निजी गैर - सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रवेश स्तर की कक्षा में 25% आरक्षित सीटों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को स्कूल और जनशिक्षा विभाग (एसएंडएमई विभाग, ओड़िशा सरकार) द्वारा अपनाया गया और कार्यान्वित भी किया गया था। इस प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय (डीईई) नोडाल विभाग और एक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई(पीएमयू) है जिसमें डीईई, ओसेपा, नीक, ओकाक के सदस्य शामिल हैं। इंडस एक्सन की स्थापना निरंतर अवधिक निगरानी के लिए की गई थी। आरटीई पारदर्शी पोर्टल का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री ने 23 फरवरी, 2022 को मुख्य सचिव, स्कूल व जन शिक्षा विभाग की उपस्थिति में किया था।

- ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया
- ओड़िशा सरकार से मान्यता प्रमाण - पत्र (सीओआर) प्राप्त निजी स्कूल इस पोर्टल में अपना पंजीकरण करेगा। आरसीएफसीई अधिनियम धारा 12.1 के तहत सीट की अपलब्धता के संबंध में घोषणा करनी होगी।
- योग्य विवेचित छात्र अपनी पसंद से नजदीक स्कूल में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन - पत्र जमा कर सकते हैं।
- छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन - पत्र संबंधित बीईओ के द्वारा सत्यापित होगा। वे उन्हें राज्य स्तर पर केंद्रीभूत लॉटरी प्रणाली के माध्यम से स्वीकृति देंगे।
- एक केंद्रीकृत लॉटरी प्रणाली के द्वारा बच्चों को उनकी पसंद मुताबिक स्कूल में प्रवेश लेने के लिए सीट आवंटित होती। ताकि चयनित बच्चे स्कूल में आठवीं कक्षा तक अपनी शिक्षा पूरी कर सके।
- आरसीएफसीई अधिनियम, धारा 12.1.c के तहत निजी स्कूलों को प्रवेश प्राप्त छात्रों से कोई शुल्क लेने की अनुमति नहीं है।
- ओसेपा में स्थापित कमांड कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) पंजीकरण की प्रगति के लिए स्कूलों के छात्रों को मदद करता है।

प्रगति

- इस पोर्टल में 2021 - 22 शैक्षणिक सत्र के लिए 4470 निजी स्कूलों का पंजीकरण हुआ है।
- 8282 आवेदन - पत्र प्राप्त किए गए हैं जिनमें से 4464 ने स्कूल में दाखिला लिया है।

28. स्कूल छात्र हेल्पलाइन

6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए भारतीय संसद द्वारा 2009 में बच्चों के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित किया गया था। यह अधिगम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 (A)के अनुसार शैक्षिक अवसरों में समानता प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। आरटीई अधिगम, 2009 की धारा 32 (1) बच्चों की शिकायत को एक प्रमुख घटक क रूप में ध्यान रखने पर जोर देता है। बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए सरकार द्वारा समय - समय पर विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित किया जा रहा है। किसी भी कार्यक्रम को आरंभ करने के बाद उसके सफल क्रियान्वयन के लिए बहुत - सी बातें पर ध्यान रखना पड़ता है, जैसे कि कार्यक्रम का प्रभाव, कार्यक्रमों की बैक ड्रॉप को किताबी लाभ मिलता है। क्षेत्रों की वास्तविकता जानने के लिए, स्कूल छात्र हेल्पलाइन की स्थापना की है ताकि बच्चों को उनके स्कूल में होने वाली समस्याओं का पता लगाया जा सके और उनका समाधान किया जा सके। एक बच्चा सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए टोल फ्री नंबर 1800 - 3456722/144417 के साथ ऑनलाइन (www.studenthelpline.odisha.nic.in) के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है।

हेल्पलाइन के मामलों की स्थिति

स्कूल के छात्र हेल्पलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीके से काम कर रहा है।इस कामकाज के समय मामलों को दर्ज करने के लिए चौबीस घंटे हैं, यानी सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक क्रमशः ऑनलाइन और ऑफलाइन है। शिकायतों को प्राप्त करने के अलावा यह शिक्षकों के साथ साथ प्रशासन के साथ भी समन्वय में स्कूल संबंधी समस्याओं को सुलझने के लिए माता - पिता - अभिभावक एवं समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक संगठित इकाई के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा यह बच्चों तथा माता - पिता को परीक्षा तथा आवश्यकताओं के समय अपने सुझाव द्वारा समर्थन करता है। 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 के दौरान कुल 754 उपयुक्त मामले प्राप्त हुए हैं। 2021 - 22 वित्तीय वर्ष में जिलेवार से ग्राफिकल तैयारी प्राप्त हुई हैं।

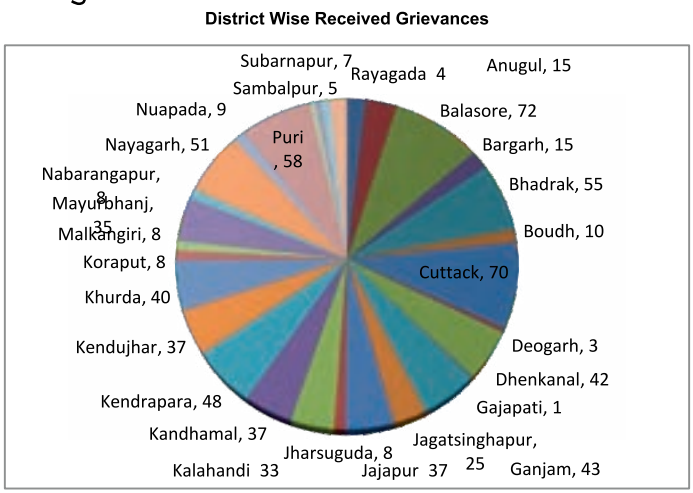

आरेख - 1 दर्शाता है कि बालेश्वर और कटक में प्राप्त मामलों की संख्या अधिकतम और देवगढ़ और गजपति में न्यूनतम मामले हैं।

आरेख - 2

2021 - 22 के दौरान प्राप्त श्रेणीवार शिकायतों की स्थिति

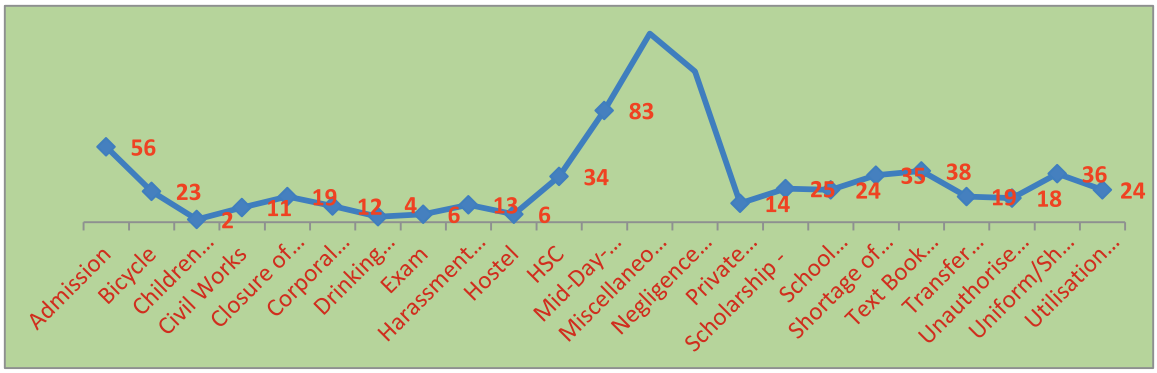

आरेख - 2 कर्तव्य में लापरवाही, मध्याह्न भोजन व विविध कार्यों के मामलों की अधिकतम संख्या

गतिविधियाँ :

कोविड़ - 19 महामारी की स्थिति ने दो से अधिक समय तक स्कूलों को बंद करने के लिए मजबूर किया जिससे महत्वपूर्ण सामाजिक अलगाव हुआ। इसे बच्चों के व्यवहार परिवर्तन के विकास के समय सबसे महत्वपूर्ण कारण माना गया। इसलिए शैक्षणिक वर्ष 2021 - 22 के दौरान बच्चों की मानसिक शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर ध्यान दिया गया। दसवीं कक्षा की परीक्षा की तैयार के लिए छात्रों का तनाव न केवल भारत में बल्कि दूर विश्व में एक बढ़ती समस्या है। पता नहीं, लोग अपनी जान बेवजह जोखिम में डालते हैं। परीक्षा बच्चों के लिए महत्वपूर्ण कारणों में से एक है। शैक्षणिक वर्ष 2021 - 22 के दौरान कोविड - 19 महामारी के कारण स्कूलों को बंद कर दिया गया। सरकार ने ऑनलाइन के माध्यम से बच्चों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया। हालाँकि डिजिटल डिवाइस की उपलब्धता, नेटवर्क संयुक्त न होने के कारण छात्र पर्याप्त संख्या में बच्चों में परीक्षाजनक भय उत्पन्न होने की संभावना है। अतः परीक्षा के भय को दूर करने, बिना भय से एएचएससी (AHSC) परीक्षा में बैठने के लिए दिसंबर 2021 के महीने में एएचएससी परीक्षा देने वाले दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए परीक्षा के लिए आसान टिप्स पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस साझा के मुख्य बिंदु थे - अध्ययन की विधि, समय - सारणी की तैयारी, समयानुसार सभी प्रश्नों प्रभावी ढंग से उत्तर देना, विषय वार आसान टिप्स, परीक्षा के समय माता - पिता का बच्चों को गाइड करने का टिप्स, शिक्षकों का बच्चों को गाइड करने को गाइड करने का टिप्स आदि। इस कार्यक्रम के दौरान कुल 8830 स्कूल शामिल हैं।

स्कूली स्तर पर परामर्श

परामर्श विशेषतः व्यक्तिगत, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक समस्याओं और कठिनाइयों को हल करने के लिए, विशेष करके एक प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा ग्राहकों की सहायता और मार्गदर्शन की प्रक्रिया है। एक सुरक्षित तथा गोपनीय वातावरण में उनकी समस्याओं और जटिल भावनाओं पर चर्चा करने के लिए यह आवश्यक है। इस शब्द का अर्थ भिन्न - भिन्न लोगों के लिए अलग - अलग हो सकता है; लेकिन आम तौर पर यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे लोग तब चाहते हैं जब वे अपने जीवन में कुछ बदलना चाहते हैं या अपने विचारों और भावनाओं को अधिक गहराई से बदलना चाहते हैं। स्कूली स्तर पर परामर्श कार्यक्रम एक्सप्लोर स्कूल छात्र हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त दुर्व्यवहार के मामलों का एक अनुवर्त् कार्यक्रम है। बच्चों को कभी - कभी असहज स्थितियों का सामना करना पड़ता है जो या तो वे दुर्व्यवहार की अवधारणा के बारे में नहीं जानते या दूसरों के सामने व्यक्त करने से डरते हैं और बाद में पीड़ित होते हैं। ऐसे स्कूल में शिक्षक और घर पर माँ बच्चे को ऐसी अप्रिय स्थिति से उबरने में मदद कर सकती है। लेकिन एक बच्चा शिक्षक/ माँ को ऐसी नाजुक बातें साझा करने में सहज या स्वतंत्र महसूस करता है यदि वह उसके करीब है। ऐसी निकटता तभी संभव हो सकती है जब उनके बीच नियमित रूप से वार्तालाप हो। इसे ध्यान में रखते हुए दिसंबर - जनवरी 2019 के दौरान दूर राज्य में 900 स्कूलों में पायलट के आधार पर क सतत कार्यक्रम शुरू हुआ। लेकिन कोविड महामारी की स्थिति के कारण जनवरी 2022 में स्कूल खोलने के तुरंत बाद कार्यक्रम को रोक दिया गया और पुनः शुरू भी कर दिया गया।

क्षेत्रों से फीडबैक प्राप्त करने के पश्चात देखा गया गया कि परामर्श सत्रों के कारण बच्चों के आत्म - विश्वास का स्तर मजबूत हुआ है एवं उनके दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को सुलझाने का अवसर पैदा हुआ

सफलता की कहानी

1. श्रीरामपड़ा, उच्चप्राथमिक स्कूल, कंधमाल जिले की कौंसिलर निरूपमा प्रधान, कौंसिलिंग के माध्यम से बदमाशी रोकने के लिए सक्षम हुईं। रीना पट्टनायक (परिवर्तित नाम) सातवीं कक्षा की बहुत अच्छी छात्रा है। वह अपनी उपस्थिति में बहुत नियमित है। परंतु अचानक उसने स्कूल जाना बंद कर दिया। कौंसिलर ने इस मुद्दे पर प्रधान शिक्षक से चर्चा की। उन्होंने तुरंत रीना की माँ से संपर्क किया और पता चला कि रीना स्कूल जाने के लिए झिझक रही है क्योंकि उसे स्कूल जाने के समय एक बदमाश छात्र धमका रहा है। कौंसिलर को तुरंत रीना के वर्ताब में बदलाव (उसके डरने और खिड़की से बाहर की ओर देखने की) याद आयी जो उसने कई दिनों से देखा था। फिर प्रधान शिक्षक के सहयोग से लड़के के साथ - साथ रीना की भी कौंसिलिंग बंद कर दिया और रीना हमेशा की तरह स्कूल जाने लगी।
2. पाँचवीं कक्षा में लक्ष्मीप्रिया पढ़ाई में अच्छी है। वह स्कूल नियमित जाती है और बहुत क्रियाशील है। शिक्षिका ने कक्षा में उसकी असावधानी पर ध्यान दिया और इसका कारण जानना चाहा। लेकिन जान ल सकी। एक दिन लक्ष्मीप्रिया के पिताजी शिक्षक के पास आए और अपने दोनों बच्चों को उनके पैतृक स्थान पर ले जाने के लिए निवेदन किया। थोड़ी देर बाद लक्ष्मी का भाई बैग लेकर वहाँ आ पहुँचा। लेकिन लक्ष्मी अपने पिता के साथ जाने में हिचकिचाने लगी। इस हालत में बेचैन होकर खुद कौंसिलर लक्ष्मी के पास गए और उसे स्नेह से गले लगाया और कारण पूछने लगे। लक्ष्मीप्रिया ने उत्तर दिया कि वह अपने पिता के साथ जाना नहीं चाहती क्योंकि वे हमेशा शराब पीते हैं। कौंसिलर ने यह जानकर स्थिति को संभाला। लक्ष्मी को बहुत कुछ करना है, इसलिए वह उसके साथ नहीं जा सकती। लक्ष्मी ने अपनी और परिवार के अन्य सदस्यों से अपने पिता के व्यवहार के बारे में जिक्र किया। अगले दिन लक्ष्मी की माँ को कैंसिलर ने बुलाया। विस्तार से चर्चा करने के बाद दोनों ने एक उपाय सोचा कि लक्ष्मीप्रिया अपने घर पर रहेगी। मामा का घर उसके घर से 500 मीटर दूरी पर है और वहाँ वह अपनी पढ़ाई जारी रखेगी। उसी दिन से लक्ष्मीप्रिया बिना किसी बाधा से अपनी शिक्षा जारी रखती है।

29. परियोजना प्रबंधन

कार्यकारी समिति

ओसेपा की दूसरी कार्यकारी समिति बैठक

दिनांक 24.09.2021 अपराह्न 04 बजे मुख्य सचिव की अध्यक्षता, ओड़िशा - सह - अध्यक्ष कार्यकारी समिति, ओसेपा में दूसरी कार्यकारी समिति की बैठक हुई।

ईसी की क्षमता और प्रकार्य : कार्यकारी समिति हासिल करने का उत्तरदायित्व है। कार्यकारी समिति सभी प्रशासनिक वित्तीय और शैक्षणिक प्राधिकारण का प्रयोग करेगी एवं संबंधीय पद सृष्टि करने तथा नियमानुसार नियुक्ति प्रदान करने की क्षमता भी रखती है।
ईसी की बारंबारता : कार्यकारी समिति की बैठक जरूरत पड़ने पर होगी। परंतु हर साल प्रत्येक तिमाही में कम - से - कम एक बार बैठक होगी।

ओसेपा की दूसरी ईसी बैठक में निम्नलिखित चर्चाएँ हुईं और अनुमोदित भी हुईं :

- पहली ईसी बैठक, ओसेपा की कार्यवाही की पुष्टि की गई। ओसेपा की पहली ईसी बैठक के अनुपालन को मंजूरी भी दी गई।
- और 2019 - 19 और 2019 - 20 के तहत समग्र शिक्षा की वार्षिक रिपोर्ट और लेख परीक्षण विवरण का अनुमोदन हुआ।
- सत्र 2019 - 20, 2020 - 20 और 2021 - 22 के लिए समग्र शिक्षा की वार्षिक रिपोर्ट के लिए मंजूरी मिला।
- स्टार्स (STARS) के कार्यन्वयन के लिए स्वीकृत प्रदान की गई।
- स्टार्स के तहत एसपीएमयू (SPMU) की स्थापना के लिए स्वीकृत प्रदान की गई।
- उपस्थिति ऐप, ई - मूल्यांकन, ई - पाठशाला, सरल ऐप, ओड़िशा स्कूल प्रबंधन प्रयोग आदि ऐप के प्रकार्य के लिए मूल्यांकन किया गया / कार्यकारी समिति (ईसी) के समक्ष आवश्यकतानुसार अधिकारियों के उन्नयन पदों के सृजन, वेतन निर्धारण, भर्ती की मोड, बजट तैयारी, योग्यता, चयन प्रक्रिया, सेवा - शर्त, वेतन और भत्ता, खरीद प्रक्रिया, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन, निधि का निवेश, खातों का रख - रखाव, लेखा परीक्षा, टीए नियम आदि संस्तुति के लिए रखे गए।

राज्य परियोजना कार्यालय, ओसेपा की संस्वीकृत एवं रिक्त पदों की स्थिति				
क्र.सं.	**पदनाम**	संस्वीकृत	उपस्थित	रिक्त
1	राज्य परियोजना निदेशक	1	1	0
2	अपर निदेशक	3	3	0
3	संयुक्त निदेशक/ उप निदेशक	13	13	0
4	सहायक निदेशक	6	2	4
5	प्रापण अधिकारी	1	1	0
6	वित्त अधिकारी	1	1	0
7	सहायक निदेशक (एमआईएस)	1	0	1
8	सहायक निदेशक (योजना)	1	1	0
9	राज्य परियोजना निदेशक के निजी सचिव	1	1	0
10	मीडिया समन्वयक	1	1	0
11	कार्यक्रम प्रशासक	1	1	0
12	नेटवर्क प्रशासक	1	1	0
13	प्रशिक्षण सहायक	3	3	0
14	वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक	3	3	0
15	समन्वयक	9	8	1
16	प्रोग्रामर	8	7	1
17	लेखाकार (राज्य स्तरीय)	4	4	0
18	लेखा परीक्षक	2	2	0
19	वित्तीय सलाहकार	1	1	0
20	तकनीकी सलाहकार	3	3	0
21	वरिष्ठ आशुलिपिक	4	4	0
22	वरिष्ठ कार्यालय सहायक	3	3	0
23	पुस्तकाध्यक्ष	1	1	0
24	कानूनी सहायक	1	1	0
25	कनिष्ठ आशुलिपिक	6	4	2
26	कार्यक्रम सहयोगी	1	1	0
27	कार्यक्रम सहायक	2	0	2
28	कोषपाल	1	1	0
29	बिजली मिस्त्री	1	1	0
30	कार्यालय सहायक	5	5	0
31	डेटा एंट्रि प्रचालक	10	10	0
32	प्रेषक	2	1	1
33	ड्राइवर	6	5	5
34	चपरासी	11	11	0
35	माली	1	1	0
36	पहरेदार	2	0	2
37	झाड़ूदार	2	2	0
38	समन्वयक (स्कूल छात्र हेल्प लाइन)	4	4	0
	कुल	127	109	18

30. वित्त प्रबंधन

1. एसएनए और पीएफमएस के माध्यम से निधि प्रबंधन की नई प्रक्रिया का कार्यान्वयन

- प्रारंभिक गतिविधियाँ जैसे एकल नोडल एजेंसी की घोषणा, एकल नोडल की खाता खोलना आदि कार्य पूर्ण की गईं।
- सभी कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए (55111) संख्या के लिए शून्य बालान्स में खाता खोले गए हैं।
- पीएफएमएस में ब्लॉक स्तर तक जेडबीए की मैपिंग दूरी हो चुकी है।
- ब्लॉक स्तर तक वित्तीय लेनदेन पीएफएमएस और एकल नोडल खाते के माध्यम से किया जा रहा है।
- छह जिलों में स्कूल स्तर तक एसएनए के माध्यम से लेन - देन कार्य शुरू हुआ।
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस में बैंकिंग सॉफ्टवेयार में शामिल किया गया है।

2.अग्रिम बकाया का समायोजना

- नियमित रूप से साल भर प्रतिदिन बकाया अग्रिम पर कड़ी निगरानी की गई है। इसके परिणाम स्वरूप Rs 1415. 92 करोड रुपए समायोजित हुए। वित्तीय वर्ष 2020 - 21 तक Rs 1688.33 करोड रुपए बकाया हैं जो 84% w.r.t OA प्रति है।

3. **प्रबंध (PRABANDH) में व्यय अपलोडिं**

- प्रबंध पोर्टल में लेख परीक्षा बजट और व्यय एसपीओ एवं जिले स्तर पर निर्धारित समय पर नियोमित रूप से किया गया है।

4. लेख परीक्षा

- आंतरिक लेखा परीक्षा और सांविधिक लेखा परीक्षा एसएस पर एफएमपी मैनुअल में विस्तृत शर्तें के सख्ती से पालन किया गया था। यह यूसी के साथ वित्तीय वर्ष 2020 - 21 की सांविधिक लेख परीक्षा रिपोर्ट भारत सरकार को 01.11.21 को भेजी गई।

5. व्यय की निगरानी

- पीएबी (PAB) में अनुमोदित सभी गतिविधियों की व्यय निगरानी मासिक आधार पर की जाती थी।

6. क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- सभी जिला स्तर के पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण कार्यक्रम एसपीओ में वर्चुआल और ऑफलाइन मोड पर पीएफएमएस (PFMS), एसएनए (SNA) आदि को शामिल करके किया गया था।

31. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा

1. डिजिटल अधिगम की गतिविधियाँ

सात प्रमुख उच्चतर माध्यमिक स्कूलों की कक्षा XI और XII के छात्रों के लिए यू - ट्यूब (YOUTUBE) लाइव स्ट्रीमिंग कक्षाएँ जो राज्य भर के सभी छात्रों द्वारा लाइव कक्षा के दौरान या उनकी सुविधा के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

2. शिक्षा दर्पण

कक्षा XI और XII के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम आधारित वीडियो पाठ 'शिक्षा दर्पण' कार्यक्रम के तहत दूरदर्शन में सोमवार से शुक्रवार तक दिन में दो घंटे प्रसारित किए जाते हैं।

3. छात्रवृत्ति

I. पठाणी सामंत मैथमैटिक टैलेंट स्कॉलरशिप (PSMTS)

ओड़िशा राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल से 2021 - 22 के दौरान कक्षा XI और XII में पढ़ने वाले 2000 छात्रों को @Rs. 5000/- और @ Rs. 1000/- रुपए (प्रत्येक) गणित प्रतिभा छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पहली बार पुरस्कार पाने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति राशि के अलावा ई - प्रमाण पत्र भी प्रोत्साहित करने के लिए प्रदान किए गए।

II. जूनियर मेरिट स्कॉलरशिप

सरकारी / सरकारी सहायता प्राप्त /निजी स्कूलों में पढ़नेवाले गरीब और मेधावी छात्रों को सीएचएसई, सीबीएसई, आईसीएसई आदि विभिन्न बोर्डों के तहत 2021 - 22 में राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से हर साल 3000/- रुपए जूनियर मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

4. पीजीटी नियुक्ति चयन

ओपीएससी स्तर पर 17 सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों 335 स्नातकोत्तर (पीजीटी) शिक्षकों की अनुमति के लिए चयन प्रक्रियाधीन है। गैर - सरकारी सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में 1543 स्नातकोतर शिक्षकों की भर्ति प्रक्रिया भी सरकारी स्तर पर चल चल रही है।

5.अतिथि संकाय

45 सरकारी उच्चतम माध्यमिक स्कूलों में 315 अतिथि संकायों को नियमित अध्यापकों के अभाव के कारण अध्यापन - अधिगम के लिए नियुक्ति मिली है।

6.मो (मेरी) सरकार

सरकारी योजनाओं पर फीड बैक प्राप्ति करने और विभिन्न शिकायतों के निवारण के लिए मो (मेरी) सरकार के तहत सितंबर 2021 से विभिन्न लाभार्थियों का एमओ सरकार 1210 कॉल किए गए हैं।

7.छात्र शैक्षिक प्रबंधन प्रणाली (SAMS)

ई - प्रवेश प्रक्रिया को सरल, तेज, किफायती और पारदर्शी बनाने के लिए एसएमएस के माध्यम से 2021 - 22 के दौरान कक्षा XI में 3,85,094 छात्रों को विभिन्न विषयों में प्रवेश मिला। कोविड की स्थिति पर एचएससी परीक्षा की पास दर में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए विभिन्न एचएससी में कुल 56074 सीटें बढ़ाई गईं।

ई - प्रशासन एतएससी पहचान पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रों से एकत्र शल्क की रिकॉर्ड, विषयों और वर्गों का आवंटन, दीर्घ रेजिस्टर, उपस्थिति का रखरखाव, एचएससी स्तर की परीक्षा के प्राप्तांकों का सारणीकरण (टैबुलेशन), एचएससी छोड़ने का प्रमाण - पत्र आदि के डेटा बेस का उपयोग होता है।

8.उच्चतर माध्यमिक स्कूलों का आधुनिकीकरण

रायगड़ा, गजपति, देवगढ़, बालेश्वर, अनगोल, खुर्द्धा, मयूरभंज, जगतसिंहपुर, केंउझर जिलों के 09

उच्चतर माध्यमिक स्कूलों को कुल Rs 34,15,000/- रुपए स्मार्ट क्लासरूम और स्मार्ट क्लास रूम और आईटी केंद्रों के लिए उपयोग किए गए हैं। ई - कंटेंट के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षण कौशलों को उन्नत करने के लिए सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। यह ST पहल के तहत मुख्य घटकों में से एक है और धीरे - धीरे सभी 30 जिलों को शामिल करेगा।

9. गैर - सरकारी सहायता उच्चतर माध्यमिक स्कूलों की भवन संरचना का विकास

स्कूलों के निर्माण तथा बुनियादी भवनों की मरम्मत एवं विस्तार के लिए 69(488 से 22 और 662 662 से 47) कुल Rs 13,83,68,000/- रुपए दिए गए हैं।

10. प्रयोगशाला उपकरण : इस निदेशालय की स्थापना के वित्तीय वर्ष 2017 - 18 से 2020 - 21 तक सरकारी और गैर - सरकारी स्कूलों में प्रयोगशाला उपकरण खरीदने के लिए कुल Rs 134.06.000/- दिए गए।

11. ई - मूल्यांकन

एचएसएस स्तर के बारहवीं कक्षा के छात्रों की वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ई - मूल्यांकन के लिए पाँच करोड रुपए अनुदान दिए गए।

12. रेड क्रॉस कार्यक्रम

राज्य स्तरीय प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु यूथ रेडक्रॉस कार्यक्रम के तहत सचिव, रेडक्रॉस सोसाइटी को वित्तीय वर्ष के लिए पाँच लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है।

13. एक्सग्रटिआ

सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के मृत कर्मचारियों के 62 कानूनी वारिसों को दो लाख रुपए की दर अनुग्रह राशि स्वीकृत की गई है।

14. जीआईए के वेतन के लिए 435.22 करोड़ रुपए की राशि आहरित कर वेतन जारी करने के लिए विभिन्न लेखा हेड में वितरित की गई है।

15. 30 नए एचएसएस और 400 कर्मचारियों के लिए सहायता अनुदान स्वीकृत किया गया है। तदनुसार उन्हें मार्च 2021 से फरवरी 2022 तक वर्तमान का भुगतान किया गया है।

16. अलग - अलग एचएसएस से 100 करोड़ रुपए की पार्किंग धनराशि एकत्रित कर ट्रेजरी चलान के माध्यम से जमा करायी गयी।

17. सत्र 2021 - 22 के दौरान उच्च शिक्षा विभाग और स्कूल व जन शिक्षा विभाग के तहत 1050 सरकारी संचालित सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कक्षा XI की 1,59,363 बालिकाओं को आत्म - सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए 30 नोडल एचएसएस ने गतिविधियों संयोजन किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्य और जिला स्तर पर कड़ी निगरानी भी की गई है।

इसके अलावा 2021 - 22 में समग्र शिक्षा के तहत सभी सरकारी उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में बालिकाओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई आत्म - सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित हुआ।

18. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मो (मेरा) स्कूल अभियान : 'मो स्कूल' अभियान के तहत पूर्व छात्रों से जुड़े कार्यक्रम को 2021 - 22 के दौरान सरकार और सरकारी सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक बढ़ा दिया गया है।

19. 2021 - 22 में 19 ट्रोडों में सरकारी व्यावस्यिक उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में 5663 छात्रों ने दाखिला लिया है।

32. टीई एंड एससीईआरटी

प्रारंभिक बाल्यवस्था की देखभाल और शिक्षा (ECCE)

प्ले क्लास मॉड्यूल का विकास (बालवाटिका के लिए) :

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के सार्वभौमिक पर जोर देती है। ईसीसीई या प्री - स्कूल शिक्षा NEP - 2020 की सिफारिश के अनुसार कक्षा 1 और 2 कक्षा के साथ मूलभूत चरण में आती है। चूँकि 85% मस्तिष्क का विकास 3 - 6 साल की उम्र के दैरान होता है, इसलिए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए देखभाल की जानी चाहिए। अतः अंगनबाड़ी कर्मी जो प्रारंभिक बाल्यवस्था शिक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें उचित रूप से उन्मुक्त होना चाहिए ताकि वे विभिन्न आनंदमय गतिविधियों को लागू करके बच्चों के सर्वांगीण विकास की देखभाल कर सकें। इसी संदर्भ में डीटीई और एससीईआरटी में अंगनबाड़ी कार्य - कर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए एक प्ले क्लास मॉड्यूल विकसित किया गया है।

उद्देश्य : बच्चों के समग्र विकास के लिए खेल वर्ग के तौर - तरीकों और महत्व पर अंगनबाड़ि कार्यकर्ताओं की क्षमता का निर्माण करना इसका उद्देश्य है।

नींव साक्षरता और संख्यात्मरकता (एफएलएन)

1. **एफएलएन कार्यक्रम के लिए 5 वर्ष के रोडमैप का विकास**

एक परिप्रेक्ष्य योजना एक लंबी अवधि का दस्तावेज है जो लक्ष्य और कार्यान्वित की रणनीति प्रदान करता है। दीर्घकालिक विकास के लिए उद्देशों और लक्ष्यों में एक ब्लू - प्रिंट है और इसे कुछ छोटी योजनाओं में विभाजित किया गया है। वह वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाता है। शिक्षक शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी ने वार्षिक आधार पर FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 5 वर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना विकसित की है ताकि मिशन के उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके।

उद्देश्य : राज्य में FLN कार्यक्रम के लिए कार्य योजना विकसित करना और 5 साल के परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से देखना इसका उद्देश्य है।

2. FLN लक्ष्य पर पोस्टरों का अनुवाद और प्रासंगिकीकरण

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने FLN के लिए बालवाटिका से ग्रेड 3 तक NIPUN भारत लक्ष्य बालवाटिका से इन पोस्टरों के समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए विकसित किया गया है ताकि वे मिशन की सफलता के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकें।

इस संबंध में DTE & SCERT ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित FLN के लक्ष्य को बालवाटिका से तीन भाषाओं में भाषांतर किया है और उन्हें स्कूल में प्रकाशन और वितरण के लिए OSEPA को भेजा है।

उद्देश्य : FLN कार्यक्रम के लक्ष्य के बारे में समुदाय के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करना।

3. शिक्षण और अधिगम सामग्रियों का विकास

डीटीई व एससीईआरटी (DTE और SCERT) ने भाषा और शिक्षा फाउंडेशन (FLN) और अक्षरा फाउंडेशन (AF) के सहयोग से एनईपी 2020 के अधिदेश के अनुसार शिक्षण और सीखने की सामग्री विकसित की है। इन सामग्रियों को उन कार्यशालाओं में विकसित किया गया

था जहाँ शिक्षाविशारद और SRG सदस्यों ने भाग लिया था। कक्षा 1,2,3 के लिए निम्नलिखित सामग्रियों का विकास हुआ है।

- 20 बड़ी किताबें
- ग्रेड 1 और 2 के लिए पढ़ाई की पुस्तकें
- साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए कार्यपुस्तिकाएँ
- अक्षरों एवं मात्रा कार्ड
- कहानी कार्ड
- कविता कार्ड
- पोस्टर चित्र
- ग्रेड 1 और 2 के लिए डिकोडिंग ग्रिड

उद्देश्य : इन सामग्रियों का उपयोग करके FLN के लक्ष्य को प्राप्त करना।

4. शिक्षक व्यावसायिक विकास

राज्य संसाधन समूहों (SRG) का चयन एक विजन टेस्ट के माध्यम से किया गया था। SRG सदस्यों को FLN कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर उन्मुख किया गया है। DIET के सभी संकायों और DRG सदस्यों को दीक्षा प्लैटफॉर्म (NISHTHA 3.0) पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। FLN सामग्री उपयोग पर एक शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है और डाइट संकायों और SRG का प्रशिक्षण जारी है।

उद्देश्य :

- FLN संदर्भ में शिक्षकों के शिक्षण कौशल को बढ़ाना।
- FLN संदर्भ में अकादमिक समर्थकों के परामर्श कौशल को बढ़ावा देना।

5. शैक्षणिक सहायता प्रदान

FLN कार्यक्रम के सहायता सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य में 15 राज्य संरक्षक, 240 एसआरजी, लगभग 900 डीआरसी और 5000 सीआरसीसी और आरजी ने सहायता प्रदान की है। DIET के संकाय अपने पसंदीदा ब्लॉक के CRCC को DIET – CRCC लिंकेज के माध्यम से शैक्षणिक सहायता प्रदान कर रहे हैं। राज्य के अधिकारियों पर जिलों की FLN गतिविधियों की निगरानी और सलाह देने का काम भी सौंपा गया है।

उद्देश्य :

- LFN कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक परामर्श तंत्र बनाना।

- कक्षा लेनदेन पर CRCC और शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन और पाठ्यपुस्तक विकास

1. **हिंदी, बंग्ला, तेलगू और उर्दू भाषाओं (कक्षा - I से Viii) में भाषांतर ओड़िआ पाठ्यपुस्तकों की तैयारी।**

कक्षा I से V तक पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद हिंदी, बांग्ला, तेलगू और उर्दू भाषा में किया गया। कक्षा VI से VIII तक हिंदी, बांग्ला, तेलगू और उर्दू भाषा में अनूदित ओड़िआ पाठ्यपुस्तकों की तैयारी प्रक्रियाधीन है।

2. **उर्दू शब्दकोश का विकास (ओड़िआ - अंग्रेजी - उर्दू और उर्दू - ओड़िया - अंग्रेजी)**

ओड़िशा के लोगों के लिए पहली बार उर्दू डिक्शनारी तैयार की गई है। उर्दू शब्दकोश की पांडूलिपि के विकास के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। (ओड़िआ - अंग्रेजी - उर्दू और उर्दू - ओड़िआ - अंग्रेजी)

3. **वित्तीय साक्षरता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण और खाद्य सुरक्षा पर पूरक सामग्री का विकास।**

SCERT ने कक्षा VI, VII, VIII के बच्चों के लिए वित्तीय साक्षरता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण और खाद्य सुरक्षा पर पूरक पठन सामग्री का विकास किया गया है।

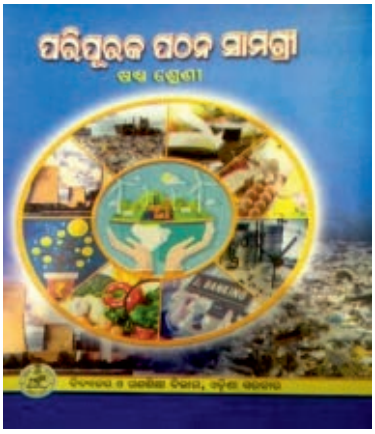

4. **प्रौढ़ शिक्षा की नई योजना "पढ़ना - लिखना अभियान" प्राइमर का ओडिया भाषा में अनुवाद।**

प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के अनुरोध के अनुसार प्रौढ़ शिक्षा की नई योजना 'पढ़ना - लिखना अभियान' प्राइमर का अनुवाद ओड़िया भाषा में किया गया है।

5. **NEP 2020 के अनुवर्तन के रूप में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे के विकास शीर्षक कार्यक्रम के तहत SCF के विकास के संबंध में जिला स्तरीय परामर्श का संचालन।**

दो - दिवसीय "NEP 2020 के अनुवर्ती के रूप में NCF के तहत SCF के विकास पर जिला स्तरीय परामर्श का पायलटिंग कार्यक्रम" का आयोजन TE &SCERT निदेशालय, ओड़िशा, भुवनेश्वर द्वारा NCERT, नई दिल्ली के सहयोग से 15 और 16 नवंबर को ELTI सम्मेलन हॉल, भुवनेश्वर में किया गया था।

6. **स्कूल पाठ्यक्रम (कक्षा IV से XII) में आपदा और महामारी प्रबंधन का एकीकरण**

कक्षा IV से VIII तक के स्कूल पाठ्यक्रम में आपदा और महामारी प्रबंधन के एकीकरण के लिए सामग्री का विकास 'विषय पर विभिन्न कार्यशालाओ का आयोजन किया गया है। आपदा, खतरों, महामारी और इसकी सुरक्षा के उपायों और प्रबंधन पर पाठ विकसित किया गया है। पाठ में चित्र, कहानी, संवाद, उदाहरण और राज्य और विदेश का चित्रण शामिल है। इसकी संकल्पना NCF – 2005 और NEP – 2020 दिशानिर्देशों पर आधारित है।' समग्र छात्रों के अनुभवों, आलोचनात्मक सोच और सृजनात्मकता आदि को साझा करने की सुविधा प्रदान करती है।

7. **NEP 2020 के अनुवर्तन के रूप में NCF के विकास के संबंध में जिला स्तरीय परामर्श**

NEP 2020 कार्यक्रम के अनुवर्ती के रूप में NCF के विकास पर एक दिवसीय जिला स्तरीय परामर्श 13 अप्रैल 2022 को DIET,बारिपदा में NCERT, नई दिल्ली के सहयोग से TE &SCERT, ओड़िशा, भुवनेश्वर निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया था।

DIET संकायों के बीच तकनीकी कौशल पर व्यावसायिक विकास

जब कक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकृत होता है, तो सीखने की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आता है। पाठ्यचर्या और

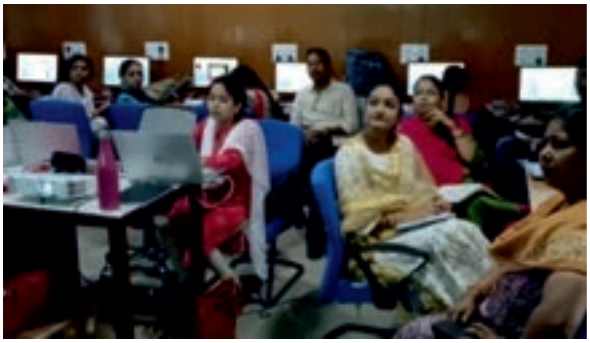

अन्य पाठ्यचर्या गतिविधियों में प्रौद्योगिकी एकीकरण छात्रों के सीखने की प्रक्रिया और परिणामों में सुधार लाता है। राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 डिजिटल इंडिया अभियान के बारे में जागरूक बनाती है, जो पूरे देश को डिजिटल रूप से सशक्त और परिणामों में सुधार में शैक्षिक प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षिक प्रक्रिया में सुधार लाने में शैक्षिक प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उद्देश्य :

- विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में उपयुक्त ICT उपकरणों के एकीकरण पर DIET संकायों की क्षमता का निर्माण करना।
- विभिन्न विषयों में मूर्त्त सामग्री बनाना और प्रारंभिक स्तर पर छात्रों द्वारा सीखने के परिणामों की प्राप्ति के लिए उनका उपयोग करना।

विज्ञान और गणित प्रकोष्ठ, टीई व एससीईआरटी

1. जिला विज्ञान पर्यवेक्षक सम्मेलन

इस निदेशालय के विज्ञान एवं गणित प्रकोष्ठ के वर्ष 2021 - 22 के कार्यक्रम दिनांक 17. 12. 21 को आयोजित जिला विज्ञान पर्यवेक्षक (DSS) सम्मेलन के साथ निदेशालय टीई व एससीईआरटी के सम्मेलन कक्ष में घोषित किया गया। बैठक का उद्देश्य शिक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के संचालन के बारे में चर्चा करना था।

2. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राज्य स्तरीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2022 को सरकारी ETET, यूनिट–VI, भुवनेश्वर में मनाया गया है। छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने पर चर्चा हुई। विभिन्न उभरते विषयों पर विज्ञान प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

3. राज्यस्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता 2021 - 22 (कनिष्ठ और वरिष्ठ दल)

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 30 मार्च, 2022 (वरिष्ठ) और 31 मार्च, 2022 (कनिष्ठ) को क्षत्रीय विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित की गई थी।

30 मार्च, 2022 को आयोजित वरिष्ठ ग्रुप साइंस क्विज प्रतियोगिता में 27 जिलों ने भाग लिया। 31 मार्च 2022 में आयोजित कनिष्ठ ग्रुप साइंस क्विज प्रतियोगिता में 29 जिलों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के साथ विजेताओं को प्रमाण - पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उद्देश्य : छात्रों के बीच विज्ञान दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक जागरूकता विकसित करना।

मूल्यांकन प्रकोष्ठ

स्कूल आधारित मूल्यांकन और बड़े पैमाने पर ल्यांकन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए टीई व एससीईआरटी निदेशालय में राज्य मूल्यांकन समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में वर्ष 2021 - 22 के लिए मूल्यांकन समिति के सदस्यों के सुझाव से निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित की गई हैं। प्रारंभिक स्तर के लिए राज्य के वर्तमान मूल्यांकन ढांचे का विश्लेषण किया गया और राज्य के स्कूल आधारित मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन ढाँचे को विकसित करने के लिए योजना बनाई गई।

- कोविड - 19 के मद्देनजर, स्कूल 2 सालों से अधिक समय से बंद थे, इसलिए मूल्यांकन प्रकोष्ठ ने बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए रणनीतियों को जानने के लिए कक्षा I से VIII तक बेसलाइन आकलन के लिए परीक्षण आइटम विकसित किए।

- हमारे राज्य में बेसलाइन एसेसमेंट टेस्ट का आयोजन राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में 22.11,2021 से 24.11.2021 कक्षा V से VIII और 09.03.22 से 11.03.22 तक कक्षा I से V तक अनौपचारिक तरीके से किया गया था।
- मूल्यांकन परिणाम राज्य स्तर पर भी छात्रों के सीखने के सुधार के लिए योजना और कार्यक्रम शुरू करने के लिए छात्रों की उपलब्धि के परिणाम के आधार पर विश्लेषण किया गया था।

साक्षरता और संख्यात्मकता में मूलभूत शिक्षण अध्ययन

मूलभूत शिक्षा में बच्चे का एकीकृत और समग्र शिक्षा का विकास शामिल है। तीन विकास लक्ष्य (जैसा कि एफएलएन मिशन दस्ताबेज में उल्लेख किया गया है) जो इस चरण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- बच्चे अच्छे स्वास्थ्य और अच्छाई को बनाए रखें।
- बच्चे प्रभावी संचारक बनें और
- बच्चे शिक्षार्थी बने रहे और अपने तात्कालिक वातावरण से जुड़े रहे ।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन का मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित दो लक्ष्यों के लिए ग्रेड 3 तक सीखने की समझ को सुविधाजनक बनाना और रणनीतियों को डिजाइन करना था।

- बच्चों को प्रभावी संचारक बनाना (आधारभूत साक्षरता)
- बच्चे अधिगम से जुड़े रहे और अपने तात्कालिक वातावरण से जुड़ रहे हैं। (फाउंडेशन न्यूमेरासी)

अध्ययन शिक्षा मंत्रालय और NCERT, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से साक्षरता और संख्यात्मकता में ग्रेड़ 3 के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। ओड़िशा में सभी जिलों को कवर करते हुए कुल 440 नमूना स्कूलों का चयन किया गया था। (129 स्कूल केवल संबलपुर के लिए हैं)। यह हमारे राज्य में 4 अलग - अलग भाषाओं (ओड़िया, उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी) में आयोजित किया गया था, जिसके सभी श्रेणी के स्कूल शामिल थे।

- अध्ययन करने के लिए टीई व एससीईआरटी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं।
- इस अध्ययन के लिए एससीईआरटी, ओड़िशा के राज्य नोडल अधिकारी और DIITs का चयन उनकी भाषा दक्षता के आधार पर किया गया।

- डाएट, प्रारंभिक शिक्षक शिक्षा संस्थानों और सरकारी, प्राथमिक शिक्षक शिक्षा संस्थानों (उर्दू) के कुल 345 फील्ड जाँचकर्ताओं को उनकी दक्षता को देखते हुए चुना गया है।
- अन्य प्रश्नावली, मूल्यांकन किट और छात्र प्रतिक्रिया पत्रक के साथ ओड़िआ भाषा में उपलब्ध पुस्तिकाओं (प्रभावी संचारक और शामिल विद्यार्थी) के 4 सेटों का अनुवाद और अनुकूलन पूरा किया गया था।
- मास्टर फैसिलिटेटर्स के लिए एमओई (MoE) और एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रशिक्षण के दो दौर (वर्चुआल और फिजिकल) और तदनुसार मास्टर फैसिलिटेटरर्य द्वारा ड्राई - रन (Dry - Run) के साथ जिला समन्वयकों और फील्ड परीक्षकों को चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

- अध्ययन की महत्वपूर्ण प्रकृति को ध्यान में रखते हुए एफएलएस (FLS) की इंटर - रेटर वैधता का आकलन करने के लिए फील्ड जांचकर्ताओं के लिए ड्राई - रन आयोजित किया गया था। और तदनुसार एनसीईआरटी (NCERT), पोर्टल पर OMR शीट अपलोड कर दी गई है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी (NCERT) ने इस उद्देश्य के लिए यूनिसेफ (UNICEF) से एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। शिक्षा मंत्रालय और जिला समन्वयकों द्वारा प्रदान किए गए स्कूलों की चयनित नमूना सूची ने स्कूलों के अस्तित्व की पुष्टि की और तदनुसार रिपोर्ट की।

अंत में अध्ययन पाठ हमारे राज्य में 23 - 25 मार्च, 2022, 26 - 28 मार्च, 2022 और 4 - 6 अप्रैल, 2022 तक आयोजित किया गया।

इस अध्ययन में ओड़िशा राज्य के 440 स्कूलों, 4134 नमूने छात्रों में से 4034 छात्रों और 869 शिक्षकों को शामिल किया गया।

अनुसंधान और प्रकोष्ठ के लिए गतिविधि

राज्य अनुसंधान सलाहकार समिति (एसआरएसी) का गठन किया गया था और स्कूल और जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा के तहत स्कूली शिक्षा और शिक्षक शिक्षा में आयोजित हुए विभिन्न अनुसंधान आधारित गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए अधिसूचना संख्या 1827/ एसएमई/ दिनांक 08.02.22 के तहत अधिसूचित किया गया था।

वित्तीय वर्ष 2022 के लिए इस निदेशालय के अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ पहले ही शुरू की जा चुकी है।

- स्कूल शिक्षा और शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के आधार पर विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों से 77 शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।
- राज्य अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा अनुसंधान प्रस्तावों की जाँच की गई है और जिला स्तर पर अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिया गया है।
- राज्य स्तर पर वर्ष 2021 - 22 के दौरान गृह आधारित शिक्षा पर आधारित अनुसंधान प्रस्तावों का निर्णय पहले से ही निर्णय तय हो चुका है। तदनुसार, राज्य अनुसंधान सलाहकार समिति के सहयोग से राज्य के DIETS/ BIETS/ ETEIS के संकायों द्वारा उपकरण विकसित किए गए हैं।
- वर्ष 2022 - 2022 के लिए राज्य अनुसंधान प्रस्तावों अर्थात् निस्था (NISHTHA) प्रशिक्षण के प्रभाव को भी अंतिम रूप दिया गया है और परियोजना के उपकरण भी विकसित हुए हैं।
- प्रसार के लिए शोध सारांश पर हैंडबुक तैयार करने के लिए राज्य के विभिन्न DIETS/ BIETS/ ETEIS से अनुसंधान सारांश भी एकत्र किए गए हैं।

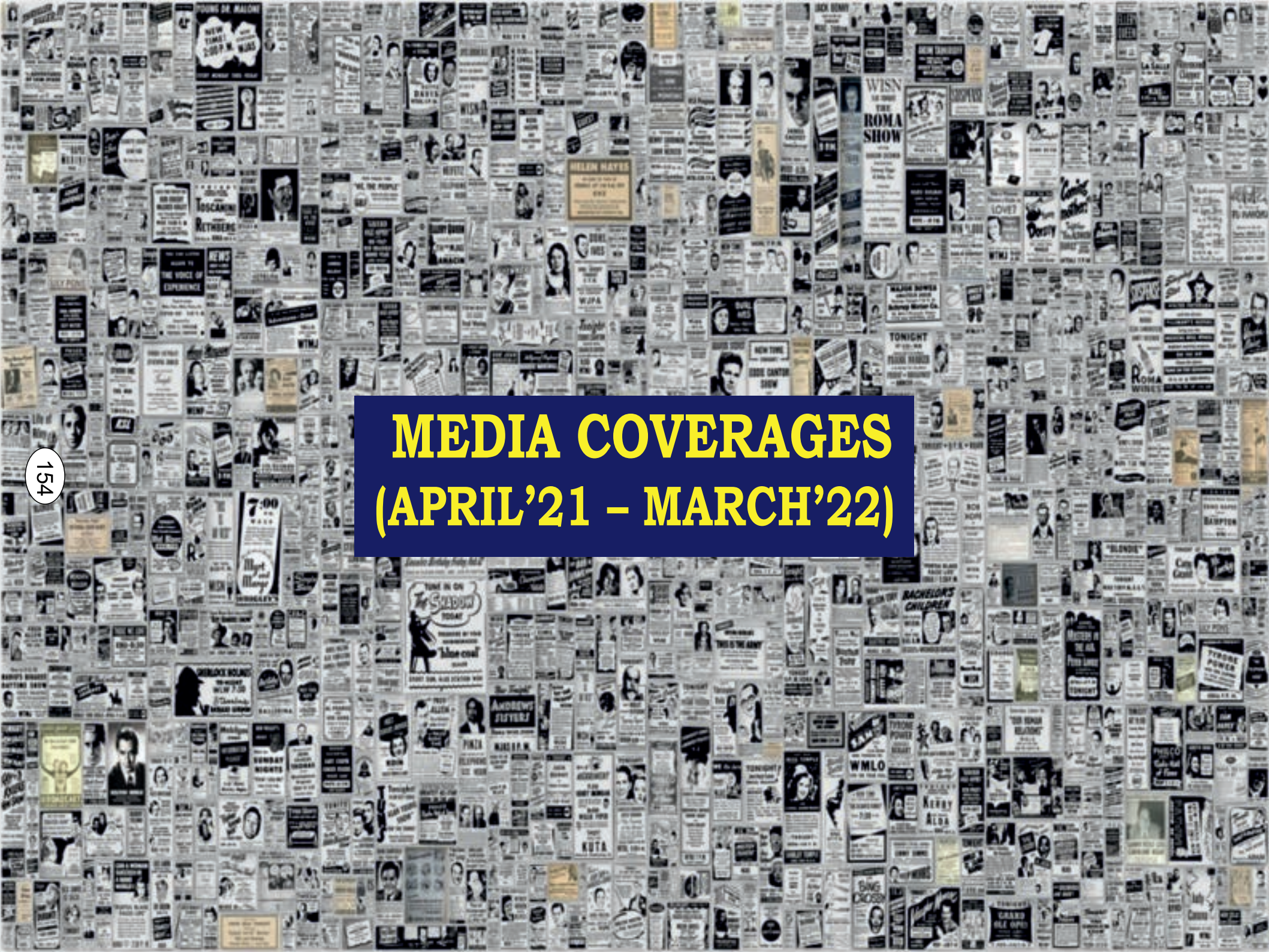
MEDIA COVERAGES
(APRIL'21 – MARCH'22)

EducationOdisha
Shri Satyabrata Sahu, Principal Secretary visited DIET Balangir and Odisha Adarsha Vidyalaya,Patharchepa, Balangir on 2.04.2021. He reviewed various ongoing activities of the Department.

EducationOdisha
Shri Satyabrata Sahu, Principal Secretary visited HS High School, Durgunjali, Sonepur. He reviewed preparedness for forthcoming Annual Board Exams.

EducationOdisha

EducationOdisha
Shri Satyabrata Sahu, Principal Secretary along with Collector & DM, Nuapada interacting with students about preparation for HSC Examination at Govt. Model High School, Sanabarag, Nuapada.

EducationOdisha
Alumni of National HS & Girls HS, Nuapada contributed Rs. 2 lakh each under the #Mobilise2 initiative. Shri Satyabrata Sahu, Principal Secy felicitated them with Hon'ble CM's Thank You letter. He also encouraged them by lending his voice with students on My School Song.

EducationOdisha
Shri Satyabrata Sahu, Principal Secy, visited Govt UG HS Lebidi, Sohela with Collector Bargarh & appreciated the HM and staff for taking various steps for all round development of school. He interacted with students, observed Smart class, distributed Thank you letter to Alumni.

EducationOdisha
Principal Secy Shri Satyabrata Sahu addressing alumni in his adopted School at Sarangadhar HS, Dhenkanal, a centre of excellence under #ST in presence of Hon'ble Minister, Steel & Mines, Sri Pratulla Kumar Mallick, Sri Arup Sahu, DIG Intelligence and Collector Dhenkanal.

EducationOdisha
Students registration in RTE portal for admission under free seats in private schools extended to 30th April 2021.

Admission for Elementary and Secondary Schools for the session 2021-22

SKOCH AWARD
SILVER

EducationOdisha
Detailed information on alternative methods of assessment for award of marks in all class-x equivalent examinations conducted by the B.S.E., ODISHA.
drive.google.com
Method of Marks | BSE - 2021

EducationOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 5, 2021
Plantation on occasion of World Environment Day at City High School Berhampur. Let's pledge to plant trees and save our earth.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 8, 2021
The State-Led Model of the IBM STEM for Girls Program to 258 schools across the state was launched today by Shri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister of School & Mass Education, Odisha to build capacity of girls in digital fluency, career choice, STEM mindset, 21st century skills

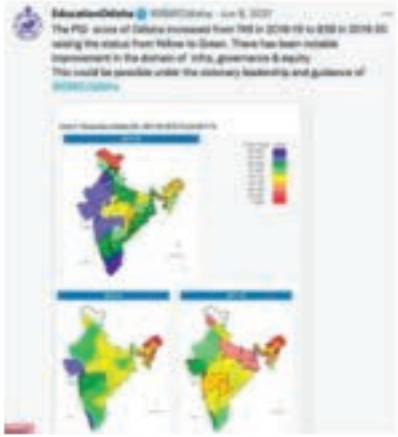
EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 8, 2021
The PGI score of Odisha increased from 7th in 2019-19 to 6th in 2019-20, raising the status from Yellow to Green. There has been notable improvement in the domain of infra, governance & equity.
This could be possible under the visionary leadership and guidance of

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 10, 2021
OSEPA has decided to conduct YouTube Live classes due to the COVID pandemic. State Project Director of OSEPA, Shri Bhupendra Singh Poonia has asked 15 of 30 district education officers to arrange two classes per district with properly listed features.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 11, 2021
A review meeting was held on 10.06.2021 by The Principal Secretary, SMME. He reviewed the ongoing civil works related to OAVS and it was decided the construction of Model Vidyalaya at Andharua, Bhubaneswar will be completed by 2022.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 13, 2021
A Smruti Sabha was held virtually today to observe the Ekadasha of Dr.Bijaya Kumar Sahoo, Advisor,OAVS. Hon'ble Minister, S& ME Dept joined others, including Principal Secretary,in paying tributes to @bpyaadmin.His vision will lead us to perform better.
youtube.com
Odisha Adarsha Vidyalaya Sangathan

GSAIE dept. Odisha has signed an MoU with Central Square Foundation (

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 17, 2021
GSAIE dept. has launched two learning management platforms named e-Pathshala and e-Mulyankan by Shri Samir Ranjan Dash,Hon'ble Minister of School & Mass Education.The department plans a plethora of digitally aided initiatives in near future to keep students connected to education.
Inauguration
e-pathshala & e-mulyankan

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 23, 2021
In the recently launched YouTube Live learning initiative, the channels have got an overwhelming response as 4 Lacs students subscribed the same. Around 12 lacs students attend the classes on each day. The channels have high coverage among all Odisha students.
@CMO Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 25, 2021
Shri Satyabrata Sahu, Principal Secretary, S& ME Department visited Ravenshaw Collegiate School, Cuttack today to lead the Green School Drive and discussed with its Alumni in virtual mode on pedagogical transformation and infrastructural development in near future.
@CMO Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 25, 2021
Plantation drive to be taken up in school premises in convergence with Forest, Horticulture & Panchayati Raj Departments. The green initiative is expected to transform the school environment.
@CMO Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 1, 2021
When India was hit by the second wave of COVID-19, the Odisha government took on a massive mission to supply medical oxygen and save lives. Watch how all forces and departments joined hands to fight the crisis together.
@CMO Odisha
youtube.com
Fighting the Crisis Together | Mission Oxygen | Part..
Partner Content for @CMO Odisha| When India was hit by the second wave of COVID-19, the Odisha ...

Online / YouTube Class
YouTube

NATIONAL

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 15, 2021
On the occasion of the nation's 75th Independence Day, S&ME department has celebrated the day with much fervour. May this Independence Day be one filled with national pride.
@CMO_Odisha
@samirdash01
@satyabrata1967

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 16, 2021
In a virtual interaction with the students of Sasana Ambagaon High School in Hinjili Block of Ganjam, Chief Minister has reviewed the transformation of the school and promised the students all help possible for their education.
@CMO_Odisha
@satyabrata1967
newsroomodisha.com
High Schools Transformation: Naveen Interacts With Hinjili School Stu...
Bhubaneswar: Chief Minister Naveen Patnaik today interacted with the students of Sasana Ambagaon High School in Hinjili Block of Ganjam...

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 18, 2021
Today, Orientation of Head Masters and Teachers of Ganjam District on 5T High School Transformation Programme, was successfully completed in presence of Shri Satyabrata Sahu, Principal Secy, S&ME dept., SPD(OSEPA), Director (SCERT) and other officers.
@CMO_Odisha
@MoSarkar5T

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 21, 2021
E-content for the smart classroom, e-Library, advisory for Science Laboratory has been unveiled on the eve of the dedication of first phase 5T-High School Transformation in Ganjam District by Hon'ble Chief Minister.
@CMO_Odisha
@MoSarkar5T
@satyabrata1967

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 23, 2021
Shri Ashok Kumar Satpathy, Asst. Teacher, Zilla Government School, Bhadrak and Shri Ajit Kumar Sethy, HM (i/c), Govt UPS, Kanamana, Chatrapur, Ganjam have been selected for the National Teachers Award 2021. Congratulations!
@CMO_Odisha
@satyabrata1967
@samirdash01

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 24, 2021
Under 5T initiatives, High Schools in Ganjam are undergoing a massive transformation. Hon'ble CM's vision is supported by School Management Committees, alumni, public representatives, students and teachers etc.
@CMO_Odisha
@MoSchoolOdisha
@satyabrata1967
newsroomodisha.com
News Room Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 27, 2021
In partnership with United Nations World Food Programme, a Training App FoSafMDM was launched to make mid day meals safe and hygienic. The App is aimed at Cook cum Helpers who play a key role in preparing hot cooked meals to school children.
@CMO_Odisha
@samirdash01
@satyabrata1967

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 27, 2021
More than 1000 high schools of the state to be upgraded under the 5T high school transformation programme. The number will go upto 5000 schools in the next three years. Odisha govt looks towards strengthening the state education system.
newsroomodisha.com/odia-special-5...
@CMO_Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 5, 2021
Hon'ble CM congratulated Shri Ashok Kumar Satpathy, Asst. Teacher, Zilla Govt. School, Bhadrak and Shri Ajit Kumar Sethy, HM (i/c), Govt UPS, Kanamana, Chatrapur, Ganjam for the National Teachers Award 2021. Medal and certificate handed over by Hon'ble Minister.
@CMO_Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 5, 2021
Hon'ble CM advised newly recruited Principals and teachers of Odisha Adarsha Vidyalayas to dedicate themselves for the development of students at a ceremony in Bhubaneswar today.
@CMO_Odisha
@OAVS_Official
@samirdash01
@satyabrata1967

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 5, 2021
Hon'ble CM laid the foundation for construction of iconic Adarsha Vidyalaya at Andharua, Bhubaneswar today. The complex will be constructed at a cost of Rs.100 crore.
@CMO_Odisha
@samirdash01
@OAVS_Official

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 6, 2021
3 of our students Aurobinda Dehuri, Titiksha Behera, Abhilipsa Bhol have been conferred with INSPIRE-MANAK Award in National Level Exhibition and Project Competition held at New Delhi on 6th Sept 2021.
@CMO_Odisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 6, 2021
During the Orientation Programme for Tele Teachers of Higher Secondary Schools of the State at ORSAC, Satyabrata Sahu, Principal Secretary, S&ME Deptt. interacted with the participants and inspired them to teach the next generation digitally.
@CMO_Odisha
@satyabrata1967
@ORSAC
EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 26, 2021
In view of cyclone Gulab, all schools under School and Mass Education Dept will remain closed tomorrow (27.09.2021) for students in the following 11 districts:
Puri,Khurda,Nayagarh,Ganjam,Gajapati,Kandhamal,Rayagada,Koraput,Malkangiri,Nabarangpur & Kalahandi.
@CMO_Odisha
EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 29, 2021
In a major step under 5T initiatives, Rs. 533.40 Crore have been sanctioned from OMBADC funds for transformation of 889 High Schools.
@CMO_Odisha
@MoSarkar5T
@OMBADC1
@samirdash01
@satyabrata1967
m.samajaepaper.in/pagezoomsinwin...
EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 10, 2021
youtube.com
Azaadi ka Amrit Mahotsav
A song on Bapu - Mahatma Gandhi
EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 15, 2021
A beautiful song on High School Transformation under @MoSarkar5T has been dedicated to everyone on the eve of Sishu Divas and Foundation Day of @MoSchoolOdisha.
@CMO_Odisha
@samirdash01
@satyabrata1967
youtube.com
5T HIGH SCHOOL TRANSFORMATION

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 18, 2021
In affiliation with one of the leading training providers of the country @unacademy, S&ME Department is giving a valuable opportunity to our Class XI students. Students can grab a scholarship for free coaching by unacademy.
@SMEOdisha @SMEOdisha
CMO Odisha and 8 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 21, 2021
High School Transformation Programme: Odisha Govt Starts Digital Content Mapping for E-Content Development.
@CMO_Odisha
@MoSchoolOdisha
@MoSarkar5T
@EduMinOfIndia
@samirdash01
newsroomodisha.com
High School Transformation Programme: Odisha Govt Starts Digital C...
Bhubaneswar: While the high school transformation programme is going at full throttle under 5T initiative, the Odisha Government is giving a bi...

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 20, 2021
For an effective execution of #MoSarkar5T School Transformation Program, our High School Teachers have successfully wrapped up a workshop on #DigitalContent mapping with existing curriculum for the development of e-content.
CMO Odisha and 4 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 22, 2021
Today, an orientation session under the leadership of Principal Secy Shri Satyabrata Sahu was held for higher secondary school principals and DEOs. The session covered topics of digital education and vocational education targeted towards imparting quality education in schools.
CMO Odisha and 5 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 23, 2021
To ensure the precise functionality of #5T School Transformation Program, SPD OSEPA reviewed the progress of Task Force III in a meeting scheduled today. The backend materials had been developed for E-content.
CMO Odisha and 5 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 23, 2021
@SMEOdisha @SMEOdisha
CMO Odisha and 8 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 23, 2021
Hon'ble Chief Minister has given his kind consent to recruit 11,403 Secondary teachers which will boost the manpower of #5T transformational Schools.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 23, 2021
Meeting on Capacity Building of newly recruited Initial Appointee Secondary Teachers- 2021 was held today in the Conference Hall of CHSE, Bhubaneswar under the Chairmanship of Principal Secy Shri Satyabrata Sahu and DSE, Odisha.
CMO Odisha and 4 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 28, 2021
With a positive intent of revamping the Educational Structure of the state, S&ME Deptt., Govt of Odisha organized a workshop on Capacity Building of District Education Officers & ADEOs on strengthening Teaching-Learning and Results for State.
CMO Odisha and 8 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 28, 2021
Shri Pradeep Kumar Jena, Development Commission cum ACS and Principal Secy, Shri Satyabrata Sahoo, chaired the workshop along with the presence of other Directors.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 28, 2021
A delineation of the famous line,"Unity is Strength" as #teamsducation DEOs & ADEOs of 30 Districts & all Directors of Dept. came together under one roof to discuss & share individual perspectives towards building a strong foundation for 5T High School Transformation Program.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 1
SPD, OSEPA revealed that in Odisha, 123 schools have been identified and designated as "EMRS" by @EduMinOfIndia. However, initially the programme is successfully launched today in 31 Government Schools of Odisha as Pilot project.
CMO Odisha and 5 others

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 1
To maintain the accuracy of Digital Content under #ST School Transformation Programme, a group of High School Teachers mapped the e-content with the curriculum of the Board of Secondary Education for History Subject of class IX & X with the guidance of State Officials.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 2
National Level #KalaUtsav2021 has been inaugurated on 1 January 2022. Representatives from #Odisha Antara Pattnaik and Aneesh Sarangi have performed in vocal classical music event on 2 January and made the state proud.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 3
To improve the efficiency of digital content developed for #ST School Transformation campaign, a group of High School Teachers aligned the e-content with the course curriculum of the Board of Secondary Education for #English subject with inputs from State Officials.
DIGITAL E-CONTENT MAPPED
ENGLISH(ଇଂରାଜୀ)
(CLASS IX-X)

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 4
With the assistance of State Officials, a team of High School Teachers executed the development of e-content for Mathematics subjects of class IX & X as per the syllabus of the BSE. It's another progressive step forward on the #ST School Transformation Programme.
DIGITAL E-CONTENT MAPPED
MATHEMATICS(ଗଣିତ)
(CLASS IX-X)

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 10
A team of High School Teachers with the supervision of State Officials strived for the aim of the #ST School Transformation Programme by developing the e-content of Odia subject for classes IX & X by the curriculum of the Board of Secondary Education.
DIGITAL E-CONTENT MAPPED
ODIA(ଓଡ଼ିଆ)
(CLASS IX-X)

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 13
NATIONAL LEVEL KALA UTSAV - 2021

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 13
NATIONAL LEVEL KALA UTSAV - 2021

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 18
3 of our students Chinmaya Kumar Das, Swadhin Kumar Das, and Grassy Nisha Singhal have been conferred as 1st position in Classical Dance, 2nd in Folk Dance, and 2nd in Folk Vocal Music respectively in National Level Kala Utsav 2021 held from 1st to 12th January 2022.
NATIONAL LEVEL
KALA UTSAV - 2021
EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 18
We are proud of their stupendous achievement and congratulate the awardees. Further S&ME Dept wishes a bright future ahead.

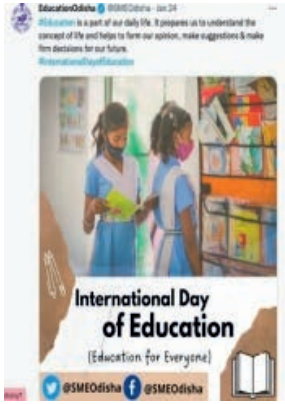
EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 24
#Education is a part of our daily life. It prepares us to understand the concept of life and helps to form our opinion, make suggestions & make firm decisions for our future.
#InternationalDayofEducation
International Day
of Education
(Education for Everyone)
@SMEOdisha @SMEOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 28
Our School Teachers have been conducting door to door classes with an objective to keep our students engaged with their studies & to keep them updated with their respective syllabus.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 29
Shri Bishnupada Sethi, Principal Secretary, S&ME Dept., inaugurated a booklet for children with special needs (CWSN). This will act as a guide for the students to have a clarity on the provisions offered to them for their class X & XII Board Examination.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 30
To ensure the delivery of quality education throughout the state & strengthen our education system, SPD OSEPA on behalf of @SMEOdisha signed an MoU with @PrameyaEdu for design & implementation of innovative solution & enhance efficacy of S&ME Dept's educational initiatives.

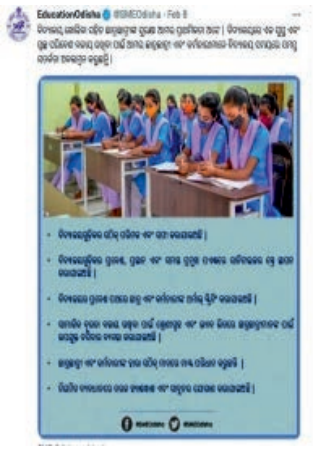
EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 8

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 8
The government has been pleased to allow the reopening of Private Pre-School i.e. Play & KG for the Academic Session 2021-22 from 14.02.2022. The Covid appropriate behavior will be followed scrupulously by the respective Private Pre-School Management.
BACK TO SCHOOL
"School bells are ringing loud and clear
It's time to play, learn and cheer"

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 8
An upward trend in the attendance of school students has been observed for today. The overall attendance has reached 81.43% for the entire state. It's a spike of 2.44% compared to yesterday's stats.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 9

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 8
With the resumption of Offline Classes, our students have started attending classes in their respective schools while following the Covid Appropriate Behaviour. In terms of attendance of students in schools, an overall attendance of 81.73% has been observed for the day.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 10
Board of Secondary Education and Council of Higher Secondary Education to hold extensive discussion with the Stakeholders and come out with a suitable proposal on the conduct of the examination/assessment.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 11
A hike in the overall attendance of students in schools is being observed every day. The attendance for today is 82.57% in the state & a total of 11 districts have more than 70% attendance for today. The highest attendance for the day is 88% in the Balasore district.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 14
Some fruitful advice for our students to commence on awareness campaign amongst themselves.
"New & innovative ideas will be appreciated because peer learning is always rewarding."

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 15
Few preventive actions for our students, to maintain a healthy environment in their surroundings.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 16
An MoU will be signed between I&AE Deptt. & Abdul Latif Jameel Poverty Lab for a noble purpose. For the improvisation of gender outcomes & promote gender equity among our students, a curriculum on gender equity will be introduced in the school syllabus from the new academic year.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 17
Few tips for our students to Maintain a Healthy Immune System.
"A healthy immune system helps to lead a balanced life in present & allows us to plan for a bright future."

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 19
Few suggestions for School Administrations to ensure a healthy & hygienic environment for our students & staff.
"Cleanliness & Neatness in the environment make us active & happy."

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 21
Some valid points to convince our parents for sending back their children to schools.
#StaySafeStayHealthy
#OdishaCares
"Let's not hesitate anymore to send your kids back to school, because we all are ready & fully equipped to Welcome back our students & Nurture them in a Learning, Healthy & Hygienic Environment."
Well strategized planners & safety guidelines to follow inside school premises.
Properly planned sitting arrangements to ensure social distancing in every classroom, labs, staffroom.
Fully transformed campus with modern technologies & equipment for a smart learning environment.
Patterned action plans to create an engaging & conducive environment in classrooms & labs to bridge the knowledge gap in required semesters.
WELCOME BACK TO SCHOOL

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 21
#InternationalMotherLanguageDay

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 23
Some legit benefits of attending classes from schools.
#StaySafeStayHealthy
#OdishaCares
@SMEOdisha @SMEOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 25
To review the current status & performance of Task Force-II for #ST High School Transformation Program, SPD-OSEPA chaired a workshop on Assessment Reforms.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 25
Parents & teachers need to work together towards a common goal. Help our kids to build a better life for themselves.
#ParentTeachersMeeting
Valid reasons to attend the Parents-Teachers Meeting
@SMEOdisha @SMEOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 26
When we have fun while learning, fundamentals become easy to perceive.
#FUN has been a major missing from our student's life in the current situation. Let's go back to school to learn & have fun together.
#BackToSchool
@SMEOdisha @SMEOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 28
As offline classes are going to resume throughout all the schools, Principal Secretary, Shri Bishnupada Sethi has taken an initiative to ensure a smooth & healthy beginning of traditional learning & a strong bond between our students, parents & teachers.
#TraditionalLearning
the pioneer
After schools reopen
Rapport building drive for students to be held

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 28
Our parents & teachers with joint effort have made it to complete the Parents-Teachers meeting successfully today. We have seen huge participation from parents' end. Today's meeting is hope for observing positive participation from students end on resumption of offline classes.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 27
We are all set & delighted to restart the journey of traditional learning & schooling with our beloved students. Different teaching methodologies & activities are in place to ensure a smooth begining. We're expecting jolly & fruitful environment in schools for coming days.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 28
Today is the day for our state to celebrate, as our schools have become fully functional for our students. Our teachers welcomed their beloved students with open arms.

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 2
S & ME Department takes the pride to Congratulate Mr. Om Prakash Mishra for becoming the First Teacher from Odisha to get honoured with the National ICT Teacher's Award by
#PrideOfOdisha
@CMO_Odisha
#EduMinOfIndia
#MoSankarDT
#MoSchoolOdisha

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 3
We're really proud of one of our students Lidan Banara for her enthusiasm & effort towards educating the students of Tribal Community belonging to her locality.
#PrideOfOdisha
#UNICEF
@CMO_Odisha
#EduMinOfIndia
#MoSankarDT
#MoSchoolOdisha

OSEPA @OSEPA_Official · Feb 1
Our School Teachers in the Puri District are getting involved with students deprived of the online mode of studies, by conducting door-to-door classes for them. This is to help students to complete & revise their respective syllabus and to keep them motivated.

OSEPA @OSEPA_Official · Feb 3
Our School Teachers in the Nayagarh district are making it feasible for students to complete & revise their respective syllabus by providing them proper guidance at their doorsteps. This is to help students, who are lagging with the facilities to attend classes online.

OSEPA @OSEPA_Official · Feb 15
A core team from OSEPA paid a visit to Pallahara block in Angul district to monitor the status & understand the progress of work funded by #OMBADC in schools under the #5T High School Transformation Programme.

OSEPA @OSEPA_Official · Feb 26
Below mentioned are the specifications of hostels, OAV, Talsankara:
Capacity to accommodate 200 beds for both the hostels.
A kitchen cum dining hall.
A cycle stands for parking purposes.

OSEPA @OSEPA_Official · Feb 26
An Inspection Team from OSEPA paid a visit to Sundergarh district to review the progress of construction of Boys & Girls Hostel of different Schools.

ଗଣଶିକ୍ଷାମନ୍ତ୍ରୀ ଇ-ଉପସ୍ଥାନ ଉନ୍ମୋଚନ କଲେ

ସମସ୍ତ ସ୍କୁଲରେ ଏଣିକି ଇ-ଉପସ୍ଥାନ

ସ୍କୁଲ 'ଇ-ଉପସ୍ଥାନ' ଆପ୍ ଶୁଭାରମ୍ଭ

ଏଣିକି ସରକାରୀ ସ୍କୁଲରେ ଇ-ଉପସ୍ଥାନ

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 13
ବୈଷୟିକ ଭିତ୍ତିଭୂମି ନୂତନ ଶିକ୍ଷାନୀତିର ପ୍ରମୁଖ ଆଧାର

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 14
An MOU has been signed by and between S & ME Department &
MoU Signing Ceremony

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 15
This training focuses mainly on the development & various aspects of leadership skills through different activities and modules designed by Board of Secondary Education, State Council Of Educational Research & Training, Directorate of Secondary Education and

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 15
OSEPA has organised three days Capacity Building Training of District Resource Groups with the aim to develop the required skills among the High School Teachers & Headmasters, in order to adapt the transformed environment of schools under ST High School Transformation Programme.

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 16
In accordance with Article 21A of the constitution, S&ME Department has launched an online portal, where citizens belonging to socially & economically disadvantaged background can register for their children's free education in private schools of Odisha.
youtube.com
RTE-PARADARSHI - SCHOOL AND MASS EDUCA..
The Right of Children to Free and Compulsory Education Act was passed by the Indian Parliamen..

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 16
For complete details regarding the eligibility for registration and procedure of selection, please visit the portal at "rteparadarshi.odisha.gov.in/odisha" or call at the toll free number -18003456722.
@CMO_Odisha
@EduMinOfIndia
@MoSarkarST
@PR_Odisha
rteparadarshi.odisha.gov.in
Odisha Right To Education
The Right of Children to Free and Compulsory Education Act was passed by the Indian Parliamen..

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 18
The Council of Higher Secondary Education (CHSE) has announced the date, mode, procedure & method of evaluation for +2 exams. The exam is to commence from 28th April & all the decisions related to the exam are based on student's & parent's perspective.

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 31
We have been working consistently towards the success of

DSEPA @OSEPA_Official · Apr 30, 2021
ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ସର୍ଭେ କରିବେ ଶିକ୍ଷକ

OSEPA @OSEPA_Official · Jan 25
Here are the details for YouTube Live Classes. Students need to subscribe to their respective class channels to stay updated with the stream schedule.
#LiveLesson
#YouTube
YouTube Live Streaming Classes

OSEPA @OSEPA_Official · Jan 31
Since our teachers are conducting door-to-door classes for students lagging with facilities to attend online classes, DEOs from various Districts supervised the flow of studies in-person to have more clarity on the adapted structure of education.

ଶ୍ରେଷ୍ଠ ୧୮ ପ୍ରତିଯୋଗୀ ଛାତ୍ରୀଛାତ୍ର ପୁରସ୍କୃତ ହୋଇଛନ୍ତି

ଜାତୀୟସ୍ତରରେ ଯୋଗଦେବେ ୧୮ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ

ପିଲାଙ୍କୁ ସ୍କୁଲ ଆସିବାକୁ ବାଧ କରାଯିବନି

ଖୋଲିବ ୬୩ ଆଦର୍ଶ ବିଦ୍ୟାଳୟ

ଜିଲ୍ଲା ସାଧନ ଗୋଷ୍ଠୀଙ୍କୁ
ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ ତାଲିମ

ଜିଲ୍ଲା ସାଧନ ଗୋଷ୍ଠୀର ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ ତାଲିମ

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଜ୍ଞାନର ବିକାଶ ନିମନ୍ତେ
ମାଇଣ୍ଡ ୱାରସ ସହାୟତା ଦେବ

ରାଜ୍ୟରେ ଆରମ୍ଭ ହେବ 'ମାଇଣ୍ଡ୍ ୱାରସ୍' ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ